हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी





शिव के सम्मुख साधना का महा संकल्प

एक माह का निराहार, अनवरत शिव आराधना में लीन स्वामी कैलाशानंद गिरि

अनुभव वृतांत

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

श्रावण मास में शिव आराधना भारतीय पौराणिक और आध्यात्मिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा रही है। इस महीने देशभर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है, कोई शिवलिंग पर जल चढ़ाता है, कोई दुग्धाभिषेक करता है, कोई बेलपत्र अर्पित करता है तो कोई शिव नाम का जाप करता है। शिव भक्तों की कांवड़ यात्रा भी इस माह की अद्भुत पहचान है। ईश्वर को प्रसन्न करने के श्रद्धालुओं का अपने सामर्थ्य और समझ के



साथ प्रयास रहता है। भारतीय परंपरा में तो ऐसे साधकों की अनेक कथाएँ भी हमने सुनी और पढ़ी हैं, जिनकी तपस्या और साधना ईश्वर को भी बाध्य कर देती हैं। अपनी भक्ति की शक्ति से भगवान को जीत लेती है साधकों.की यह साधना। ध्रुव, प्रह्लाद ,नचिकेता, मार्कण्डेय जैसे साधकों की कथाओं के बीच ही हम पले-बड़े हैं, लेकिन यह प्रसंग मुख्यतः सतयुग, त्रेतायुग और द्वापरयुग से जुड़े हैं। कलियुग के संदर्भ में आम धारणा है कि ▶▶|शेष पेज 7 पर





अब सोसाइटी प्रबंधक कीमत देंगे या धान, नहीं तो कार्रवाई तय

सोसाइटियों में 68 हजार टन धान शार्टेज कांकेर, बस्तर में सबसे ज्यादा कमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में पिछले खरीफ सीजन 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान में से करीब साढ़े 68 हजार टन का शार्टेज यानी कमी पाई गई है।

खास बात ये है कि धान में सबसे अधिक कमी कांकेर, बस्तर, राजनांदगांव, गरियाबंद,, बालोद जिले में सामने आई है। जिन सोसाइटियों में धान में कमी आई है अब वहां के धान खरीदी प्रभारी या प्रबंधक को धान की कीमत देनी होगी या कम हुए धान की मात्रा जमा करानी होगी। नहीं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी तय है। धान में यह कमी सूखत या धान की किसी भी प्रकार से बरबादी की वजह से आई है,ऐसा बताया गया है। राज्य में पिछले खरीफ सीजन में 141 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया था। राज्य के 2740 केंद्रों में से 2634 केंद्रों में धान लेखा मिलान हो चुका है, यानि धान का वहां पूरा हिसाब हो चुका है।

खास खबर

कांकेर में सबसे अधिक कई जिलों में शून्य शॉर्टेज



33 जिलों के आंकड़ों पर नजर डालें तो कांकेर में सबसे अधिक 13,436 टन धान शेष है। इसके बाद बस्तर (4,739 टन), राजनांदगांव (4,825 टन), गरियाबंद (4,424 टन), बालोद (4,248 टन), मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी (3,906 टन), कवर्धा (3,838 टन) और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (3,467 टन) का स्थान है। सबसे कम शॉर्टेज वाले जिले, जहां शॉर्टेज दर्ज है, वहां सबसे कम मात्रा सक्ती में 483 टन है। इसके बाद सूरजपुर (486 टन), जांजगीर-चांपा (471 टन), गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (566 टन), सारंगढ़-बिलाईगढ़ (314 टन), बलौदाबाजार (292 टन), बिलासपुर (214 टन), रायपुर (210 टन), मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (231 टन) और सारगुजा (1,151 टन) जैसे जिले हैं, जहां शॉर्टेज अपेक्षाकृत कम है।

33 जिलों की तस्वीर

प्रदेश के 33 जिलों में से 7 जिलों में शॉर्टेज शून्य है, जबकि शेष 26 जिलों में किसी न किसी स्तर पर धान की कमी दर्ज की गई है। आंकड़े बताते हैं कि शॉर्टेज कुछ चुनिंदा जिलों में अधिक केंद्रित है, जबकि अधिकांश जिलों में यह कुछ सौ टन से लेकर कुछ हजार टन तक सीमित है। पूरे प्रदेश में उपार्जन केंद्रों में शेष धान का कुल आंकड़ा 68,491 टन है, जिसे विभाग सोसाइटियों में दर्ज कमी के रूप में देख रहा है।

खबर संक्षेप

पुलित्जर विजेता स्लावा का निधन

सैकरामेंटो। पुलित्जर पुरस्कार विजेता फोटोग्राफर स्लावा साल वेडर का 99 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह उस ऐतिहासिक तस्वीर के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते थे, जिसमें वियतनाम के युद्धबंदी शिविर में पांच साल बिताने के बाद अमेरिकी वायुसेना के लेफ्टिनेंट कर्नल रॉबर्ट एल. स्टर्म अपने परिवार से खुशी से मिलते नजर आए थे।

छह अफसरों के तबादले, दीप्ति पीएससी की परीक्षा नियंत्रक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर



छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के आधा दर्जन अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। सामान्य प्रशासन विभाग की उपसचिव ऋतु वर्मा को पीएससी के परीक्षा नियंत्रक के अतिरिक्त प्रभार से हटा दिया गया है। वहीं दीप्ति गौते को नया परीक्षा नियंत्रक बनाया गया है।

अंबिकापुर निगम के आयुक्त देवनारायण कश्यप को मंत्रालय में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का उपसचिव बनाया गया है। वहीं नारायणपुर जिला पंचायत के सीईओ विनय कुमार अग्रवाल को अंबिकापुर नगर निगम का आयुक्त बनाया गया है। कोंडागांव के अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर को जिला पंचायत नारायणपुर का मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है। बेमेतरा के अपर कलेक्टर गुड्डू लाल जगत को मंत्रालय में श्रम विभाग का उपसचिव बनाया गया है। बलौदाबाजार-भाटापारा की अपर कलेक्टर दीप्ति गौते को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग का परीक्षा नियंत्रक बनाया गया है।

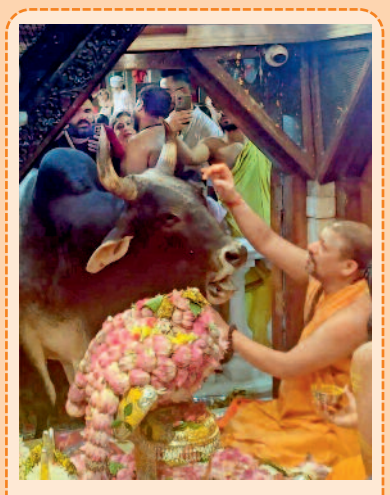

अद्भुत... आराध्य के अभिषेक का साक्षी बनने नंदी का आगमन

"यह दृश्य अपने आप में अद्भुत और भावविभोर कर देने वाला होता है-जब एक ओर महादेव का अभिषेक चल रहा हो और उसी क्षण अचानक नंदी का पूजा स्थल पर आगमन हो जाए। जिस सहज भाव से नंदी वहाँ आते हैं, कुछ क्षण ठहरते हैं और फिर महादेव के सामने बैठ जाते हैं, वह दृश्य श्रद्धालुओं के मन को भीतर तक छू जाता है। ऐसा लगता है मानो नंदी स्वयं अपने आराध्य महादेव के अभिषेक के साक्षी बनने चले आए हों। उस क्षण वातावरण में आस्था और भक्ति का जो भाव पैदा होता है, उसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन होता है।"





कीचड़ में लिपटी इमारतें मलबे से पटे इलाके

लापता लोग और मौत का मंजर...

युद्धस्तर पर चल रहा बचाव और बहाली का काम

तबाही के बाद नेपाल...





रेस्क्यू टीम ने जेसीबी की बाल्टी में बिठाकर एक कीचड़ में सनी बुजुर्ग महिला को सुरक्षित स्थान की ओर ले जाते हुए।



बाढ़ की तबाही के बीच सुरक्षा बल के जवान कीचड़ में सने एक बुजुर्ग को कंधों पर उठाकर सुरक्षित स्थान की ओर ले जाते हुए।



रेस्क्यू टीम ने कीचड़ में सनी एक बुजुर्ग महिला को सुरक्षित स्थान की ओर ले जाते हुए।



नुवाकोट जिले में त्रिशूली बांध पर भयानक अचानक आई बाढ़ के बाद बचाव और बहाली का काम चल रहा है।

तिब्बत में हिमनद के ढहने से बुधवार को चीन और नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र में अचानक भीषण बाढ़ के चलते बड़ी संख्या में जान-ओ-माल का नुकसान हुआ है। युद्धस्तर पर बचाव और बहाली का काम चल रहा है। आपदा के इस कठिन समय में सेना और रेस्क्यू टीमें लगातार बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं। नेपाल में बाढ़ के बाद इलाका पूरी तरह कीचड़ और मलबे से पट गया है। एक ट्रक गहरे कीचड़ में फंसा दिखाई दे रहा है, जबकि आसपास की इमारतें और सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं। पहाड़ों और बादलों के बीच यह दृश्य आपदा की व्यापक तबाही को साफ दिखाता है।

अमेरिकी कांग्रेस ने की आरएसएस प्रमुख का वीजा रद्द करने की मांग

विवादों में घिरा भागवत का कार्यक्रम आयोजक का एक्स अकाउंट सस्पेंड

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का न्यूयार्क, अमेरिका में 29 अगस्त को प्रस्तावित कार्यक्रम विवादों में घिर गया है। विभिन्न संगठनों द्वारा किए जा रहे विरोध के बीच, कार्यक्रम आयोजक संस्था अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग (अहेड फोरम) का एक्स अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी कांग्रेस की एक सलाहकार समिति ने ट्रंप प्रशासन से भागवत को जारी वीजा रद्द करने की मांग कर दी है।

एजेंसी ▶▶| न्यूयार्क

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के न्यूयॉर्क में प्रस्तावित कार्यक्रम से कुछ दिन पहले आयोजक संस्था अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग (अहेड फोरम) का एक्स अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्स ने अब तक सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट नहीं किया है कि 'अहेड फोरम' के अकाउंट को किस वजह से निलंबित किया गया। अहेड फोरम ने दावा किया है कि उसके सोशल मीडिया पोस्ट एक्स की नीतियों के अनुरूप थे। संगठन के अनुसार, उसके संदेशों में 'विश्व शांति, एकता, सद्भाव और संवाद' पर जोर दिया गया था और अलग-अलग समुदायों के बीच रचनात्मक बातचीत को बढ़ावा देने की कोशिश की गई थी।



न्यूयॉर्क में 29 अगस्त को होने वाले कार्यक्रम का हो रहा विरोध

सुरक्षा को लेकर हिंदू संगठन ने जारी की एडवाइजरी

कार्यक्रम को लेकर हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (हाफ) ने भी सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। संगठन ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों से सतर्क रहने, आसपास के माहौल पर नजर रखने और किसी भी तरह के विवाद से बचते हुए बातचीत को शांतिपूर्ण रखने की अपील की है।

कार्यक्रम को लेकर विरोध तेज : कार्यक्रम को लेकर विरोध भी तेज हो गया है। कुछ संगठनों ने भागवत और आरएसएस की विचारधारा पर सवाल उठाते हुए कार्यक्रम के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने भी कार्यक्रम का विरोध किया है। वहीं, 'हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स' ने मैडिसन स्क्वायर गार्डन के बाहर विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। भागवत के विरोधियों का आरोप है कि आरएसएस एक बहिष्कारी हिंदू राष्ट्रवादी एजेंडे को बढ़ावा देता है।

यूएससीआईआरएफ ने भागवत के वीजा पर उठाया सवाल

भागवत के अमेरिका दौरे को लेकर अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग 'यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम' (यूएससीआईआरएफ) भी सक्रिय हुआ है। आयोग ने अमेरिकी सरकार से आरएसएस के सदस्यों और कुछ भारतीय अधिकारियों के खिलाफ लक्षित प्रतिबंधों पर विचार करने की अपील की है। आयोग ने भागवत का अमेरिकी वीजा रद्द करने पर भी विचार करने को कहा है। हालांकि, भारत के विदेश मंत्रालय ने यूएससीआईआरएफ के आरोपों को खारिज कर दिया है। मंत्रालय ने आयोग पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने और विश्वसनीयता की कमी का आरोप लगाया है।

9/11 मुख्य साजिशकर्ता के खिलाफ मुकदमा शुरू

वाशिंगटन। अमेरिकी सैन्य अदालत के एक न्यायाधीश ने 11 सितंबर 2001 के आतंकवादी हमलों की साजिश रचने के आरोपी खालिद शेख मोहम्मद और तीन अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए 2028 की तारीख तय की। मुकदमा पांच जून 2028 से शुरू होगा। अमेरिकी वायुसेना के लेफ्टिनेंट कर्नल माइकल ए। श्रामा ने अपने फैसले में लिखा कि मुकदमे से पहले के विवादों को सुलझाने के लिए अतिरिक्त समय जरूरी है। इनमें यह मतभेद भी शामिल हैं कि मुकदमे के दौरान कौन से सबूत पेश किए जा सकते हैं। 2028 में शुरू होने वाला मुकदमा भी कई समय-सीमाओं और निर्धारित चरणों के पूरा होने पर निर्भर है।

हाईकोर्ट ने दिया झटका

फ्रीज बैंक खातों का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा अब ममता गुट

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पूर्व सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट को पार्टी के चार बैंक खाते चलाने की अंतरिम अनुमति देने से इंकार कर दिया है। इन खातों में करीब 804 करोड़ जमा हैं और पुलिस ने इनसे निकासी पर रोक लगा रखी है।

कोलकाता हाई कोर्ट ने गुरुवार को इसी मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऐसी राहत देने से उसके पहले के आदेश का असर खत्म हो जाएगा। उस आदेश में राजनीतिक दल के रोजमर्रा के खर्च पूरे करने की अनुमति दी गई थी। मामले की अगली सुनवाई दुर्गा पूजा की छुट्टियों के बाद होगी। कोर्ट ने इससे पहले दोनों पक्षों को अपना-अपना पक्ष बताते हुए हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया।



कोर्ट ने कहा- पहले का आदेश गलत

कोलकाता हाईकोर्ट के जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने कहा कि चार खातों को चलाने की आगे अनुमति देने का आदेश उनके पहले के आदेश को 'गलत' साबित कर देगा। टीएमसी ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में मौजूद चार खातों को चलाने की अनुमति मांगी थी। पार्टी ने दावा किया था कि इन खातों पर रोक लगाने से जुड़ी **FIR** में कई कमियां हैं। पश्चिम बंगाल सरकार ने कहा कि आपराधिक मुकदमे में कानून के मुताबिक कदम उठाए गए हैं और पुलिस को जांच जारी रखने की अनुमति दी जानी चाहिए।

कांगपोकपी में अचानक हमला अंधाधुंध की गई फायरिंग

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, 4 लोगों की मौत

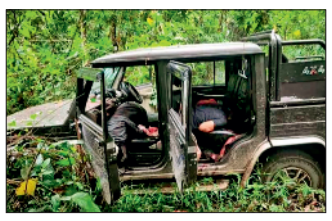

एजेंसी ▶▶| इंफाल

मणिपुर के कांगपोकपी में गुरुवार की सुबह एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। इम्फाल-तामेंगलॉन्ग रोड पर स्थित गांवों के पास अज्ञात शस्त्रधारियों ने अचानक हमला कर दिया। इस अंधाधुंध गोलीबारी में नागा समुदाय के चार आम नागरिकों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। हिंसा के बाद से एक ग्रामीण लापता भी बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, ये घटना सुबह करीब 8:30 बजे मकुई आशांग और थानम्बा नागा गांवों के बीच घटी। ये इलाका आईटी रोड के किनारे बसे नागा गांवों के लिए आवाजाही की लाइफलाइन माना जाता है। घटना के तुरंत बाद इलाके में दोनों तरफ से रुक-रुक कर भारी गोलाबारी की खबरें भी सामने आईं।

सुरक्षा बल तैनात, तलाशी अभियान जारी : हमले के पीछे किन लोगों का हाथ था और इस वारदात की वजह क्या थी, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं। घायल व्यक्ति को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लापता ग्रामीण की तलाश के लिए जंगल और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है।

ट्रंप के 'इकोनॉमिक डी-डे' की धमकी पर भड़का

ईरान ने किया पलटवार, तेल सप्लाई रोकने की दी चेतावनी

तेहरान। अमेरिका ने ईरान पर नई आर्थिक पाबंदियां लगाते हुए उसके प्रतिबंध चोरी करने वाले नेटवर्क को निशाना बनाया है, लेकिन बड़ी नई पाबंदियां न लगने से यह कदम कमजोर माना जा रहा है। जवाब में ईरान ने होर्मुज समेत पूरे खाड़ी क्षेत्र से तेल सप्लाई रोकने, यूरोपीय देश बुल्गारिया जैसे नाटो सदस्यों तक जंग फैलाने और परमाणु अप्रसार संधि से बाहर निकलने की धमकी दी है। अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अमेरिका उस पूरे नेटवर्क को निशाना बनाएगा, जिसे ईरान ने सालों में बनाया है ताकि वह अमेरिकी प्रतिबंधों से बच सके. यह ऐलान उस जंग के छह महीने बाद आया है, जो अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ शुरू की थी और अब यह जंग बिना किसी हल के अटकी हुई है। नई पाबंदियां डिजिटल एसेट्स, टेक्नोलॉजी और शिपिंग जैसे सेक्टरों में ईरान के कारोबारी साझेदारों पर लगाई जाएंगी।



खड़गे ने परिसीमन को लेकर पीएम को चिट्ठी लिखी

परिसीमन प्रस्ताव पर पीएम मोदी से फिर मांगी सर्वदलीय बैठक

'लोकसभा सदस्यों की संख्या अगले 25 साल तक 543 ही बनाए रखें'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर परिसीमन पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। खड़गे ने मोदी से आग्रह किया कि वे परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्तावों को सभी राजनीतिक दलों के साथ शेयर करें। उन्होंने सभी दलों और राज्य सरकारों को इन प्रस्तावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय देने को कहा। लेटर में खड़गे ने पीएम से कहा कि लोकसभा में राज्यवार मौजूदा संख्या बल को अगले 25 साल तक 543 बनाए बनाए रखने की मांग की है। 2029 के लोकसभा चुनावों से महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण लागू करें।



पहले भी पीएम को लेटर लिखा था : खड़गे ने कहा कि उन्होंने इससे पहले 16 जुलाई को पीएम को पत्र लिखकर परिसीमन के लिए सरकार के प्रस्तावों पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री के संकेत दिए जाने के अनुसार आगे बढ़ने से पहले मैं कहना चाहता हूं कि कृपया फिर से जबरदस्ती करने की कोशिश न करें जैसा कि आपने 16 और 17 अप्रैल, 2026 को करने का प्रयास किया था। आपसे आपके मन में जो भी परिसीमन प्रस्ताव हैं, उन पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाएं।

परिसीमन को लेकर क्या कहता है संविधान

परिसीमन का अर्थ है निर्वाचन क्षेत्रों का सीमा निर्धारण या पुनर्निर्धारण, जिसे संविधान के अनुच्छेद 82 और अनुच्छेद 170 के तहत किया जाता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 82 के तहत हर जनगणना के बाद संसद परिसीमन आयोग का गठन कर सकती है। इसके अलावा अनुच्छेद 170 भी राज्यों की विधानसभा सीटों के परिसीमन से संबंधित प्रावधान करता है।



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



बहन का जीवन और परिवार की लौटी खुशियां

भाई ने किडनी देकर भरोसे को अटूट रखा

विकास शर्मा ⏭ रायपुर

पिछली बार राखी बंधवाने के दौरान बहन प्राची को दिए गए रक्षा के वचन को भाई कौशलेन्द्र ने पूरा कर दिखाया। कुछ समय पहले प्राची की दोनों किडनी फेल हो गई थी और उसका जीवन डायलिसिस के भरोसे हो गया था। स्वस्थ्य जीवन के लिए प्रत्यारोपण ही एकमात्र विकल्प रह गया था। बेटी की खातिर माता-पिता अपनी किडनी देने को तैयार थे मगर जांच में मैच नहीं हो पाए। तब कौशलेन्द्र ⏭शेष पेज 7 पर

भाई-बहन में विशेष स्नेह

पिता बृजेश ने बताया कि वैसे तो पूरा परिवार का प्राची से लगाव है मगर बड़ा भाई कौशलेन्द्र का उससे विशेष स्नेह है। भाई-बहन एक-दूसरे की जरूरतों और पसंद-नापसंद का विशेष ध्यान रखते हैं।

भाई-बहनों के अटूट प्रेम की आंकड़ों में देखिए एक बानगी ...

- **वर्ष 2022:-** एक ने दूसरी बहन तथा 3 बहनों ने अपने भाइयों को किडनी के रूप में नया जीवन दिया।
- **वर्ष 2023:-** दो भाइयों ने अपने भाइयों के जीवन की रक्षा की, वहीं 5 बहनों से भाइयों को किडनी देकर अपना फर्ज निभाया।
- **वर्ष 2024:-** एक बहन ने अपने भाई को लिवर तथा तीन ने किडनी देकर स्वस्थ जिंदगी का उपहार दिया।
- **वर्ष 2025:-** एक भाई ने दूसरे को और 2 बहनों ने अपने भाई को किडनी के रूप में नया जीवन प्रदान किया।
- **वर्ष 2026:-** एक भाई ने भाई और 2 बहनों ने अपने भाईयों तथा एक भाई ने बहन को किडनी देकर रक्षा करने का वादा निभाया।

रक्षाबंधन आज

ऐसा है मुहूर्त

मुख्य शुभ समय : सुबह 05:57 बजे से सुबह 09:48 बजे तक

लाभ और अमृत चौघड़िया: सुबह 07:33 बजे से 09:48 बजे तक

अभिजीत मुहूर्त : दोपहर 11:56 बजे से दोपहर 12:50 बजे तक

प्रतिबंधित समय

रायपुर के स्थानीय समयानुसार, राहुकाल सुबह 10:30 बजे से प्रारंभ होगा, जो दोपहर 12 बजे से थोड़ा पहले समाप्त होगा। राहुकाल में शुभ कार्य वर्जित होता है। ऐसे में इस दौरान राखी बांधने से बचना चाहिए।

संकल्प था....निभाया मुसीबत थी....बचाया

स्नेह से भीगा धागा भले ही कच्चा हो, पर उस पर चढ़ा भरोसे का रंग पक्का होता है। भाई-बहन का रिश्ता महज भावनात्मक नहीं होता, और न ही रक्षाबंधन सिर्फ कलाई सजाने का पर्व है। यह उस भरोसे और संकल्प का दिन है, जिसमें भाई और बहन एक-दूसरे की रक्षा करने और ताकत बनने का अघोषित, मौन वादा करते हैं। छत्तीसगढ़ में ऐसी कई मिसालें हैं, जब भाई ने अपनी जान दांव पर लगाकर बहन के जीवन की रक्षा की या बहन ने भाई को बचाया। मुश्किल वक्त में साथ खड़े भाई-बहनों ने बताया कि उनकी असली ताकत वही भरोसा है, जो संकल्प के रूप में हर साल रक्षाबंधन पर दोहराया जाता है। रक्षाबंधन पर जानिए कुछ ऐसे ही भाई-बहनों की दिल छू लेने वाली रियल स्टोरी-

250 नक्सलियों ने घेरा, भाई को लगी पांच गोलियां, बहन ने पीठ पर लादकर 500 मीटर तक दौड़ लगाई और बचा ली जान

राजेश दास ⏭ जगदलपुर

रक्षाबंधन विशेष

भाई-बहन के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन में हम आज एक ऐसी बहन की बात कर रहे हैं, जिसने अदम्य साहस व सूझबूझ का परिचय देते हुए घर में घुसे नक्सलियों की परवाह न करते हुए घायल भाई को बचा लिया। भाई को पांच गोलियां लगी थी, जिसे कंधे पर ⏭शेष पेज 7 पर



गोलियों के बौछार के बीच नक्सलियों के चंगुल से भाई अभिजीत को बचाने में कामयाब रही अंजलि

बहन का हौसला, गन की ताकत पर पड़ा भारी

अंजलि की सूझबूझ और बहादुरी की वजह से तुरंत घायल अभिजीत को पहले दंतेवाड़ा अस्पताल और फिर वहां से तुरंत एयरलिफ्ट कर रायपुर के रामकृष्ण अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने कहा कि अगर अंजलि समय पर भाई को वहां से न निकालती तो अत्यधिक खून बहने से अभिजीत की जान चली जाती। लगभग दो माह उपचार के बाद अभिजीत पूरी तरह ठीक होकर घर लौटा।

बस्तर की फिजा में गूंज रही यह कहानी

अभिजीत ने कहा कि उस समय दीदी नहीं होती तो आज वह नहीं होता। अंजलि ने यमराज के हाथों से अपने भाई को छीन लिया था। वर्ष 2010 में उसे राज्य वीरता पुरस्कार तथा तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने वर्ष 2011 में अंजलि को इस वीरता के लिए सर्वोच्च 'राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार' (बापू गायधानी अवार्ड) से नवाजा तो उन्होंने भी इस नन्ही बच्ची की पीठ थपथपाई। ⏭शेष पेज 7 पर

भाई की जान बचाने दो बच्चों की मां ने दान की थी अपनी किडनी

विकास चौबे ⏭ बिलासपुर



यह कहानी हमें सिखाती है कि भाई-बहन का रिश्ता सिर्फ एक धागे तक सीमित नहीं है। यह बिना किसी शर्त के एक-दूसरे के लिए सर्वस्व न्योछावर करने का नाम है। बिलासपुर के कश्यप कालोनी निवासी श्रीमती ऊषा चौबे जैसी बहनें समाज के लिए प्रेरणा हैं, जो अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ मानवीय रिश्तों के मर्म को भी दर्शाती हैं। भाई की जान बचाने के लिए 28 साल पहले उन्होंने अपनी एक किडनी दान की थी, लेकिन इतने बड़े त्याग के बावजूद कोरोना काल में उनकी जान चली ⏭शेष पेज 7 पर

> पति इस फैसले में बाधा नहीं बने बल्कि साथ लेकर वेल्लूर पहुंचे थे

> कोरोना काल में बीमारी से चल बसा भाई

27 साल बाद भी पूरी तरह स्वस्थ

श्रीमती उषा चौबे बताती हैं कि उन्हें कभी किसी भी तरह की स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत नहीं हुई। अभी वे पूरी तरह से स्वस्थ हैं और नियमित दिनचर्या जीतीं हैं। उन्होंने कहा कि मैं अपने भैया की उस समय जान बचा सकी यह बड़ी बात रही।

छोटी उम्र, बड़ा साहस

तीन साल के भाई को बचाने आग में कूद गई छह साल की बहन

लक्ष्मण लेखवानी ⏭ रायपुर



रक्षाबंधन पर्व को भाई-बहन के पवित्र प्रेम, अटूट विश्वास और सुरक्षा के संकल्प के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस दिन न केवल भाई अपनी बहन से कलाई पर राखी बंधवाकर उसकी जिंदगी भर उसकी रक्षा एवं खुश रखने का संकल्प लेता है, बल्कि बहन भी अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर हमेशा भाई की लंबी उम्र की कामना करती है। इस संकल्प को छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के एक छोटे से गांव बिरेझरभाठा, अंजोरा में रहने वाली चुनेश्वरी कोठलिया ने 6 साल की उम्र में निभाया है। ⏭शेष पेज 7 पर

वीरता पुरस्कार से पुरस्कृत चुनेश्वरी कर रही मजदूरी

अपने छोटे भाई की जान बचाने के लिए नई दिल्ली में राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के हाथों वर्ष 2004 में वीरता पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी चुनेश्वरी ने बताया कि उसका परिवार मजदूर वर्ग से है।

एक और झील टूटने का खतरा, चीन ने दी चेतावनी, कहा- अगले 72 घंटे अहम

अब तक 389 की 'जलसमाधि' रायपुर की मोनिका भी लापता

नेपाल में भीषण बाढ़ से भारी तबाही देखने को मिली। इस विनाशकारी जलप्रलय में अब तक करीब 389 लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 288 भारतीय समेत 1500 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। भीषण बाढ़ से मची तबाही के बीच एक और बड़े खतरे की चेतावनी सामने आई है। सैटेलाइट तस्वीरों में बाढ़ वाले इलाके के ऊपरी हिस्से में तीन बड़ी ग्लेशियर झीलें दिखाई दी हैं, जिससे फिर बाढ़ आने का ओनुमान जताया जा रहा है।



एजेंसी ⏭ काठमांडू/नई दिल्ली

नेपाल में बचाव दलों ने प्रभावित जिलों से शवों को बरामद किया, जिसके बाद मृतकों की संख्या में इजाफा हुआ। तिब्बत से अचानक आयी भीषण बाढ़ ने बुधवार को मध्य नेपाल के कई कस्बों और गांवों में भारी तबाही मचाई। बाढ़ के तेज बहाव में महत्वपूर्ण पुल बह गए और करीब एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाएं ठप हो गईं।

हरिभूमि फॉलोअप

बाढ़ का पानी कई जिलों में फैल गया। नेपाल सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियां रसुवा, धादिंग, नुवाकोट और चितवन समेत बाढ़ प्रभावित जिलों में खोज एवं बचाव अभियान चला रही हैं। चितवन जिले से सबसे अधिक 132 शव बरामद किए गए हैं। बाढ़ रसुवा और अन्य जिलों से होते हुए त्रिशूली और नारायणी नदी के रास्ते निचले इलाकों में पहुंची, जिससे जलविद्युत परियोजनाओं, बस्तियों, सड़कों, पुलों तथा अन्य बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ।

बालेन शाह ने बाढ़ प्रभावित नुवाकोट का किया दौरा

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने बाढ़ प्रभावित नुवाकोट जिले का दौरा किया और जारी खोज एवं बचाव अभियान की समीक्षा की। उन्होंने बट्टार बाजार स्थित सेना प्रशिक्षण केंद्र में अधिकारियों से मौजूदा हालात की जानकारी ली। नुवाकोट के देवीघाट इलाके में बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है।

भारतीयों की मदद के लिए दिल्ली में कंट्रोल रूम

विदेश मंत्रालय ने दिल्ली में 24 घंटे चलने वाला कंट्रोल रूम स्थापित किया है। लापता हुए लोगों में 288 भारतीय शामिल हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने यहां विदेश मंत्रालय में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है।

टला नहीं है अभी खतरा

नेपाल सरकार ने भोटेकोशी नदी में संभावित बाढ़ के खतरे के बारे में खास नोटिस जारी किया है। सैटेलाइट इमेज और शुरुआती एनालिसिस के तहत नदी रुक गई है और कल जिस जगह बाढ़ आई थी, वहां एक झील बन गई है। नोटिस में कहा गया है कि झील का पानी बढ़ रहा है और उसके फटने का खतरा है। जब तक अगला नोटिस जारी नहीं होता, भोटेकोशी नदी के निचले किनारे वाले इलाके के निवासियों को सावधानी रखने की सलाह दी गई है।



20 लाख टन मीटर पानी की नई झील

चीन के जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, नेपाल में छोछेन खोला और पुरेपू त्सांगपो नदियों के संगम के पास करीब 20 लाख घन मीटर पानी वाली एक बड़ी झील बन गई है। झील पहले ही छलकने लगी है और अगले तीन दिनों में इसमें करीब 30 लाख घन मीटर और पानी आने का अनुमान है।

पानी में कूदकर बहता सामान निकाल रहे लोग

नेपाल पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें नेपाल के स्थानीय लोग नदी में तैरते मलबे से सिलेंडर और लकड़ी जैसी चीजें निकालने के लिए दौड़ रहे हैं। कई लोग बहते पानी में उतरकर अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। ये वीडियो सामने आने के बाद, नेपाल पुलिस ने अपने वीडियो जारी किए हैं और लोगों को चेतावनी दी है कि वो अपनी जान जोखिम में न डालें और सुरक्षित रहें।

288 भारतीय लापता, 200 फंसे

नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद कम से कम 288 भारतीय अब भी लापता हैं, जबकि लगभग 200 अन्य चीन की ओर फंसे हुए हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शीर्ष अधिकारियों तथा काठमांडू और बीजिंग में भारत के राजदूतों के साथ उच्चस्तरीय बैठक के बाद कहा कि भारत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीयों की स्थिति का पता लगाने के लिए पुरजोर प्रयास कर रहा है। भारतीयों में जलविद्युत परियोजनाओं में काम करने वाले लोग और पर्यटक शामिल हैं।

नेपाल में भारतीय दूतावास के नंबर

+977 985 131 6807,
+977 970 910 7500,
+977 981 032 6117

थम गया बाढ़ और छोड़ गया तबाही के निशान

288 भारतीयों समेत 1500 की तलाश

नेपाल सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियां बचाव और राहत कार्य में जुटीं

नेपाल में अगले तीन दिन और हो सकते हैं बेहद खतरनाक

नेपाल प्रवास पर थीं रायपुर की मोनिका

रायपुर। रायपुर के महादेव घाट निवासी सुश्री मोनिका यादव के नेपाल में बाढ़ के बाद से लापता होने की सूचना मिली है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार वे 22 अगस्त 2026 से नेपाल प्रवास पर थीं और वर्तमान में परिजनों से उनका संपर्क टूट गया है। राज्य सरकार संबंधित अधिकारियों एवं केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर उनकी सुरक्षित खोजबीन के प्रयास कर रही है।



भारत ने भेजी राहत सामाग्री

भारत ने बुधवार रात से दो सैन्य परिवहन विमानों के जरिए कुल 47.5 टन आपातकालीन राहत सामग्री नेपाल भेजी है और अधिक राहत सामग्री भेजने की प्रक्रिया जारी है। एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि भारत की तत्काल प्राथमिकता लापता भारतीयों का पता लगाना और उन्हें बचाना तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना है।

विमान क्रैश, पायलट समेत दो की गई जान



कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गुरुवार को एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक प्रशिक्षु पायलट समेत दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि गंगा के किनारे नाथपुरवा गांव के पास इटली निर्मित 'टेक्नम' प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उस पर सवार गुजरात निवासी प्रशिक्षक सचिन भाटिया और कर्नाटक के प्रशिक्षु पायलट अभिषेक पुजारी की मौत हो गयी। 'गर्ग एविएशन' द्वारा संचालित इस विमान ने पूर्वाह्न करीब 11 बजकर 30 मिनट पर उड़ान भरी थी और 20 मिनट के बाद वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

- कानपुर में प्रशिक्षण के दौरान हादसा

एएआईबी करेगा जांच

कानपुर में हुए विमान हादसे की जांच विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो करेगा। तीन अधिकारियों की एक टीम आवश्यक नियामक निगरानी और तालमेल के लिए दुर्घटना स्थल का दौरा करेगी।

18 साल बाद नौकरी से निकालना अवैधानिक

राजकुमार कॉलेज की शिक्षिका होगी बहाल



बिलासपुर। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने राजकुमार कॉलेज के शिक्षक को 18 साल बाद नौकरी से निकालने के फैसले को अवैध बताया है। कोर्ट ने सिंगल बेंच के फैसले को सही ठहराते हुए शिक्षक को दोबारा नौकरी पर रखने और बकाया वेतन 9% ब्याज के साथ देने का आदेश दिया है। साथ ही हाईकोर्ट ने रायपुर के राजकुमार कॉलेज प्रबंधन की अपील खारिज कर दी। दरअसल, रायपुर के राजकुमार कॉलेज में सविता मोहंती को 21 जून 1990 को ओडिया भाषा पढ़ाने के लिए सहायक शिक्षिका ⏭शेष पेज 7 पर

- ब्याज सहित पूरी सैलरी देने का आदेश

1990 में जरूरी नहीं था बीएड

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद डिवीजन बेंच ने कहा कि 1990 के नियुक्ति पत्र में बीएड की डिग्री जरूरी नहीं थी। 1994 में शिक्षिका की नौकरी पक्की करते समय भी प्रबंधन ने बीएड को लेकर कोई आपत्ति नहीं की थी।

ग्रामीणों पर गौधाम में जबरिया जानवर ठूंस देने का आरोप

क्षमता से अधिक होने से ओखर गोधाम में आठ गायों की मौत



हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

ओखर स्थित शासकीय गौधाम में क्षमता से अधिक गायों को रखने के कारण पांच दिनों के भीतर आठ गायों की मौत हो गई है। ग्रामीणों द्वारा फसलों को नुकसान से बचाने के लिए शासकीय गोधाम में आवारा पशुओं को बड़ी संख्या में ठूंस देने के कारण यह घटना हुई है।

हरिभूमि सरोकार

मस्तुरी ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम ओखर में आठ गायों की मौत होने का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि गायों को क्षमता से अधिक संख्या में गोधाम में प्रवेश करा दिए जाने के कारण यहां गायों की लगातार मौत हो रही है।

व्यवस्था करने कहा गया है...

ओखर में गायों को रखने के लिए दो तरह की व्यवस्था है। एक गोधाम है, जो शासकीय भूमि पर बना है। एक गौशाला है, जो निजी भूमि पर है व एक समिति द्वारा संचालित है। गोधाम में कीचड़ की पूरी तरह सफाई होने तक वहां गोवंश नहीं रखने व एक चरवाहे की व्यवस्था करने के निर्देश सरपंच को दिए गए हैं।

-डॉ जीएस तंवर, संयुक्त संचालक, पशुपालन विभाग

सात शहीद भाइयों की बहन अब उनकी प्रतिमाओं को बांधती हैं राखी



नक्सलियों से जंग में तीन सगे चार चचेरे भाइयों को खोया

प्रकाश चौहान ▶▶| दोरनापाल

रक्षाबंधन पर्व की धूम के बीच सुकमा जिले के एर्राबोर में बहने अनोखे तरीके से राखी बांधती है। हरिभूमि से चर्चा में एक बहन ने बताया कि 19 साल पहले सातों भाइयों को उत्साहपूर्वक एक साथ राखी बांधी थी। घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र की बहनें रक्षाबंधन पर शहीद जवानों की प्रतिमाओं को राखी बांधती हैं। भाइयों की प्रतिमाओं के पास पहुंचकर बहन की आंखें नम हो जाती हैं। बता दें कि 19 जुलाई 2007 को नक्सली हमले में 24 जवानों की शहादत हो गई थी। शहीद जवानों में एर्राबोर के रहने वाले तीन सगे भाई स्पेशल पुलिस ऑफिसर भी थे। तीन भाइयों की इकलौती बहन संकुरी ने बताया कि इस नक्सली घटना में परिवार के

रक्षाबंधन विशेष



7 लोगों को खो दिया। शहीद जवानों में चार चचेरे भाई थे। उसने बताया कि आज से 19 साल पहले सातों भाइयों को उत्साहपूर्वक एक साथ राखी बांधी थी। अब हर साल रक्षाबंधन के दिन संकुरी शहीद 7 भाइयों की प्रतिमाओं पर नम आंखों से राखी बांधती है। संकुरी कहती है कि शहीद भाई आज भी दिलों में जिंदा हैं।

ऐसे मनाती हैं रक्षाबंधन का पर्व

सलवा जुडूम आंदोलन के बाद से संकुरी ने अलग-अलग नक्सली घटनाओं में 7 भाइयों को खो दिया है। प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक एर्राबोर में 10 शहीद जवानों की प्रतिमाएं बनाई गई हैं। जिन्होंने नक्सलियों के साथ लड़ाई में प्राणों की आहुति दे दी। हर साल रक्षाबंधन पर भाइयों की प्रतिमाओं पर बहन राखी बांधने पहुंचती हैं। बहन 15 अगस्त और 26 जनवरी के मौके पर भी शहीद भाइयों को याद करना नहीं भूलती है। स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस पर बहन शहीद भाइयों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

खबर संक्षेप

बाइक चालू नहीं हुई तो मालिक ने माचिस मारकर लगा दी आग



धमतरी। नगर पंचायत भखारा में एक वाहन मालिक ने माचिस मार कर अपनी बाइक पर आग लगा दी। घटना गुरुवार की शाम लगभग 6:45 बजे की है। वार्ड क्रमांक 6 में सेवकराम पटेल पिता कृपाराम ने अपनी बाइक पर आग लगा दी। आन- फानन में पुलिस पहुंची तो देखा कि बाइक पूरी तरह से जल गई थी। पहले तो यह तहकीकात की गई कि आखिर यह बाइक कैसे जली और क्या किसी ने दुश्मनी से जलाया। पूछताछ करने पर सेवकराम ने बताया कि उसने ही अपने बाइक को माचिस मारकर आग लगा दी। उसने कम से कम 40 से 50 बार बाइक को किक मारा। कार्बोरेटर को साफ किया फिर भी चालू नहीं हुआ। कई बार बाइक को पटक दिया फिर भी चालू नहीं हुआ। जब दिमाग खराब हुआ तो माचिस लाया और अपनी बाइक पर आग लगा दी।

कार-पिकअप में टक्कर बचे जिपं अध्यक्ष कश्यप

देवभोग। मैनपुर- देवभोग नेशनल हाईवे 130 सी मुख्य मार्ग में मैनपुर से महज 12 किलोमीटर दूर राजापड़ाव घाटी के पास सड़क हादसे में जिला पंचायत गरियाबंद अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप बाल बाल बचे। हादसा नेशनल हाइवे 130 सी में उस वक्त हुआ जब वे अपनी इनोवा वाहन राजधानी रायपुर जा रहे थे। राजापड़ाव के पहले हाइवे मोड़ में गरियाबंद की ओर से आ रही मालवाहक पिकअप ने सामने से टक्कर मार दिया। हादसे में वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है। जुगाड़ और मैनपुर थाना के बीच घटित घटना की सूचना पुलिस को भी दे दी गई है। दरअसल नेशनल हाइवे में झरियाबहारा से धूर्वागुडी के बीच सड़क चौड़ीकरण नहीं होने के कारण सिंगल लाइन है। बारिश के दिनों में इस मार्ग में सड़क दुर्घटना बढ़ गई है, सड़क निर्माण को लेकर क्षेत्र की जनता कई बार मांग कर चुके हैं लेकिन इस समस्या के समाधान की ओर अब तक गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया है जिसके कारण आए दोनों लोक दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं।

टाटा माजदा से टकराई बाइक, कर्मचारी घायल

कांकेर। भोडिया के पास मुख्य मार्ग पर लापरवाहीपूर्वक बिना किसी संकेत के खड़े किए गए टाटा मासदा वाहन से बाइक सवार के टकराने का मामला सामने आया है। हादसे में बाइक सवार को गंभीर चोटें आई हैं। घायल का धमतरी के निजी अस्पताल में उपचार कराया गया, जहां वह करीब छह दिन भर्ती रहा। मामले की जाँच के बाद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पीड़ित भानुप्रतापपुर के वार्ड क्रमांक 1 संजयपारा निवासी 56 वर्षीय भानप्रताप टंडन ने बताया कि 9 जुलाई को शाम करीब साढ़े 5 बजे ड्यूटी समाप्त कर बाइक से भानुप्रतापपुर अपने घर लौट रहा था। शाम करीब साढ़े 7 बजे भोडिया के पास मुख्य मार्ग पर हल्की बारिश और अंधेरा था। इसी दौरान सड़क के बीच खड़े टाटा मासदा से टकरा गया।

पदाधिकारियों को मिलेगी निर्धारित प्रोटोकॉल एवं सुविधाएं

निगम-मंडलों के अध्यक्ष-उपाध्यक्षों को तोहफा तीन कैबिनेट और 15 को राज्यमंत्री का दर्जा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने विभिन्न आयोगों, मंडलों, समितियों और प्राधिकरणों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को कैबिनेट मंत्री एवं राज्य मंत्री का दर्जा प्रदान किया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश में संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित प्रोटोकॉल एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

खास खबर

आदेश के अनुसार, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को उनके पद के अनुरूप मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया है। शासन ने स्पष्ट किया है कि यह सूची किसी प्रकार की वरिष्ठता अथवा प्रोटोकॉल की स्थिति प्रदर्शित नहीं करती। इनमें अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष रामलाल चौहान, रूप सिंह मंडावी राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष और महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। आदेश जारी होने की तारीख से यह व्यवस्था प्रभावी होगी।



शिष्टाचार और प्रोटोकाल के लिए दिए गए

आदेश में यह भी उल्लेख है कि शासन द्वारा अध्यक्ष/उपाध्यक्षों को कैबिनेट मंत्री/राज्यमंत्री का दर्जा केवल शिष्टाचार एवं प्रोटोकॉल के लिए प्रदान किया जाता है। इनके लिए नियमानुसार सुविधाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी संबंधित प्रशासनिक विभाग अथवा आयोग की होगी। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूप सिंह मंडावी को पूर्व में दिए गए राज्यमंत्री के दर्जे से संबंधित आदेश में भी संशोधन किया गया है।

इन्हें राज्यमंत्री का दर्जा

आदेश में गौरीशंकर श्रीवास अध्यक्ष राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड, आनंद निषाद, राजेंद्र नायक राज्य शाकंबरी बोर्ड, सुधीर गौतम छत्तीसगढ़ राज्य शिक्षा आयोग, राजेश कुमार राजपूत को छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्या मंडल का अध्यक्ष, एजाज मिर्जा बेग को छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी का अध्यक्ष, भोजराज देवांगन को छत्तीसगढ़ राज्य हस्तकरघा विकास एवं विपणन संघ का अध्यक्ष, प्रभात मिश्रा को छत्तीसगढ़ राज्य राजभाषा आयोग का अध्यक्ष, सुषमा जेठानी को छत्तीसगढ़ राज्य सिंधी अकादमी का अध्यक्ष तथा शशिकांत द्विवेदी को छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ, डॉ. जेपी शर्मा को रायपुर विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष, किशोर महानंद को छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल का उपाध्यक्ष, आनंद कुमार तिवारी को छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग का उपाध्यक्ष, वेदराम मनहरे को छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग का उपाध्यक्ष और मंगल दास ठाकुर को छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग उपाध्यक्ष को राज्यमंत्री का दर्जा दिया गया है।

एफएसएल टीम करेगी जांच

दुर्ग महापौर की इनोवा कार में लगी आग, बाल-बाल बचीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

निगम परिसर में खड़ी महापौर अल्का बाघमार की इनोवा कार सीजी 07 डीई 2417 में गुरुवार की सुबह करीब 12 बजे अचानक आग लग गई। आग लगने के वास्विक कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। खबर है कि दो दिन पहले ही कार कंपनी से सर्विसिंग के बाद लौटी थी। इसके बाद से यह निगम परिसर में ही खड़ी थी। गुरुवार की



सुबह यह महापौर के स्टील कॉलोनी स्थित निवास गई। उन्हें लेकर निगम परिसर पहुंची। महापौर के कार से उतरने के बाद महज 10 मिनट बाद ही कार में आग लग गई। जानकारी के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और लगी आग पर करीब 15 मिनट बाद काबू पाया गया। इस दौरान कार के सामने का हिस्सा पूरी तरह जल गया। सूचना पर पुलिस और कंपनी के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। एफएसएल की टीम भी घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। महापौर की कार में लगी आग को सुरक्षा में बड़ी चूक माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार इनोवा कार 4 महीने पुरानी है। निगम के कर्मशाला विभाग ने आउटसोर्सिंग में लेकर इसका परिचालन महापौर के लिए कराया जा रहा था।

चूहों ने काटा था तार, कराया मेंटेनेंस

निगम के अधिकारियों ने बताया कि कार के तारों को चूहों ने काट लिया था। महापौर की कार महापौर को घर छोड़ने के बाद निगम परिसर में ही खड़ी रहती थी। इस दौरान ही चूहों ने वायरों को नुकसान पहुंचाया। इसे देखते हुए ही कार की सर्विसिंग कराई गई। कंपनी की अधिकृत एजेंसी के पास ही सर्विसिंग कराई गई।

नवा रायपुर में क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल ब्लॉक्स की 8वीं किस्त की नीलामी पर 31 को होगा रोड शो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में खनिज क्षेत्र में निवेश, अन्वेषण और महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों के विकास को बढ़ावा देने की दिशा में 31 अगस्त को नवा रायपुर स्थित मे-फेयर लेक रिजॉर्ट में क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी की 8वीं किस्त को लेकर रोड शो किया जाएगा। भारत सरकार के खान मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू एवं सतीश चंद्र दुबे, सीएमडीसी अध्यक्ष सौरभ सिंह सहित केंद्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, खनन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ और उद्योग प्रतिनिधि शामिल होंगे। केंद्र सरकार द्वारा क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल्स की 8वीं किस्त में 20 खनिज ब्लॉक्स को नीलामी के लिए शामिल किया गया है। इनमें 3 माइनिंग लीज और 17 कंपोजिट लाइसेंस ब्लॉक्स हैं। इन ब्लॉक्स में ग्रेफाइट, रेयर अर्थ एलिमेंट्स, रेयर मेटल्स, वैनेडियम, गैलियम, टाइटेनियम, मोलिब्डेनम, टंगस्टन सहित अन्य महत्वपूर्ण खनिज शामिल हैं। रोड शो के बाद मे-फेयर लेक रिजॉर्ट, नवा रायपुर में समीक्षा बैठक होगी।

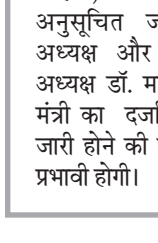

ये है कार्यक्रम की रूपरेखा

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 10.30 बजे पंजीयन एवं चाय के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। दोपहर 12 बजे मुख्य अतिथि के आगमन एवं दीप प्रज्ज्वलन के बाद वंदेमातरम एवं राष्ट्रगान होगा। इसके पश्चात छत्तीसगढ़ शासन के खनिज संसाधन विभाग के सचिव स्वागत उद्बोधन देंगे। कार्यक्रम में खान मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव तथा सीएमडीसी के अध्यक्ष भी संबोधित करेंगे। केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू एवं कोयला और खान मंत्रालय के राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे के संबोधन के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

नीलामी प्रक्रिया, खनिज ब्लॉक्स पर होगी चर्चा

दोपहर 2 बजे से तकनीकी सत्र आयोजित किया जाएगा। इसमें एमईसीएल द्वारा ट्रेंच-VIII के तहत नीलामी के लिए रखे गए खनिज ब्लॉक्स पर प्रस्तुतिकरण दिया जाएगा। एसबीआई कैप्स द्वारा मिनरल ऑक्शन प्रोसेस एवं टेंडर डॉक्यूमेंट तथा एमएसटीसी द्वारा मिनरल ई-ऑक्शन प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा कम्पोजिट लाइसेंस धारकों के लिए अन्वेषण व्यय की आंशिक प्रतिपूर्ति से संबंधित एनएमईडीटी योजना पर भी प्रस्तुतीकरण होगा।

टिन पोर्टल और ई-रेत संगवारी पोर्टल का होगा

रोड शो के दौरान संचालक, भूविज्ञान एवं खनन विभाग द्वारा खनिज क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतिकरण दिया जाएगा। इस अवसर पर टिन पोर्टल एवं ई-रेत संगवारी पोर्टल का शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही कोरन्डम कटिंग-पॉलिशिंग के प्रशिक्षण के लिए पीटीआरएसयू के साथ एमओयू का आदान-प्रदान होगा। कार्यक्रम में माइनर मिनरल्स पर प्रकाशित पुस्तक का विमोचन तथा तीन लाइमस्टोन माइनिंग लीज ब्लॉक्स के लिए एनआईटी जारी

स्कूल में शिक्षकों के बीच विवाद

बच्चों के खाने में छिपकली डालने से भड़के पालक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजनांदगांव

शहर के लखोली शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में शिक्षकों के बीच आपसी विवाद के मामले में बच्चों के मध्यान्ह भोजन में छिपकली डालने का खुलासा हुआ है। मामला सामने आने के बाद आज स्कूल में पालकगणों द्वारा नाराजगी जाहिर करते संबंधित शिक्षिका के खिलाफ कार्रवाई करने मांग की गई। बीते जुलाई माह में मध्यान्ह भोजन के दौरान आठवीं कक्षा की दो छात्राओं की थाली में सब्जियों के बीच मरी हुई छिपकली मिली, जिसे छात्रा द्वारा मध्यान्ह भोजन प्रभारी और प्राचार्य को बताया गया, लेकिन इस मामले की जानकारी शिक्षा विभाग को नहीं देते घटनाक्रम को छुपा दिया गया और सब्जी नहीं परोसा गया। एक माह बाद खुलासा करते कक्षा आठवीं की दो छात्राओं ने कहा कि स्कूल की शिक्षिका दीपाश्री धृतलहरे द्वारा उक्त छिपकली को अपने भोजन में डालने दिया गया था। बीईओ राजेश साहू ने कहा जांच की जा रही है।

बैंगन की बोरियों के नीचे खैर लकड़ी की तस्करी दूसरे पिकअप में मिली 20 से अधिक साल सिल्ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

वन अमले ने लकड़ी तस्करी के मामले में दो पिकअप को जब्त किया है। दोनों वाहनों में लाखों रूपए की खैर एवं साल चिरान जब्त किया गया है। विभाग द्वारा लकड़ी लोड जब्त पिकअप को राजसात करने की कार्रवाई की जा रही है। वन परिक्षेत्र रघुनाथनगर अंतर्गत 25 अगस्त को रात्रि 10.30 बजे वन अमले को मुखबिर से सूचना मिली कि तस्कर सब्जी परिवहन करने वाले पिकअप से खैर की लकड़ी यूपी ले जा रहे है। वन अमले ने वनखण्ड पंडरी में वाहन को पकड़ने के लिए घेराबंदी की। वनकर्मियों ने वाहन का पीछा किया तथा विभाग की गाड़ी को पिकअप के सामने खड़ा कर पकड़ा। वनकर्मियों ने पिकअप की जांच की तो ऊपर बैगन की बोरियां लदी थी। बैगन की बोरियों को हटाया



गया तो नीचे प्लास्टिक की बोरियों में खैर लकड़ी के छिलका उतारे एक-एक मीटर लम्बे लट्ठे मिले। सुबह वनकर्मियों ने अलग बोरों में रखे गए खैर लकड़ी की जांच की तो पिकअप में 439 नग खैर के लट्ठे मिले। जब्त खैर लकड़ी 16.20 घनमीटर निकली जिसकी कीमत 3 लाख 5 हजार रूपए आंकी गई है। उप वनमण्डलाधिकारी सीएस मिश्रा ने बताया कि पिकअप के मालिक का पता लगाया जा रहा है साथ ही वाहन को राजसात करने की कार्रवाई की जा रही है।

ले जा रहे थे उत्तरप्रदेश

दूसरे मामले में वनपरिक्षेत्र वाड्रफनगर में वनकर्मियों ने 20 नग साल लट्ठा लोड एक पिकअप को जब्त किया है। तस्कर पिकअप क्रमांक यूपी 64 सीटी 7280 में बुधवार को रात 20 नग साल की मोटी-मोटी सिल्ली लोड कर यूपी ले जा रहे थे। मुखबीर की सूचना पर वनकर्मियों ने घेराबंदी कर पिकअप को पकड़ा। रात में जब्त लकड़ी ले जा रहे थे। 2.145 घनमीटर निकली है इस दौरान वन अमले ने बुलेट क्रमांक सीजी 15 ईएल 6676 को जब्त करने के साथ ही 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को गुरूवार को रामानुजगंज न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से सभी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

मरही माता मंदिर के आसपास के ग्रामीण एरिया में दहशत

भनवारटंक के टनल में दिखा तेंदुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

भनवारटंक के पास रेलवे टनल में एक तेंदुआ रेलवे लाइन पर विचरण करते हुए दिखाई दिया। तेंदुआ को देखकर टनल के बीच से निकलने वाली ट्रेन के चालक ने मोबाइल में तस्वीर कैद की। वहीं तेंदुआ के कारण भनवारटंक मरही माता मंदिर सहित आसपास के ग्रामीण एरिया में दहशत का माहौल है। कोटा से भनवारटंक के बीच जंगल में तेंदुए का आतंक काफी दिनों से बना हुआ है। जंगल से निकलकर तेंदुए रेल लाइन पर भी पहुंच जाते हैं। इसके कारण ग्रामीण एरिया में रहने वाले लोग काफी भयभीत रहते हैं। इसी तरह की घटना गुरुवार की सुबह बिलासपुर से पेण्ड्रारोड रेलवे स्टेशन के बीच भनवारटंक के पास बने टनल में हुई।

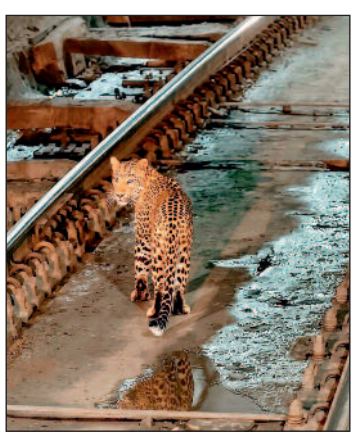

बिलासपुर से कटनी की ओर जाने वाली ट्रेन की रफ्तार 110 किलोमीटर के करीब थी। इस दौरान ट्रेन में ड्यूटी करने वाले चालक और परिचालक ने भनवारटंक के टनल में रेल लाइन के बीच में एक तेंदुए को विचरण करते हुए देखा। तेंदुए को देखकर चालक ने तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन की रफ्तार धीमी कर दी, ताकि टक्कर से तेंदुए की मौत न हो जाए। चालक ने रेल लाइन से तेंदुए को हटाने के लिए लगातार हार्न दिया, जिसकी आवाज सुनकर तेंदुआ टनल से बाहर निकलने की कोशिश करते हुए इधर-उधर घुसने लगा। इसके बाद वह जंगल की ओर चला गया। टनल के बीच में तेंदुए को देखने के बाद ट्रेन के चालक और परिचालक ने मोबाइल से तस्वीर भी कैद कर ली। तेंदुए के वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद भनवारटंक मरही माता मंदिर सहित आसपास के गांव में भी दहशत का माहौल बन गया।



जिला अस्पताल परिसर में देर रात घुसा भालू, मचा हड़कंप

बालोद। जिला मुख्यालय बालोद में देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब करीब रात 1 बजे जिला अस्पताल परिसर में एक भालू दिखाई दिया। रात करीब एक बजे वन्यजीव के अस्पताल परिसर में खुलेआम घूमने की खबर सामने आते ही चिकित्सा कर्मियों, मरीजों के परिजनों और आसपास के स्थानीय रहवासियों में दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि भालू रात के अंधेरे में घूमते हुए अस्पताल परिसर तक पहुंच गया। अचानक अस्पताल परिसर में भालू की मौजूदगी से देर रात अफरा–तफरी की स्थिति बन गई। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई है।

'भैया मेरे राखी के बंधन' से लेकर 'ये बंधन तो प्यार का' तक

बॉलीवुड के ये गाने रक्षाबंधन की खुशी को करेंगे दोगुना

नई दिल्ली। रक्षाबंधन के खास मौके पर हम आपको उन गानों के बारे में बता रहे हैं जो इस त्योहार के लिए बने हैं। ये गाने भाई-बहन के इस त्योहार पर सबके कानों में गूंजते हैं। आज भाई-बहन को समर्पित रक्षाबंधन का त्योहार है। देश ही नहीं, विदेश में भी इस त्योहार को खूब धूमधाम से मनाया जाता है। इस त्योहार से बॉलीवुड भी अछूता नहीं है। बॉलीवुड फिल्मों में कई ऐसे गाने हैं, जो भाई-बहन के प्यार वाले त्योहार रक्षाबंधन पर बने हैं।

मेरे भैया, मेरे चंदा मेरे अनमोल रतन...

अहा, भाई के प्रति प्यार, दुलार के भावों से भरा यह गाना जब भी कानों में गूंजता है, भाई के प्रति बहन के अनन्य और समर्पित प्रेम भाव से दिल मधुरता से भर जाता है। अगर आप भाई बहनों में कोई अनबन हो जाए, तो यह गाना भाई की काफी मदद कर सकता है, बहन को चिढ़ाने में ... और बहन की मदद कर सकता है, प्यारे भैया को मनाने में।

भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना

शैलेन्द्र की कलम से निकला ये गाना भाई-बहन के रिश्ते को बखूबी दर्शाता है। यह गाना रक्षाबंधन पर सबसे ज्यादा बजने वाले गानों में से एक है। इसे लता मंगेशकर ने आवाज दी है। वहीं, इसे शंकर-जयकिशन ने संगीत दिया है। छोटी बहन और बड़े भैया के बीच का मिठास से भरा प्यारा रिश्ता इस गाने में हर कोई महसूस कर सकता है। छोटी बहन की यूं तो कई फरमाइशें लगी रहती है, लेकिन भैया से राखी के बंधन को निभाने की यह मनुहार सुनकर हर किसी को प्यार आ ही जाता है।



बहना ने भाई की कलाई से प्यार बांधा है

सच ही तो है, बहन के प्रेम के बगैर तो राखी को कोई मोल ही नहीं। बहन राखी की डोर के रूप में भैया की कलाई पर अपना ढेर सार प्यार और शुभकामनाएं ही तो बांधती है। और बहन का प्यार ही भाई का संसार होता है। छोटी बहन और बड़े भैया के बीच का मिठास से भरा प्यारा रिश्ता इस गाने में हर कोई महसूस कर सकता है। छोटी बहन की यूं तो कई फरमाइशें लगी रहती है, लेकिन भैया से राखी के बंधन को निभाने की यह मनुहार सुनकर हर किसी को प्यार आ ही जाता है।

हम बहनों के लिए मेरे भैया, आता है इक दिन साल में

पराई होती बहन की मासूम की गुजारिश, किसका मन नहीं पिघलाती होगी भला। हम बहनों के लिए साल में एक दिन आने वाले पर्व पर हर साल, हर हाल में भाई को उपस्थित रहने की भावों से भरी यह अरज, शायद भाई की आंखे नम करने के लिए काफी हैं।

फूलों का तारों का सबका कहना है

हरे रामा, हरे कृष्णा फिल्म का यह प्यारा गाना किसे याद नहीं होगा। बहन को सबसे खास बताने वाले भाव से भरे इस गाने को सुनने के बाद, हर भाई को अपनी प्यारी बहन पर प्यार आ जाता है। नाजों से पली लाड़ली के प्रति मन के भावों को जाहिर करता यह गाना, आज भी भाई बहनों की पहली पसंद बना हुआ है।

रंग बिरंगी राखी लेकर आई बहना

इसी तरह से साल 1962 में रिलीज हुई फिल्म 'अनपढ़' का गाना 'रंग बिरंगी राखी लेकर आई बहना' भी बहुत मशहूर है। राजा मेहदी अली खान की कलम से निकले इस गाने को लता मंगेशकर ने गाया है। मदन मोहन ने इसका म्यूजिक दिया है।

मेरे भैया मेरे चंदा

साल 1965 में रिलीज हुई फिल्म 'काजल' का गाना 'मेरे भैया मेरे चंदा' आज भी बहुत मशहूर है। रक्षाबंधन के दिन यह गाना लगभग हर किसी के कानों में गूंजता है। इस गाने को दिग्गज गायिका आशा भोसले ने गाया है। रवि ने इसको संगीत दिया है।





अनन्या और वॉकर का हुआ ब्रेकअप...

मुंबई। अनन्या पांडे इस वक्त चर्चा में आ गई हैं। इस बार वो अपनी किसी फिल्म नहीं, बल्कि पर्सनल लाइफ को लेकर खबरों में छाई हुई हैं। दरअसल, खबरे हैं कि अनन्या और वॉकर ब्लैंको का ब्रेकअप हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब 2 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने अपनी राहें अलग कर ली हैं। अनन्या और वॉकर की मुलाकात अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के फंक्शन के दौरान हुई थी। वैसे तो दोनों ने कभी ऑफिशियल अपने रिश्ते का ऐलान नहीं किया। लेकिन, दोनों की तस्वीरें कई बार सोशल मीडिया पर सामने आई थीं।



ओटीटी पर आज रिलीज होगी अल्फा

सिनेमाघरों में रिलीज के बाद अब दर्शक इस एक्शन से भरपूर स्पाई थ्रिलर को घर बैठे देख सकेंगे। यह फिल्म वीआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला-केंद्रित फिल्म है, जिसमें आलिया और शरवरी पहली बार साथ नजर आई हैं। शिव रवैल के निर्देशन में बनी अल्फा 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में दोनों एक्ट्रेस स्पाई का किरदार निभाती हैं और एक खतरनाक मिशन का हिस्सा बनती हैं। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का प्रदर्शन बहुत खास नहीं रहा और इसे कहानी को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। नेटफ्लिक्स ने गुरुवार को फिल्म की ओटीटी रिलीज का ऐलान किया। अल्फा 28 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

फेस्टिव वीकएंड में ओटीटी पर होगा जबर धमाल, दस्तक देंगी ये दिलचस्प फिल्में और सीरीज

***नई दिल्ली।** सिनेमाघरों में सुपरस्टार यश की 'टॉक्सिक' रिलीज हो चुकी है। संभव है कि आपकी भी लिस्ट में इसे देखने जाना शामिल हो। मगर, ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों और सीरीज का इंतजार भी होगा ही? फिर, इस बार रक्षाबंधन की छुट्टी के साथ वीकएंड भी थोड़ा लंबा होने वाला है। रक्षाबंधन के त्योहार के साथ शनिवार और इतवार की छुट्टी मिल रही है। ऐसे में ओटीटी पर भी खूब मौज रहने वाली है।*



बंदर : बॉबी देओल की यह फिल्म भी इस वीक आने वाली है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी इस फिल्म में बॉबी देओल लीड रोल में हैं। उनके अलावा सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी और सबा आजाद भी हैं। इस फिल्म का प्रीमियर कई बडे फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। अब यह ओटीटी पर रिलीज हो रही है। 28 अगस्त से यह जी5 पर स्ट्रीम होगी।

माइकल : किंग ऑफ पॉप माइकल जैक्सन की बायोपिक फिल्म 'माइकल' भी इस वीक की ओटीटी लिस्ट में हैं। यह फिल्म 29 अगस्त को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हो रही है। बता दें कि यह फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी।

बबीता सिंह रिपोर्टिंग : फिल्म 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' भी इसी वीक की लिस्ट में शामिल है। फिल्म में निमिषा सयाजन, बरुण सोबती और अंशुमान पुष्कर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म भारत समेत दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में हिंदी में प्राइम वीडियो पर उपलब्ध होगी। 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' का प्रीमियर 28 अगस्त को होगा। इस रोमांचक ड्रामा का निर्देशन अंबीएका पंडित ने किया है। इसकी लेखिका अमिता व्यास हैं।

जंगल टेल्स विद मोगली : ओटीटी पर इस वीक आपको मोगली की कहानी भी देखने को मिलेगी। एनिमेटिड सीरीज 'जंगल टेल्स विद मोगली' जो रिलीज हो रही है। इसे बच्चों के साथ देख सकते हैं। यह सीरीज 28 अगस्त से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

डार्क मैटर सीजन 2 : अगर आपको साइ-फाई सीरीज पसंद हैं तो यह आपके लिए है। 'डार्क मैटर' सीरीज का यह दूसरा सीजन है, जिसमें 10 एपिसोड हैं। दर्शक इसे एपल टीवी पर 28 अगस्त से देख पाएंगे।

आई, नोबडी : अगर आपको सस्पेंस थ्रिलर फिल्मों का शौक है तो यह फिल्म आपके लिए है। पृथ्वीराज सुकुमारन की 'आई, नोबडी' इस वीक ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है और इसे वीकएंड में आप देख सकते हैं। मलयालम भाषा की यह फिल्म जुलाई में सिनेमाघरों में लगी थी।

टीवी मसाला



केबीसी में पहुंचा दिहाड़ी मजदूर कहानी सुनकर नम हो जाएंगी आंखें

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन होस्टेड रियलिटी टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' पर ऑडियंस ने एक से बढ़कर एक करिश्माई चीजें होती देखी है। यह मंच सालों से उन लोगों को मौका देता आ रहा है, जिन्होंने हमेशा शिक्षा और ज्ञान को जिंदगी में महत्व दिया। ऐसे बहुत से लोगों की इसी रियलिटी शो पर जिंदगी बदलते हमने देखी है। अब हालिया एपिसोड में एक बार फिर ऐसा ही कमाल होता दिखाई पड़ा। महाराष्ट्र के वाशिम के विशाल प्रेमचंद राठौड़ ने जब फास्टेस्ट बजर फर्स्ट राउंड क्लीयर किया तो वह काफी भावुक हो गए। विशाल के साथ शो पर उनके माता-पिता और दोनों बहनें भी आई थीं। उन्हें हॉटसीट तक पहुंचता देखकर परिवार की भी आंखें नम हो गईं। एपिसोड के दौरान जब प्रेमचंद ने अपनी कहानी सुनाई तो ऑडियंस के साथ-साथ अमिताभ बच्चन भी दंग रह गए। उन्होंने बताया कि वह दिहाड़ी मजदूर के तौर पर काम करते हैं और रोजाना 500-600 रुपए कमाते हैं। विशाल प्रेमचंद ने बताया कि कई दिन ऐसे भी होते हैं जब उन्हें काम नहीं मिलता। मंगलवार के एपिसोड में विशाल 5 लाख रुपए जीतने में कामयाब रहे। विशाल ने बताया कि वह पिछले 3 साल से एमपीएससी (महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग) की तैयारी कर रहे हैं। लेकिन ,पैसों की तंगी के चलते कभी परीक्षा का फॉर्म तो कभी किताबें खरीदना मुश्किल हो जाता है। विशाल ने कहा कि वह मन लगाकर तैयारी नहीं कर पाते हैं। इसी एपिसोड में विशाल की जर्नी भी दिखाई गई, जिसे देखकर हर कोई शॉक्ड रह गया। वीडियो में विशाल ने बताया कि वह अपने पिता के साथ हर रोज दिहाड़ी मजदूर के तौर पर काम की तलाश करते हैं।



चिंतन

हिमालय पर कम हो मानवीय दबाव



मुद्दा
राज कुमार सिन्हा

नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई अचानक बाढ़ ने हिमालय की उस चेतावनी को फिर सामने ला दिया है, जिसे हम बार-बार सुनकर भी अनसुना करते रहे हैं। अब तक 359 शव बरामद होने और करीब 1,500 लोगों के लापता होने की खबर किसी सामान्य प्राकृतिक आपदा का आंकड़ा नहीं है। यह हिमालयी क्षेत्र में बढ़ते पर्यावरणीय संकट की भयावह तस्वीर है। भारत के 288 नागरिकों से संपर्क न होना और 21 भारतीयों का सुरक्षित बचाया जाना इस त्रासदी की सीमा को और स्पष्ट करता है। सवाल अब यह नहीं कि ऐसी आपदा क्यों आई, बल्कि यह है कि अगली आपदा कितनी बड़ी होगी? एक रिपोर्ट के मुताबिक हिमालय पर एक और झील फटने के कगार पर है। ऐसा हुआ तो जल्द एक और त्रासदी का सामना करना पड़ सकता है। नेपाल की बाढ़ के बीच देहरादून स्थित वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान समेत तीन संस्थानों का अध्ययन बेहद गंभीर चेतावनी देता है। पूरे हिमालय क्षेत्र में 221 ऐसी हिमनदीय झीलों की पहचान हुई है, जिनके फटने पर अचानक बाढ़ का खतरा है। कोसी, यारलुंग जांगबो, मानस और ऊपरी सिंधु नदी घाटियां विशेष रूप से संवेदनशील मानी गई हैं। यानी नेपाल की त्रासदी को केवल एक घटना मानकर भूल जाना खतरनाक होगा। हिमालय के भीतर ऐसे कई संभावित खतरे जमा हैं, जो किसी भी समय बड़ी तबाही का कारण बन सकते हैं। भारत भी इससे सुरक्षित नहीं है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम की कई नदी घाटियां जोखिम में हैं। उत्तराखंड की स्थिति तो और चिंताजनक है। अलकनंदा बेसिन में 219 हैंगिंग ग्लेशियरों की मौजूदगी सामने आई है। इनके टूटने पर केवल बर्फ ही नहीं, बल्कि चट्टान और मलबा भी तेज गति से नीचे आ सकता है। इस संकट की जड़ में जलवायु परिवर्तन है, लेकिन पूरी जिम्मेदारी केवल बढ़ते तापमान पर डालकर हम बच नहीं सकते। हिमालय पर मानवीय दबाव लगातार बढ़ा है। सड़कें, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, होटल, भवन और अनियोजित निर्माण पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना को कमजोर कर रहे हैं। जब हम उस व्यवस्था में जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप करते हैं तो भारी बारिश या ग्लेशियर टूटने जैसी प्राकृतिक घटना विनाशकारी बन जाती हैं। धार्मिक पर्यटन और बढ़ती मानवीय आवाजाही ने भी समस्या को गंभीर किया है। हिमालय आस्था का केंद्र है, लेकिन आस्था के नाम पर उसकी वहन क्षमता को नकारना दूरदर्शिता नहीं है। लाखों लोगों की आवाजाही, वाहनों का दबाव और कचरे का बढ़ता बोझ उस पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर कर रहा है, जो पहले ही तापमान वृद्धि का सामना कर रहा है। अब समय राहत के बाद सब कुछ भूल जाने का नहीं, आपदा से पहले जोखिम घटाने का है। सरकारों को हर बड़ी परियोजना से पहले हिमालय की वहन क्षमता का कठोर आकलन करना होगा। संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण सीमित करना होगा, झीलों और ग्लेशियरों की लगातार निगरानी करनी होगी और स्थानीय आबादी को समय रहते चेतावनी देने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। प्रकृति को चुनौती देकर विकास हासिल नहीं किया जा सकता। हिमालय कमजोर होगा तो उसकी कीमत पहाड़ ही नहीं, मैदान भी चुकाएंगे। हमें तय करना होगा कि हिमालय को विकास के नाम पर कितना और काटना है। क्योंकि पहाड़ कम होंगे तो दबाव नहीं घटेगा, हमारी मुश्किलें बढ़ेंगी। हिमालय को बचाने का पहला रास्ता उस पर बढ़ता मानवीय दबाव कम करना ही है।

संकट बढ़ा रहा प्लास्टिक कचरा

> पानी, मिट्टी, प्रदूषण के अलावा अनदेखा किया जाने वाला एक संकट कचरे का भी है। दूसरे जानलेवा मसलों की तरह कचरा भी धीरे-धीरे हमें अपने नीचे दबाने, मिटाने की ओर बढ़ रहा है। हरिद्वार की कांवड़ यात्रा के बाद घाटों पर करीब 8,000 टन कचरा छोड़ दिया जाना केवल सफाई व्यवस्था की समस्या नहीं है। यह उस गहरे संकट का संकेत है जिसमें धार्मिक आस्था, पर्यटन, उपभोग और हमारी कचरा संस्कृति पर्यावरणीय जिम्मेदारी से लगातार दूर होती जा रही है। हमें तय करना होगा कि हमारी धार्मिक यात्रा किसी नदी को गंदा करके, किसी पहाड़ को प्लास्टिक से ढककर पूरी नहीं हो सकती। अब समय कचरे के पहाड़ों को हटाने का नहीं, ऐसे पहाड़ पैदा होने से रोकने और नीति बनाने का है।

मौजूदा दौर में कुछ मसले ऐसे हैं जिनके बारे में लगातार बोला-बताया तो जाता है, लेकिन उन पर कोई असर पड़ता दिखाई नहीं देता। पानी, मिट्टी, प्रदूषण के अलावा अनदेखा किया जाने वाला एक संकट कचरे का भी है। दूसरे जानलेवा मसलों की तरह कचरा भी धीरे-धीरे हमें अपने नीचे दबाने, मिटाने की ओर बढ़ रहा है। हरिद्वार की कांवड़ यात्रा के बाद घाटों पर करीब 8,000 टन कचरा छोड़ दिया जाना केवल सफाई व्यवस्था की समस्या नहीं है। यह उस गहरे संकट का संकेत है जिसमें धार्मिक आस्था, पर्यटन, उपभोग और हमारी कचरा संस्कृति पर्यावरणीय जिम्मेदारी से लगातार दूर होती जा रही है।

आस्था का अधिकार सबको है, लेकिन आस्था के नाम पर प्रकृति को कचरे का ढेर बना देना किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं हो सकता। पिछले वर्ष 2025 में केदारनाथ धाम में रिकॉर्ड 17 लाख 68 हजार लोगों ने बाबा केदार के दर्शन किए। इस विशाल धार्मिक यात्रा के साथ केदारनाथ धाम में लगभग 2,300 टन कचरे का पहाड़ भी जमा हो गया। हर यात्री ने औसतन डेढ़ किलो कचरा छोड़ा। यह कचरा गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ धाम तक फैला था। इसमें करीब 100 टन प्लास्टिक और 2,200 टन अन्य कचरा था। उच्च हिमालयी क्षेत्र में जमा यह कचरा पारिस्थितिकी, जलस्रोतों, वनस्पतियों और वन्यजीवों के लिए गंभीर चुनौती है। समस्या केवल धार्मिक यात्राओं तक सीमित नहीं है। दिल्ली सरकार की 23 दिसंबर 2025 को एनजीटी को दी गई जानकारी के अनुसार शहर में प्रतिदिन 11,852 टन कचरा उत्पन्न होता है। इसमें से 7,611 टन यानी 64.2 प्रतिशत कचरे का प्रतिदिन प्रसंस्करण किया जाता है, जबकि लगभग 4,241 टन यानी 35.8 प्रतिशत कचरा प्रतिदिन डंपसाइटों भलस्वा और गाजीपुर में निपटान के लिए बच जाता है।

इसका अर्थ है कि कचरे का पहाड़ केवल हिमालय या तीर्थस्थलों में नहीं बन रहा, बल्कि महानगरों के आसपास भी लगातार बढ़ रहा है। 'सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट' (सीएसई) की नई रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर दिन करीब 19 हजार टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। इसमें से प्लास्टिक का 62 प्रतिशत पैकेजिंग के लिए इस्तेमाल होता है, जबकि वैश्विक औसत लगभग 40 प्रतिशत है। प्लास्टिक पैकेजिंग की खपत सालाना 8 से 9 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। ऑनलाइन खरीदारी ने इस संकट को और तेज किया है। एक सामान्य ऑनलाइन डिलीवरी में पॉली मेलर, प्लास्टिक रैप, टेप, लेबल और अतिरिक्त पैकेजिंग जैसी कई सामग्रियां शामिल होती हैं। प्रत्येक ऑनलाइन ऑर्डर के साथ नया पैकेजिंग कचरा पैदा होता है। ई-कॉमर्स बाजार जितना बढ़ता जा रहा है, पैकेजिंग कचरे की मात्रा भी उतनी ही तेजी से बढ़ रही है। 'केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड' के अनुसार भारत में हर साल लगभग 39 लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है। इसमें से लगभग आधा ही एकत्र किया जाता है और एकत्र किए गए कचरे में से भी लगभग 50 प्रतिशत का ही रिसाइकिल किया जाता है। शेष कचरा कहां जाता है? इसका बड़ा हिस्सा लैंडफिल, नदियों और समुद्रों में पहुंचता है या उसे जला दिया जाता है। जलाने से वायु-प्रदूषण और जहरीले उत्सर्जन का खतरा बढ़ता है। प्लास्टिक हमारे हवा, पानी और भोजन में भी प्रवेश कर रहा है। वर्ष 2000 से 2019 के बीच



लगभग 3 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्री वातावरण में जमा हुआ था। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि मौजूदा प्रवृत्ति जारी रही तो 2050 तक समुद्रों में मछलियों की तुलना में प्लास्टिक की मात्रा बहुत गंभीर स्तर तक पहुंच सकती है। पिछले वर्ष तमिलनाडु के जंगलों से एक ही दिन में 55 टन प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया था। कोयम्बटूर के निकट मारुथमलाई की तलहटी में एक गर्भवती हथिनी की मृत्यु हुई और उसकी आंत में प्लास्टिक की थैलियां पाई गई।

यह घटना बताती है कि मनुष्य द्वारा फेंका गया कचरा अंततः वन्यजीवों में प्रवेश कर रहा है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 70.73 लाख टन कपड़ा कचरा उत्पन्न होता है। इसमें लगभग 42 प्रतिशत हिस्सा फैक्ट्रियों और विनिर्माण इकाइयों का उपभोग-पूर्व कचरा है, जबकि 58 प्रतिशत हिस्सा उपभोक्ताओं द्वारा फेंके गए पुराने कपड़ों और घरेलू वस्त्रों का है। कपड़ा उद्योग का संकट केवल पुराने कपड़ों के कचरे तक सीमित नहीं है। कपड़ा रंगाई और प्रसंस्करण इकाइयों से निकलने वाला जहरीला और संदूषित पानी स्थानीय जलस्रोतों और भूजल को प्रदूषित कर सकता है। बिना रीसाइक्लिंग के फेंका गया कपड़ा लैंडफिल पर दबाव बढ़ाता है और जैविक पदार्थ के सड़ने से मीथेन जैसी ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं। सीएसई के अनुसार आज दुनिया में बनने वाले 60 प्रतिशत से अधिक नए कपड़ों में किसी-न-किसी रूप में प्लास्टिक आधारित फाइबर का इस्तेमाल होता है। इसका मतलब है कि 'फास्ट फैशन' का संकट केवल कपड़ों की अधिक खपत नहीं, बल्कि प्लास्टिक की बढ़ती खपत का भी संकट है। ऐसे में कंपनियों को केवल उत्पादन और बिक्री के लिए नहीं, बल्कि उत्पाद के उपयोग के बाद पैदा होने वाले कचरे के लिए भी जवाबदेह बनाना होगा। सबसे पहले अनावश्यक उपभोग को कम करना जरूरी है। जिस पैकेजिंग की आवश्यकता नहीं है, उसका उत्पादन ही क्यों किया जाए? ऑनलाइन खरीदारी में अनावश्यक प्लास्टिक रैप और अतिरिक्त पैकेजिंग पर रोक होनी चाहिए। दूसरा कदम पुनः उपयोग है। ऐसी पैकेजिंग सामग्री को बढ़ावा दिया जाना चाहिए जिन्हें बार-बार इस्तेमाल किया जा सके। तीसरा कदम पुनर्चक्रण है, लेकिन रीसाइक्लिंग को हर समस्या का समाधान मानना भी गलत है। ऐसी सामग्री डिजाइन करनी होगी जिसे वास्तव में और आर्थिक रूप से रिसाइकिल किया जा सके। चौथा और सबसे महत्वपूर्ण कदम है जवाबदेही। उत्पादक कंपनियों को उत्पादक उत्तरदायित्व केवल कागजी अनुपालन नहीं, बल्कि वास्तविक जिम्मेदारी के रूप में लागू करना चाहिए।

तीर्थस्थलों और पर्यटन क्षेत्रों में विशेष कचरा प्रबंधन व्यवस्था होनी चाहिए। यात्रियों की संख्या के आधार पर कचरा-उत्पादन का अनुमान लगाया जाए, स्रोत पर कचरा अलग किया जाए, एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रभावी रोक हो और तीर्थयात्रियों को 'जो लाएं, वापस ले जाएं' के सिद्धांत से जोड़ा जाए। धार्मिक यात्राओं और बड़े आयोजनों में आयोजकों, प्रशासन, स्थानीय निकायों और यात्रियों की साझा जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। सबसे बढ़कर उपभोक्ता संस्कृति में बदलाव जरूरी है। 'खरीदो, इस्तेमाल करो और फेंक दो' की संस्कृति को 'कम खरीदो, लंबे समय तक इस्तेमाल करो, पुनः उपयोग करो और पुनर्चक्रण करो' की संस्कृति में बदलना होगा। असली संकट यह है कि हमने विकास, सुविधा, उपभोग और आस्था को प्रकृति की सीमाओं से अलग कर दिया है। हमें तय करना होगा कि हमारी धार्मिक यात्रा किसी नदी को गंदा करके, किसी पहाड़ को प्लास्टिक से ढककर या किसी जंगल में कचरा छोड़कर पूरी नहीं हो सकती। अब समय कचरे के पहाड़ों को हटाने का नहीं, ऐसे पहाड़ पैदा होने से रोकने और नीति बनाने का है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

विज्ञापन विवाद
डॉ. मोनिका शर्मा



परंपरागत भाव-चाव को बेरंग करने की कुत्सित सोच

फिल्मी दुनिया के चर्चित चेहरों और विज्ञापन कंपनियों द्वारा भारतीय पर्वों और परम्पराओं का उपहास उड़ाने के प्रवृत्ति कई बार दिखी है। कभी पहनावे के विचित्र रंग-ढंग तो प्रस्तुतीकरण में भावनाओं से खेलने का इरादा। स्पष्ट दिखता है कि इनके लिए न तो जनभावनाओं की अहमियत है और न ही इन्हें रीति-रिवाज के पारिवारिक रंगों को बेरंग की फिक्र है। एक ज्वेलरी ब्रांड के विज्ञापन को लेकर आ रही आमजन की प्रतिक्रियाएं बताती हैं कि इस बार भी यही खेल खेला गया है। सवाल यह है कि सामाजिक समरसता और जुड़ाव के भाव को पोसने वाले सहज विज्ञापन क्यों नहीं बनाए जा सकते? साथ ही प्रश्न यह भी उठता है कि प्रस्तुतीकरण और हैरान-परेशान करने वाली संकल्पना का अंदाज़ हर बार केवल एक समुदाय के त्योहारों के साथ ही क्यों अपनाया जाता है? ध्यातव्य है कि विवादित विज्ञापन में अभिनेत्री कृति सेनन के परिधान और अपने कुत्ते को राखी बांधने की बात आमजन को खटक रही है।कहना गलत नहीं होगा कि विज्ञापन में अभिनेत्री द्वारा जैसे कपड़े पहने गए हैं, रक्षाबंधन का पावन पर्व मनाते हुए आम परिवारों में तो नहीं पहने जाते। राखी का त्योहार भाई-बहन के स्नेह साथ से जुड़ा एक सुंदर पर्व है। आज भी सभी परिजन-स्वजन मिलकर यह त्योहार मनाते हैं। घर-परिवार के गरिमामयी परिवेश में जीवनशैली के ऐसे रंग तो नहीं ही दिखते। जबकि क़रीब 35 सेकंड के इस विज्ञापन में कृति सेनन रक्षाबंधन मनाते हुए सफ़ेद रंग का लहंगा और साथ में डीप-नेक ब्रालेट स्टाइल का ब्लाउज़ पहनने दिखती हैं। साथ ही अपने पालतू कुत्ते को भी राखी बांधती हैं। यह सब एक पावन त्योहार का मज़ाक उड़ाने की जानबूझकर की गई कोशिश ही प्रतीत होता है।आमजन की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले इस विवादित विज्ञापन को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि त्योहार या संस्कृति को पहनावे से नहीं जोड़ना चाहिए। एक महिला होने के नाते, उन्हें क्या पहनना चाहिए ये उन्हें नहीं बताया जाए। राहुल गांधी ने उनका समर्थन करते हुए इंस्टाग्राम पर उनकी स्टोरी को शेयर किया है। साथ ही राहुल गांधी ने कहा है कि 'एक महिला क्या पहनती है, क्या करती है और कहां जाती है - यह उनकी पसंद है। महिलाओं को उनकी आजादी का इस्तेमाल करने के लिए ट्रोल करना बंद करें। इस पोस्ट के साथ नेता प्रतिपक्ष ने हैशटैग 'स्मैश द पेट्रियार्की' (पितृसत्ता को तोड़ो) का भी इस्तेमाल किया है। वहीं अभिनेत्री और सांसद कंगना राणावत द्वारा अपनी पोस्ट में कही बात का अर्थ यह है कि हमारे पास परिधानों के बहुत से विकल्प होते हैं। स्टाइल के नाम पर अजब-गजब प्रयोग करने के बजाय त्योहारों को परंपरा और शालीनता के साथ भी मनाया जा सकता है। वस्तुतः, रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन को ही नहीं पारिवारिक सम्बन्धों को भी जोड़ता है। प्रेम व दायित्व निर्वहन का यह सूत्र भाई-बहन के रिश्ते को ही नहीं पारिवारिक परिवेश में भी अपनेपन को पोषित करता है। बिखरते रिश्तों के मौजूदा दौर में सम्बन्धों को संजीदगी से सहेजने और दृढ़ता से थामे रखने की सोच को बल देता है। यह रिश्ता बच्चों के लिए भौतिक और भावनात्मक सहारे का स्रोत होता है। जो अकेलेपन और अवसाद से बचाने की भी क्षमता रखता है। सुखद है कि नई पीढ़ियां भी इस डोर के स्नेह से जुड़ी रहती हैं। मेल-मिलाप और रिश्तों के मायने समझती हैं। ऐसे में परंपरागत भाव-चाव से परे इस विज्ञापन में शामिल कई चीजें पर्व की गरिमा और जुड़ाव को ठेस पहुंचाने वाली लगती हैं। पहनावे के इस अंदाज़ और विज्ञापन की संकल्पना को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों द्वारा आपत्ति जताना भी इसी बात की तस्दीक करता है। विडम्बना ही है कि हर बार त्योहारी मौसम में आस्था का रंग ही नहीं, उपहास का बेरंग बर्ताव भी खूब देखने को मिलता है। व्रत-उत्सवों को लेकर अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कुछ भी परोसने का व्यवहार आम हो चला है। विज्ञापनों से लेकर व्यक्तिगत पोस्ट्स तक, चर्चित चेहरे और कम्पनियां खूब नकारात्मकता परोसती हैं। अब तो कमोबेश हर त्योहारी रीत-रिवाज का ही मजाक बनाया जाता है। जान-बूझकर पर्वों के परंपरागत रंगों को धूमिल करने का प्रयास किया जाता है। असल में यह सोशल मीडिया मंचों पर चर्चा पाने का एक सस्ता तरीका बन गया है। पहले भी देखने में आया है कि बहुत से उत्पादों, सेवाओं और कंपनियों द्वारा प्रचार पाने की लालसा में सोची-समझी संकल्पना के साथ ऐसे विज्ञापन बनाए गए हैं। विडम्बना ही है कि विवादित या आलोचनात्मक कंटेन्ट वाले विज्ञापन बनाकर सार्वजनिक रूप से नकारात्मक चर्चा पाना भी उपलब्धि मानी जाने लगी है। निःसंदेह, परंपरागत पर्वों को लेकर कुछ न कुछ नकारात्मक जोड़ने या सकारात्मक भाव-चाव को पीछे कर देने का खेल जनमानस को ठेस पहुंचाने वाला है ।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जन्म के साथ प्रारंभ व मृत्यु पर समाप्त होती है यात्रा



संकलित
दर्शन

शरीर में समाहित ऊर्जापुंज को आत्मा कहा गया है। यह आत्मा अनंत ऊर्जा अर्थात परमात्मा का एक अति सूक्ष्म अंशमात्र है। भौतिक जगत में रहते हुए यह भौतिक शरीर एक यात्री के सदृश होता है। शरीर के जन्म के साथ ही यात्रा प्रारंभ होती है एवं मृत्यु के उपरांत समाप्त हो जाती है। अर्थात भौतिक शरीर के लिए जीवन एक यात्रा के समतुल्य है। जन्म के साथ ही ऊर्जापुंज अर्थात आत्मा भौतिक शरीर से संयुक्त होकर उसकी यात्रा में सहयात्री की भूमिका का निर्वहन करने लगता है एवं मरणोपरांत स्वयं को यात्रा से अलग कर लेता है। यह कहा जा सकता है कि भौतिक शरीर की यात्रा का आदि और अंत स्पष्टतः ज्ञात होता है, परंतु ऊर्जापुंज जिसे आत्मा कहकर संबोधित किया जाता है, अपनी यात्रा के आदि और अंत से सर्वथा अपरिचित होता है। आत्मा की यात्रा कब और क्यों प्रारंभ हुई तथा कब और क्यों पूर्ण होगी? इन प्रश्नों का हल आज भी एक चुनौती के रूप में खड़ा है। ऊर्जापुंज अगणित भौतिक शरीरों की भौतिक यात्रा में सहयात्री की भूमिका को निभाता हुआ अपनी अनंत दिव्ययात्र को जारी रखता है। अर्थात आत्मा की इस अलौकिक यात्रा में अनंत लौकिक यात्राएं शामिल होती हैं। इस अलौकिक यात्रा के संबंध में केवल इतना ही कहा जा सकता है कि यह यात्रा अनंत से प्रारंभ होकर अनंत पर ही पूर्ण होगी, किंतु अनंत को परिभाषित करना भी असंभव है। अनंत को अज्ञात का पर्याय माना जा सकता है। प्रश्न यह उठता है कि इस अनंत गति को अनवरत जारी रखने के लिए आवश्यक बल किस स्नेत से प्राप्त होता है?

सुदर्शन रूप में भक्त की प्रेत से रक्षा



संकलित
प्रेरणा

संत अनंतकृष्ण बाबा जी के पास एक लड़का सत्संग सुनने के लिए आया करता था। संत से प्रभावित होकर बालक द्वारा दीक्षा के लिए प्रार्थना करने पर बाबा जी ने कहा कि महामंत्र का 11 लाख जप करके आओ उसके बाद विचार करेंगे। लगभग कुछ महीनों के पश्चात जप की संख्या पूरी करने के बाद वह बाबा के पास पुनः आया। बाबा ने बालक को कहा 11 लाख और जप करके आना। अभी 3-4 वर्ष ही बीते थे साधक जीवन में प्रवेश किए हुए, उसके मन में श्रद्धा की कमी होने लगी । वह एक दिन कहीं जा रहा था रास्ते में एक तांत्रिक को कुछ सिद्धियों का प्रदर्शन करते हुए देखा। तांत्रिक ने उससे अपने बारे में पूछा, उसने अपनी उपासना के बारे में बताया । तांत्रिक ने पूछा कि तुम इतने वर्षों से इतनी संख्या में जप करते हो, साधना करते हो उससे तुम्हे कुछ अनुभूति हुई? हमारी तरह प्रेत सिद्ध कर लो, तुम्हारे सब काम प्रेत कर दिया करेगा, बालक ने तांत्रिक से साधन की विधि जानी और शीघ्र ही थोडे मंत्रो के जप से ही सिद्ध प्राप्ति कर ली। उसने तांत्रिक से कहा कि मुझे तो कोई प्रेत सिद्ध हुआ नहीं। तांत्रिक ने कहा पुनः प्रयास करो। इस बार भी प्रेत प्रकट नहीं हुआ। तांत्रिक ने प्रेत को बुलाकर पूछा कि तुम इसके सामने क्यों नहीं प्रकट होते हो? उस प्रेत ने कहा मैं तो जैसे ही इसके थोड़े निकट जाता हूँ, इसके पीछे एक सुदर्शन चक्र प्रकट हो जाता है। मैं महान बलवान होने पर भी उस चक्र के तेज के सामने टिक नही सकता। अवश्य ही कोई शक्ति इसकी रक्षा करती है।

राखियां दिखाती छात्राएं



रक्षा बंधन त्योहार की एक शाम पहले, गुरुवार को पश्चिम बंगाल के नादिया में स्टूडेंट्स अपनी राखियां दिखाते हुए।

आज की पाती

प्याज की बढ़ती कीमत महंगाई का एक और झटका

अगर देश में कोई भी खाने की चीज, वो भी गरीब से गरीब के लिए भी रोजमर्रा में प्रयोग होने वाली हो, महंगी हो जाए तो सरकारों को उसकी कीमत कम करने के उपाय प्राथमिक आधार पर करने चाहिए। विकास के वादे और दावे तब तक खोखले माने जा सकते हैं, जब तक देश में पैदा होने वाली चीजें महंगी हों। अब तो सरकारों को प्याज की बढ़ती कीमतों के लिए कुंभकर्णी नींद से जाग जाना चाहिए, क्योंकि अब देश के कुछ राज्यों में इसकी कीमत 50 रुपए प्रति किलो से ऊपर हो चुकी है। वैसे प्याज की कीमतें इससे पहले भी बढ़ती थी और इस पर खूब राजनीति भी होती आई है। प्याज पर ही नहीं, बल्कि हर तरह की महंगाई को मुद्दा बनाकर चुनाव लड़े जाते हैं। लेकिन महंगाई के समाधान के लिए किसी भी राजनीतिक पार्टी की सरकार ने आज तक गंभीरता नहीं दिखाई। – *प्रकाश देसाई, रायपुर*

करंट अफेयर

बच्चों की पढ़ाई के लिए प्रिंस हैरी और मेगन ब्रिटेन लौटे



प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल ब्रिटेन पहुंचे। ब्रिटिश मीडिया की खबरों में दावा किया गया है कि हैरी अपने बच्चों आर्ची और लिलिबेट के अगले महीने शुरू होने वाले नए स्कूल सत्र के लिए ब्रिटेन लौटे हैं। हैरी और मेगन के कैलिफोर्निया से निजी विमान से बर्मिंघम हवाईअड्डे पहुंचने की खबर है। माना जा रहा है कि परिवार लंदन के बाहर सुरम्य कॉट्सवोल्ड्स इलाके में स्थित एक निजी संपत्ति में रहेगा। ड्यूक और डचेस ऑफ ससेक्स के प्रवक्ता ने बीबीसी से कहा, 'यह ऐसी बात नहीं है जिस पर हम टिप्पणी करें।' द डेली टेलीग्राफ' ने एक सूत्र के हवाले से कहा, ' 'वे कितने समय तक रहेंगे? मुझे नहीं पता, लेकिन यह लंबा समय होगा। छह महीने, एक साल, दो साल... कौन जानता है।' अखबार के मुताबिक, दंपति की योजना एक 'अंतरराष्ट्रीय' परिवार के रूप में रहने की है और वे अमेरिका तथा पुर्तगाल में अपने घर बरकरार रखेंगे। सात वर्षीय प्रिंस आर्ची और पांच वर्षीय प्रिंसेस लिलिबेट सितंबर में शुरू होने वाले शरद ऋतु सत्र से एक ब्रिटिश स्कूल में पढ़ाई करेंगे। हैरी और मेगन के ब्रिटेन लौटने की खबर पिछले सप्ताह आई थी। उस समय बकिंघम पैलेस ने कहा था कि वह शाही परिवार के 'नॉन वर्किंग' सदस्यों से संबंधित घटनाक्रम पर टिप्पणी नहीं करता।

ऑफ बीट

मानव- मेंढक संबंधों का इतिहास जटिल रहा है

दरअसल, मेंढकों के प्रति हमारा आकर्षण नया नहीं है। जैसा कि हमारे शोध से पता चला है, मानव-मेंढक संबंधों का इतिहास लंबा और जटिल है – और



यह सब अच्छा नहीं है। हम मेंढकों से प्यार क्यों करते हैं? मेढकों से सचमुच प्रेम करने वाले लोगों का एक समृद्ध इतिहास है। यह दिलचस्प है, क्योंकि बहुत से लोग सरीसृपों और उभयचरों की तुलना में स्तनधारियों और पक्षियों को अधिक पसंद करते हैं। लेकिन मेंढक एक अपवाद है – कई कारणों से। लोग बच्चों जैसे चेहरों की ओर आकर्षित होते हैं। मेंढकों की कई प्रजातियों में बड़ी आंखें होती हैं। न दांत और न नुकीले पंजे होने के कारण, वे तुरंत खतरनाक भी नहीं लगते, जबकि उनमें से कई की त्वचा का रंग सुंदर होता है और कुछ अविश्वसनीय रूप से छोटे होते हैं। मेंढक वास्तव में प्राकृतिक दुनिया के गहनों में से हैं, टोड के विपरीत, जो – अपने अधिक सांसारिक रंगों और 'मस्सेदार त्वचा' के साथ – आमतौर पर अधिक लोगों का पसंद नहीं आते हैं। इनकी सुंदरता हमें उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के घने वर्षावनों में अधिकांश लोगों की दृष्टि से छिपी जीवंत प्रकृति की व्यापक संपदा से जोड़ती है। और वे हमें हमारे अपने आंगन में प्रकृति से भी जोड़ते हैं।

ट्रेंड

लोहे की दीवार



टी-72 और टी-90 टैंक हमारी सीमाओं पर दुश्मन के लिए काल और हमारे सैनिकों के मनोबल का प्रतीक हैं। जबलपुर की व्हीकल फैक्ट्री की नई ओवरहॉलिंग सुविधा यह तय करेगी कि हमारी 'लोहे की दीवार' हमेशा फिट, मजबूत और युद्ध के लिए तैयार रहे।
- **राजनाथ सिंह,** रक्षामंत्री

महिला विश्वविद्यालय



बिहार की बहनों के लिए एक "महिला विश्वविद्यालय" बनाया जाएगा, जहाँ हमारी बेटियां उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगी। इस महिला विश्वविद्यालय में प्रोफेसर से लेकर वाइस-चांसलर और अन्य सभी पदों की जिम्मेदारी सिर्फ महिलाएँ ही संभालेंगी।
- **सम्राट चौधरी,** सीएम, बिहार

जवाबदेही की मांग



डॉक्टरों की भारी कमी का सामना कर रहे देश में, यह देखना दुखद है कि हजारों एमबीबीएस डॉक्टर नई दिल्ली के रणजीत सिंह पार्क में प्रदर्शन कर रहे हैं। वे 'नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन्स इन मेडिकल साइंसेज' से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।
-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

एंट्रेंस एग्ज़ाम



हम स्कूल में बच्चों को कुछ और सिखाते हैं, लेकिन कॉलेज में एडमिशन के लिए उनका टेस्ट किसी और चीज़ पर होता है! सरकार की विनीत जोशी कमिटी ने स्कूल की पढ़ाई और कॉलेज में एडमिशन के लिए होने वाले एंट्रेंस एग्ज़ाम के बीच इस अंतर को माना है।
- **कमल हासन,** फिल्म अभिनेता

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

सुरजेवाला बोले- देश की जनता को खुलेआम कालाबाजारियों और मुनाफाखोरों से लुटवा रही मोदी सरकार

कांग्रेस ने चीनी की बढ़ती कीमतों को बताया 36 हजार करोड़ का घोटाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली



त्योहारी सीजन से ठीक पहले चीनी की बढ़ती कीमतों को कांग्रेस ने 36,000 करोड़ रुपये का घोटाला बताते हुए कहा है कि मोदी सरकार देश की जनता को खुलेआम कालाबाजारियों और मुनाफाखोरों से लुटवा रही है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि देश में चीनी की कीमतें 45 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 70 से 75 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुकी हैं। उन्होंने इसे आम जनता की जेब पर डाका करार दिया और कहा कि सरकार द्वारा त्योहारों की मिठास पर महंगाई का कड़वा वार किया गया है। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक अभय दुबे भी मौजूद थे। कांग्रेस महासचिव ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 का ओपनिंग शुगर स्टॉक 50 लाख टन है, जो 2024-25 के 80 लाख टन के मुकाबले काफी कम है। इंडियन शुगर मिल एसोसिएशन के अनुसार 2025-26 में चीनी उत्पादन 275 लाख टन हुआ, जबकि सरकार 343 लाख टन उत्पादन का झूठा दावा करती रही।

बागी टीएमसी गुट को भाजपा ने दिया पहला झटका

नगर निगम चुनाव में साथ लड़ने से किया इंकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

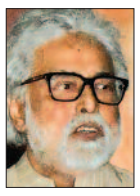

सुदीप बंद्योपाध्याय

सायोनी घोष, काकोली घोष दस्तीदार और सुदीप बंदोपाध्याय समेत टीएमसी से अलग हुए 20 सांसदों वाले गुट को भाजपा ने करारा झटका दिया है। भाजपा ने इस गुट के साथ मिलकर कोलकाता नगर निगम चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। एनसीपीआई में शामिल हुए सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा था कि उनकी पार्टी कोलकाता नगर निगम का चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ेगी। सुदीप ने पत्रकारों से कहा कि हमने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से बात कर ली है, जिन्होंने इसकी पुष्टि की है। लेकिन केएमसी चुनाव प्रभारी और केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने साफ कर दिया था कि इस चुनाव में भाजपा अकेले ही मैदान में उतरेगी।

केएमसी चुनाव साथ लड़ने पर कोई चर्चा नहीं की

मजूमदार ने न्यू टाउन स्थित अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकारों से कहा कि



केंद्रीय राज्य मंत्री मजूमदार

हमारे प्रदेश अध्यक्ष पहले ही कह चुके हैं कि राज्य में भाजपा का कोई सहयोगी नहीं है। हमने बंगाल में विधानसभा चुनाव किसी सहयोगी के साथ नहीं लड़ा था। हम अकेले लड़े और कई सीटें जीतीं। इसलिए, किसी सहयोगी के साथ मिलकर केएमसी चुनाव लड़ने पर कोई चर्चा नहीं हुई है। मेरे पास भी ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं आया है।

फडणवीस ने लाइसेंस रद्द करने के फैसले पर लगाई रोक

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने ऑटो, टैक्सी और कैब ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा की अनिवार्यता की समय सीमा को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ऐलान किया कि इस अवधि के दौरान चालकों के खिलाफ भाषा को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। ऑटो और टैक्सी यूनियनों के साथ बैठक के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'ऑटो और टैक्सी ड्राइवर्स एसोसिएशन की आज मीटिंग हुई है।

CHHATTISGARH STATE AGRICULTURE MARKETING (MANDI) BOARD

Sardar Vallabh bhai patel Sector 24 kayabandha, Atal Nagar Nawa Raipur (C.G) 492018
Phone-0771-4240501 Fax- 4094472, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website-www.samb.cg.gov.in

S. No./ Board/ B-6/ 2026-27/3093 Raipur, Dated -25/08/2026

EXPRESSION OF INTEREST FOR LISTING OF CONSULTANTS

C.G. STATE AGRICULTRURE MARKETING (MANDI) BOARD intends to list Consultants for Architectural and Structural design, detailed engineering and related services.

LEVEL OF LISTING & BROAD ELIGIBILITY CRITERIA

Category	Work values/ project cost	The Forming Part of Consultant''s Firm shall be atleast	The applicants core team of experts shall have experience of at least	The applicants must have planned, designed & executed atleast one project of building construction worth minimum
A	For works/ project cost exceeding, Rs. 50 crore	15 years old	15 years in the respective field	Rs. 30 crore
B	For works/project costexceeding Rs. 25 crore & upto Rs. 50 crore	10 years old	10 years in the respective field	Rs. 20 crore
C	For works/project costexceeding Rs. 10 crore & upto Rs. 25 crore	5 years old	5 years in the respective field	Rs. 10 crore
D	For works/project exceeding Rs. 1 crore & upto Rs. 10 crore	5 years old	5 years in the respective field	Rs. 5 crore

General Condition :- For Pre-qualification, the application, along with supporting documents shall be sent in a sealed envelop marked "Pre-qualification of Consultant" on top so as to reach the Office of undersigned on or before 25-09-2026 through speed post / registered post or courier along with the document cost Rs. 1000/- (Rs. One thousand only) (non-refundable) as D.D. in favour of Managing Director, C.G. State Agriculture Marketing (Mandi) Board, Sardar Vallabh bhai patel Sector 24 kayabandha, Atal Nagar Nawa Raipur. Any application after the last date and time will not be entertained for Pre-qualification.

The detailed Pre-qualification and agreement Document is available on the website www.samb.cg.gov.in from where it can be downloaded for submission. C.G. Mandi Board reserves the right to reject all or any of the application or to consider listing/Pre-qualification in category lower than applied for, without assigning any reasons. Right to modify the process of listing/Pre-qualification is reserved with C. G. Mandi Board. Application on the prescribed form will only be considered.

(Managing Director)
C.G. Mandi Board, Raipur

S-48891/1

लार्सन एंड टुब्रो ने नौसेना को सौंपा पहला बहुउद्देशीय जहाज 'समर्थक'

हरिभूमि ब्यूरो.नई दिल्ली। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों वाले मौजूदा परिदृश्य के बीच भारतीय नौसेना के जंगी बेड़े को लगातार मजबूती मिल रही है। बीते कुछ वक्त से एक के बाद एक जहाज समुद्री सेना के युद्धक बेड़े में शामिल हो रहे हैं।
इसी क्रम में गुरुवार को भी एक और स्वदेशी व बहुउद्देशीय जहाज 'समर्थक' नौसेना में शामिल किया गया है। जिसका निर्माण देश के रक्षा क्षेत्र के निजी शिपयार्ड लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड, कट्टुपल्ली (एल एंड टी) द्वारा किया गया है। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर दी है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 198069 / निविदा सूचना क्र. 10 / व.ले.लि. / 2026-27 दि. 24.08.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 16.09.2026 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम – बस्तर जिले के विकासखंड जगदलपुर में जल संसाधन उप संभाग हेतु 03 नग नवीन कार्यालय भवन का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत- रू. 392.15 लाख

(जी.एस.टी. छोड़कर) (छ.ग. लो.नि.वि. के दिनांक 01.01.2015 से प्रचलित बिल्डिंग एस.ओ.आर. पर आधारित)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्यूरमेंट वेब साइट https://eproc. cgstate.gov.in पर दिनांक 31.08.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्यूरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा जारी निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र जिसकी वैधता दिनांक 30.09.2026 तक है, वह लागू होगी।

कार्यपालन अभियंता
टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग, जगदलपुर
कृते मुख्य अभियंता गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, जगदलपुर, छ.ग.

G-262702990/3

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PLANNING AND INVESTIGATION DIVISION
ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT (RCD),RANCHI
Nirupan Bhawan, 3rd Floor, Room No. 401,
56-Set, Doranda, Ranchi-834002

Invitation of Proposal (e-procurement Notice)
Letter of Invitation (LOI) No.- 09/2026-27
1st Call
NATIONAL BIDDING
e-Tender Ref No&RCD/PID/RANCHI/09/2026-27 Date:- 25.08.2026

1	Name Of Work	Consultancy Services for Preparation of Detailed Project Report for Construction of Four lane road From Rangamati to Milan Chowk via Tikar,Pilid including replacement/New Proposal of Culverts, Bridges, ROB's, RUB's, Complete Land Acquisition Plan including Ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal and Utility Shifting Proposal in details etc. as required by the Department (If any) under Saraikela-Kharsawan District in the State of Jharkhand (Tentative Length – 20.00 km).
2	Period of Completion of Work	90 Days
3	Cost of Tender documents	Cost of Tender Document-Rs 5,000/- (Five Thousand only) EARNEST MONEY DEPOSIT:-Rs 40,000 (Rs. Forty Thousand only)As per the Departmental Letter no-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit will be received in online mode only through eprocurement portal (https://jharkhandtenders.gov.in) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating Proccdure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government ofJharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
4	Mode of Bid Submission	e-tendering(https://jharkhandtenders.gov.in)
5	Date/Time of Publication of Tender on Website	01.09.2026 At 5:00 PM
6	Last Date/Time of Submission ofBid	21.09.2026 Upto 12:00 noon
7	Date and Time ofTechnical Bid opening	24.09.2026 at 12:30 PM
8	Bid validity	120 days
9	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Planning and Investigation Division,RCD,Ranchi, Mob No.-9471650883

Note:- Only e-Tender shall be accepted.

Executive Engineer,
Planning & Investigation Division,
Road Construction Department, Ranchi.

PR 388543 Road(26-27)#D

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल/एसएएम/कल्याणी/कार्मिक/26-27/326

सूचना

इस प्रकाशन के नाध्यम से यह सूचित किया जाता है कि एसईसीएल भटगांव क्षेत्रान्तर्गत शिवानी भूमिगत खदान परियोजना के खनन कार्य हेतु ग्राम बंशिपुर के निम्नलिखित भू-विस्थापितों एवं उनके द्वारा नामित आश्रित/उम्मीदवार को एसईसीएल में रोजगार प्रदान करने हेतु एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर से स्वीकृति प्राप्त किये जाने बाबत् औपचारिकताएं यथाशीघ्र प्रारम्भ किया जायेगा। तत्सम्बंध में भूस्वामियों एवं प्रस्तावित व्यक्तियों द्वारा सही नाम का शपथ पत्र कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। अत: जन साधारण के लिए निम्न तालिका में जानकारी प्रकाशित की जा रही है :-

स. क्र.	1A & 1B भूमि संबधी एवं अन्य दस्तावेजों में भू-स्वामी का नाम	खसरा न.	रकबा (हे.)	उम्मीदवार का वास्तविक नाम प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार	रोजगार हेतु नामांकित उम्मीदवार व्यक्तिगत के दस्तावेजो में नाम
1	2	3	4	5	6
1	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - बरातु आ. हीरासाय राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - बरातू पिता हीरासाय गोंड़ राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - बरातू आ. हीरासाय आधार कार्ड में नाम - बरातु आ. हीरासाय वोटर कार्ड मे नाम - बरातु आ. हीरासाय वंशवृक्ष मे नाम - बरातु आ. हीरासाय	719/1P 722/1P 1480/1 1591/1 1603/1 1630/1 1645/1 1647/1	0.010 0.040 0.170 0.150 0.040 0.230 0.070 1.010 **1.720**	शिवनाथ सिंह पिता बरातु सिंह	नामांकन मे नाम - शिवनाथ सिंह पिता बरातु सिंह वंश वृक्ष में नाम - शिवनाथ सिंह आ. बरातू आधार कार्ड मे नाम - शिवनाथ सिंह पिता बरातू सिंह जाति, प्रमाण पत्र में नाम - शिवनाथ सिंह पिता बरातु सिंह निवास प्रमाण पत्र में नाम - शिवनाथ सिंह पिता बरातु सिंह शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - SHIV NATH SINGH
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम- धरमपाल आ. धोधी, नानु, टुबली पुत्री धोधी राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - धरमपाल वगैरह पिता धोधी राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - धरमपाल आ. धोधी, नान, टुबली पुत्री धोधी आधार कार्ड में नाम-1. धरमपाल आ. धोधी, 2. नान पति पुरन सिंह, 3. टुबली पति परमेश्वर वोटर कार्ड मे नाम-1. धरमपाल मरावी आ. धोधी मरावी 2. नान पति पुरन टेकाम 3. टुबली पति पनमेश्वर पावले वंशवृक्ष मे नाम - धरम पाल आ. धोधी	1511/1 1518/1 1433/1 1472/1	0.060 0.280 0.280 0.600 **1.220**	चन्द्रदेव सिंह पिता बरातु	नामांकन मे नाम - चन्द्रदेव सिंह पिता बरातु वंश वृक्ष में नाम - चन्द्रदेव सिंह आ. बरातू आधार कार्ड मे नाम - चन्द्र देव सिंह आ. बरातु जाति, प्रमाण पत्र में नाम - चन्द्र देव सिंह आ. बरातु निवास प्रमाण पत्र में नाम - चन्द्र देव सिंह आ. बरातु शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - NA
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - रीझन आ. सोमारू, सहालो पति रीझन राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - रीझन राम आ. सोमारू, सहालो पति रीझन राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - बंशलाल पिता रीझन कंवर आधार कार्ड में नाम - 1. रीझन आ. सोमारू 2. सहलो पति रोजहां वोटर कार्ड मे नाम - 1. रोझन आ. सोमारू 2. सहालो पिता रीझन वंशवृक्ष मे नाम - रीझन आ. सोमारू	1415 1474/3 1520/3	0.080 0.270 0.150 **0.500**	सुरेश सिंह पिता बरातु सिंह	नामांकन मे नाम - सुरेश सिंह आ. बरातु वंश वृक्ष में नाम - सुरेश पिता बरातु आधार कार्ड मे नाम - सुरेश सिंह आ. बरातु जाति, प्रमाण पत्र में नाम - सुरेश सिंह आ. बरातु सिंह निवास प्रमाण पत्र में नाम - सुरेश सिंह आ. बरातु सिंह शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - SURESH SINGH S/O BARATU SINGH
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - हंसलाल आ. रीझन राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - हंसलाल आ. रीझन कंवर राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - हंसलाल पिता रीझन कंवर आधार कार्ड में नाम - हंसलाल आ. रीझन वोटर कार्ड ने नाम - हंसलाल आ. रिझन राम कंवर वंशवृक्ष मे नाम - हंशलाल आ. रीझन	1412 1413 1474/1 1520/1	0.050 0.060 0.260 0.120 **0.490**	जनक सिंह पिता धरमपाल	नामांकन मे नाम - जनक सिंह पिता धरमपाल वंश वृक्ष में नाम - जनक सिंह आ. धरम पाल आधार कार्ड मे नाम - जनक सिंह आ. धरमपाल जाति, प्रमाण पत्र में नाम - जनक सिंह आ. धरमपाल निवास प्रमाण पत्र में नाम - जनक सिंह आ. धरमपाल शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - जनक सिंह आ. धरमपाल
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - ओमप्रकाश आ. रीझन राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - ओमप्रकाश आ. रीझन कंवर राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - ओन प्रकाश पिता रीझन कंवर आधार कार्ड में नाम - ओमप्रकाश आ. रीझन राम वोटर कार्ड ने नाम - ओमप्रकाश आ. रिझन राम वंशवृक्ष मे नाम - ओमप्रकाश आ. रिझन	1414 1474/2 1520/2	0.080 0.270 0.150 **0.500**	सोना बाई पिता रीझन राम	नामांकन मे नाम - सोना बाई पिता रीझन राम वंश वृक्ष में नाम - सोनाबाई पुत्री रीझन आधार कार्ड मे नाम - सोना बाई पिता रीझन जाति, प्रमाण पत्र में नाम - कु सोना बाई पिता रीझन राम निवास प्रमाण पत्र में नाम - कु सोना बाई पिता रीझन राम शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - सोना बाई पिता रीझन राम
	1A&1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम-जगतलाल पैकरा,साधारण पैकरा आ.समल पैकरा राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - साधारण पैकरा वगै. आ. समल राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - समल आ. सुखराज कंवर आधार कार्ड में नाम - 1. जगत लाल पैकरा आ. समल साय 2. साधारण आ. समल वोटर कार्ड ने नाम - 1. जगत लाल पैकरा आ. समल साय 2. साधारण आ. समल पैकरा वंशवृक्ष मे नाम - साधारण आ. स्व. समल	1431/2 1521	0.280 0.090 **0.370**	शेष कुमार पैकरा पिता हंसलाल पैकरा	नामांकन मे नाम - शेष कुमार पैकरा पिता हंसलाल पैकरा वंश वृक्ष में नाम - शेष कुमार पैकरा आ. हंशलाल आधार कार्ड मे नाम - शेष कुमार पैकरा आ. हँसलाल जाति, प्रमाण पत्र में नाम-शेष कुमार पैकरा आ.हंसलाल पैकरा निवास प्रमाण पत्र में नाम-शेष कुमार पैकरा आ.हंसलाल पैकरा शैक्षणिक प्रमाण पत्र मे नाम - SHEASH KUMAR PAIKRA S/o HANSLAL PAIKRA
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - समल आ. सुखराज, सुमेर बेवा सुखराज राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - साधारण वगै. आ. समल राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - समल आ. सखाराज, सुमेर बेवा सखाराज आधार कार्ड में नाम - 1. जगत लाल पैकरा आ. समल साय 2. साधारण आ. समल वोटर कार्ड ने नाम - 1. जगत लाल पैकरा आ. समल साय 2. साधारण आ. सनल पैकरा वंशवृक्ष मे नाम - साधारण आ. स्व. समल	1185/1 1159/1 1160/1	0.010 0.100 0.160 **0.270**	अलका पैकरा पति ओमप्रकाश	नामांकन मे नाम - अलका पैकरा पति ओमप्रकाश वंश वृक्ष में नाम - अलका पैकरा पति ओमप्रकाश आधार कार्ड मे नाम - अलका पैकरा पति ओमप्रकाश जाति, प्रमाण पत्र में नाम - अलका पैकरा पिता विमल साय निवास प्रमाण पत्र में नाम - अलका पैकरा पति ओमप्रकाश शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम- ALKA PAINKRA D/o VIMAL SAI
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - 1. जेठू आ. दलवीर, 2. कलेश्वर आ. दलवीर 3. कन्नीलाल आ. दलवीर, 4. सिंगारो पति दलवीर राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - 1. जेतु आ. दलवीर, 2. कलेश्वर आ. दलवीर 3. कनीलाल आ. दलवीर, 4. सिंगारो बेवा दलवीर राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - 1. जेतूराम टेकाम, 2. कलेश्वर, 3. कनीलाल, 4. सिंगारो आधार कार्ड में नाम - 1. जेतूराम टेकाम आ. दलवीर, 2. कलेशवर आ. दलबीर 3. कन्नी लाल आ. डलवीर, 4. सिंगारो पति दलबीर वोटर कार्ड मे नाम - 1. जेंतूराम टेकाम आ. दलवीर सिंह, 2. कलेश्वर गोंड आ. दलबीर गोंड 3. कन्नीलाल कौशिक आ. दलबीर कौशिक, 4. सिंगारो कौशिक पति दलबीर कौशिक वंशवृक्ष मे नाम - NA	1177/2 1178/1	0.300 0.160 **0.460**	ईश्वर प्रसाद पिता साधारण	नामांकन मे नाम - ईश्वर प्रसाद पिता साधारण वंश वृक्ष में नाम - ईश्वर प्रसाद पिता सधारण आधार कार्ड मे नाम - ईश्वर प्रसाद पिता साधारण जाति, प्रमाण पत्र में नाम - ईश्वर प्रसाद पिता सधारण निवास प्रमाण पत्र में नाम - ईश्वर प्रसाद पिता सधारण शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - ISHWAR PRASAD S/o SADHARAN
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - मनियारो पुत्री सोमारू राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - मनियारो पुत्री सोनारू राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - मनियारो पुत्री सोनारू कंवर आधार कार्ड में नाम - मनियारो पैकरा पति झिरूलाल पैकरा वोटर कार्ड ने नाम - मनियारो पैकरा पति झीरूलाल पैकरा वंशवृक्ष मे नाम - NA	1416 1417	0.180 0.240 **0.420**		
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - रामकुमारी पुत्री समलसाय राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - एम कुमारी पैकरा पिता सनयलाल राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - रामकुमारी आ. समलसाय आधार कार्ड में नाम - एमकुमारी पैकरा पति नंदू राम वोटर कार्ड ने नाम - एमकुमारी पैकरा पति नन्दू पैकरा वंशवृक्ष मे नाम - NA	1468	0.210 **0.210**		
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - कलेसरी आ. पवनसाय राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - कलेशरी आ. पवन साय कंवर राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - कलेशरी आ. पवनसाय आधार कार्ड में नाम - कलेशरी पति जवाहर लाल वोटर कार्ड मे नाम - कलेशरी कंवर पति जवाहर कंवर वंशवृक्ष मे नाम - NA	1341/3	0.200 **0.200**		
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - छत्तर सिंह आ. यदुनाथ राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - छत्तर सिंह आ. जदुनाथ गोंड़	1987P	0.170 **0.170**		

	राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - छत्तरसिंह आ. यदुनाथ आधार कार्ड में नाम - छत्तर सिंह आ. जदुनाथ वोटर कार्ड मे नाम - छत्तरधारी मरकाम आ. जदुनाथ मरकाम वंशवृक्ष मे नाम - NA	**Total**	**6.530**		(08 रोजगार)
2	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - मूलसाय आ. गेदवा, रमकेलिया बेवा गेदवा राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - मूलसाय आ. गेदवा राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - मूलसाय, आ. गेदवा, रमकेलिया बेवा गेदवा आधार कार्ड में नाम - मूल साय आ. गेदवा वोटर कार्ड मे नाम - मूलसाय आ. गेदवा वंशवृक्ष मे नाम - मूलसाय आ. गेदवा	1518/2 1433/2 1472/2	0.100 0.090 0.220 **0.410**	ललीता प्रसाद आ. मुलसाय	नामांकन मे नाम - ललीता प्रसाद आ. मूलसाय वंश वृक्ष में नाम - ललीता प्रसाद आ. मूलसाय आधार कार्ड मे नाम - ललीता प्रसाद आ. मुल साय जाति, प्रमाण पत्र में नाम - ललीता प्रसाद आ. मुल साय निवास प्रमाण पत्र में नाम - ललीता प्रसाद आ. मुलसाय शैक्षणिक प्रमाण पत्र मे नाम - LALITA PRASAD S/O MOOL SAY
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - रामफल आ. गेदवा, रमकेलिया बेवा गेदवा राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - रामफल आ. गेदवा राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - रामफल पिता गेदवा, रमकेलिया बेवा गेदवा आधार कार्ड में नाम - रामफल आ. गेदवा वोटर कार्ड मे नाम - रामफल आ. गेदवा वंशवृक्ष मे नाम - रामफल आ. गेदवा	1433/3 1472/3 1511/2 1518/4	0.100 0.190 0.050 0.060 **0.400**	दहीबल सिंह आ. रामफल	नामांकन मे नाम - दहीबल सिंह आ. रामफल वंश वृक्ष में नाम - दहिबल सिंह आ. रामफल आधार कार्ड मे नाम - दहिबल सिंह आ. रामफल जाति, प्रमाण पत्र में नाम - दहीबल सिंह आ. रामफल निवास प्रमाण पत्र में नाम - दहीबल सिंह आ. रामफल शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम-DAHIBAL SINGH S/O RAMPHAL
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - जगत आ. गेदवा, रमकेलिया बेवा गेदवा राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - जगत आ. गेदवा राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - जगत आ. गेदवा, रमकेलिया बेवा गेदवा आधार कार्ड में नाम - जगत आ. गेदवा वोटर कार्ड मे नाम - जगत मरावी आ. गेदवा मरावी वंशवृक्ष मे नाम - NA	1433/4 1472/4 1518/3	0.090 0.190 0.060 **0.340**		
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - रामनाथ आ. बऊवा राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - रामनाथ आ. बऊवा राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - रामनाथ आ. बऊवा आधार कार्ड में नाम - रामनाथ आ. बऊवा वोटर कार्ड मे नाम - रामनाथ मरावी आ. बऊवा मरावी वंशवृक्ष मे नाम - NA	1409/3 1410/3 1475/3	0.030 0.140 0.320 **0.490**		
		Total	**1.640**		(02 रोजगार)
3	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - रमेसर, रंजीत सिंह आ. शिवमंगल राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - रमेसर कौ. आ. शिवमंगल राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - रमेसर, रंजीत आ. शिवमंगल आधार कार्ड में नाम - 1. रमेषर आ. शिवमंगल, 2. रंजीत सिंह आ. शिवमंगल वोटर कार्ड मे नाम - 1. रामेश्वर आ. शिवमंगलए 2. रंजीत सिंह आ. शिवमंगल वंशवृक्ष मे नाम - 1. रमेसर आ. शिवमंगल, 2. रंजीत सिंह आ. शिवमंगल	1444 1467 1469 1470 1492 1494 1495	0.020 0.910 0.050 0.050 0.440 0.230 0.060 **1.760**	रामबकस आ. रमेशर रंजीत सिंह पिता शिवमंगल	नामांकन मे नाम - रामबकस पिता रमेशर वंश वृक्ष में नाम - रामबकस आ. रमेशर आधार कार्ड मे नाम - रामबकस आ. रमेशर जाति, प्रमाण पत्र में नाम - रामबकस पिता रमेसर निवास प्रमाण पत्र में नाम - रामबकस पिता रमेसर शैक्षणिक प्रमाण पत्र मे नाम - रामबकस पिता रमेसर नामांकन मे नाम - रंजीत सिंह पिता शिवमंगल वंश वृक्ष में नाम - रंजीत सिंह आ. शिवमंगल आधार कार्ड मे नाम - रंजीत सिंह आ. शिवमंगल जाति, प्रमाण पत्र में नाम - रंजीत सिंह पिता शिवमंगल निवास प्रमाण पत्र मे नाम - रंजीत सिंह पिता शिवमंगल शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - NA
		Total	**1.760**		(02 रोजगार)
4	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - रामचन्द्र आ. रंगू राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - रामचंद्र आ. रंगू राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - रामचंद्र आ. रंगू आधार कार्ड में नाम - रामचन्दर आ. रंगू वोटर कार्ड मे नाम - रामचन्दर आ. रंगू वंशवृक्ष मे नाम - रामचन्द्र आ. रंगू	1570/1	0.370 **0.370**	रामेश्वर सिंह आ. रामचन्द्र सिंह	नामांकन मे नाम - रामेश्वर सिंह आ. रामचन्द्र सिंह वंश वृक्ष में नाम - रामेश्वर सिंह पिता रामचंद्र सिंह आधार कार्ड मे नाम - रामेश्वर सिंह आ. रामचंद्र सिंह जाति, प्रमाण पत्र में नाम - रामेश्वर पिता रामचन्द्र सिंह निवास प्रमाण पत्र मे नाम - रामेश्वर पिता रामचन्द्र शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - रामेश्वर आ. रामचन्द्र
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - भरोषा उर्फ रामभरोस आ. रंगु राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - भरोषा उर्फ रामभरोस आ. रंगू राजस्व दस्तावेजों (बी-1) मे नाम - भरोषा उर्फ रामभरोस आ. रघू आधार कार्ड में नाम - राम भरोस आ. रंगू राम आयम वोटर कार्ड मे नाम - राम भरोस आ. रंगू राम आयम वंशवृक्ष मे नाम - भरोषा उर्फ रामभरोस आ. रंगू	1570/2	0.360 **0.360**	सुषमा आ. समय प्रताप सिंह	नामांकन मे नाम - सुषमा आ. समय प्रताप सिंह वंश वृक्ष में नाम - सुषमा पुत्री तारा बाई आधार कार्ड मे नाम - सुषमा आ. समय प्रताप जाति, प्रमाण पत्र में नाम - सुषमा पिता समय प्रताप सिंह निवास प्रमाण पत्र मे नाम - सुषमा पिता समयप्रताप सिंह शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - SUSHMA D/O SAMAY PRATAP SINGH
	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - ठुनुलाल, हरिप्रसाद, कनेश्वर आ. हिरासाय राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - ठुनुलाल, हरिप्रसाद, कनेशर आ. हिरासाय राजस्व दस्तावेजों (बी-1) मे नाम - हीरासाय आ. खोशवा आ

पर्व उद्देश्य / डॉ. मोनिका शर्मा

भाई-बहन का रिश्ता बहुत अनमोल होता है। भाई अपनी बहन के लिए और बहन अपने भाई लिए बहुत बड़ा सपोर्ट होती है। जरूरत पड़ने पर दोनों एक-दूसरे की मदद करते हैं, ताकत बनते हैं। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन, इसी उद्देश्य से मनाते हैं कि उनका रिश्ता हमेशा मधुर रहे, मजबूत बने, वे एक-दूसरे के लिए सबसे न्यारे और प्यारे बनें।

बनो प्यारे-न्यारे से भाई-बहन



प्यारे बच्चो, रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन को स्नेह-प्यार की डोरी से बांधता है। सुरक्षा और संबल देता है। इस त्योहार के नाम पर ध्यान दोगे तो समझ में आएगा 'रक्षा' का मतलब ही सुरक्षा है। साथ ही 'बंधन' का अर्थ है-प्रेम का वह धागा, जो भाई की कलाई पर बहन बांधती है। कितनी प्यारी बात है ना, एक रंगीन धागे से भाई-बहन के जीवन में सतरंगी खुशियां बिखरती हैं। बचपन से जुड़ा यह प्यारा रिश्ता पूरी जिंदगी भाई और बहन दोनों को आपस में जोड़े रखता है। एक सुरक्षा देता है। दोनों को सबल बनाता है। बच्चो, इस जुड़ाव को मजबूती देने के लिए हमेशा एक-दूसरे को अच्छे से समझना जरूरी है। स्नेह-साथ का भाव रखना आवश्यक है। ताकि भाई के मन में अपनी बहन और बहन के मन में अपने भाई का साथ देने वाली भावनाएं हमेशा बनी रहें।

सबसे प्यारे दोस्त

भाई-बहन एक-दूसरे के सबसे प्यारे दोस्त होते हैं। यह दुनिया में आने के बाद होने वाली सबसे पहली दोस्ती भी होती है। बच्चो, स्कूल या आस-पड़ोस में तो तुम्हारे मित्र बाद में बनते हैं, सबसे पहले तो बहन का भाई ही उसका फ्रेंड बनता है। इसी तरह भाई के लिए उसकी बहन ही उसकी पहली मित्र होती है। हल्की-फुल्की नोक-झोंक, मान-मनुहार और खट्टी-मीठी शिकायत वाली प्यारी बातें, सबसे पहले तुम्हें इस रिश्ते में ही देखने-जीने को मिलती हैं। असल में भाई-बहन का यह एक रिश्ता बहुत से रिश्तों को समेटे होता है। फ्रेंड, राजदार, एडवाइजर और कभी-कभी कट्टी हो जाने पर बड़ों से शिकायत करने वाला क्यूट-सा विरोधी। जाने कितने ही रूपों में भाई-बहन एक-दूसरे के साथ जीवन से जुड़ी बातों-हालातों को जीते हैं। इसीलिए तुम सब भी इस रिश्ते को मन से समझने और अपने भाई या बहन से जुड़े रहने में बिल्कुल पीछे नहीं रहना।

मन को स्ट्रेंथ देता बॉन्ड



भाई-बहन का साथ कठिन समय में सबसे बड़ा संबल बनता है। मुश्किलों में भले पूरी दुनिया साथ छोड़ दे, पर भाई कभी अपनी बहन का साथ नहीं छोड़ते, हमेशा अपनी बहन से किया वादा निभाते हैं। वहीं बहनें भी हर परेशानी में अपने भाइयों की हिम्मत बढ़ाती हैं, साथ खड़ी होती हैं। दोनों ही मुश्किल समय में न सिर्फ सबसे पहले मदद के लिए आगे आते हैं बल्कि एक-दूजे की ढाल बनकर साथ डटे रहते हैं। यह बॉन्डिंग दूसरे सभी रिश्तों से कहीं ज्यादा पक्की होती है। साथ ही भाई हो या बहन, पूरे अधिकार से एक-दूसरे से मदद भी मांग सकते हैं। बिना संकोच के अपनी तकलीफें बता सकते हैं। बचपन से ही छोटी-छोटी आदतों को लेकर प्यार से रोक-टोक भी कर सकते हैं। उनकी समझाइश मन को अच्छी लगती है। यही वजह है कि भाई और बहन का यह प्यारा सा अनोखा रिश्ता जिंदगी भर मन को स्ट्रेंथ देने वाला बॉन्ड बना रहता है।

पूरे परिवार को जोड़ता है रक्षाबंधन

रक्षाबंधन का धागा भाई-बहन को एक-दूसरे के साथ ही नहीं, पूरे परिवार के साथ रहना सिखाता है। तुमने देखा होगा कि इस दिन पापा की बहन यानी तुम्हारी बुआजी भी पापा को राखी बांधने आती हैं। ऐसे ही मम्मी के भाई यानी तुम्हारे मामाजी भी मम्मी से राखी बंधवाने आते हैं। वे अपने बचपन की यादें शेयर करते हुए भावुक हो जाते हैं। बड़े होने पर भी प्यार की यह डोरी भाई-बहन को दिल से जोड़े रखती है। यह बात सिखाती है कि परिवार के सभी लोगों में प्यार बना रहना चाहिए। बच्चो, तुम्हें भी अपने प्यारे बहन-भाई के साथ हंसी-खुशी यह प्यारा पर्व मानना चाहिए। पूरे परिवार को जोड़ने वाले मम्मी-पापा को तुम भाई-बहनों के बीच इस जुड़ाव को देखकर बहुत खुशी मिलती है। उनके मन को यह भरोसा मिलता है कि दोनों भाई-बहन यूं ही मान-मनुहार के साथ सदा एक-दूजे का संबल बने रहेंगे। इसीलिए बच्चो, तुम सब भी इस सुंदर पर्व को मनाते हुए प्यारे-न्यारे से भाई-बहन बने रहो। हमेशा एक-दूसरे का संबल बनो, एक-दूसरे की ताकत बनो। *

सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं!

कविता / घमंडीलाल अग्रवाल

रक्षाबंधन आया!

पावन रक्षाबंधन आया,
भैया का भी मन हर्षाया।
बहना फूली नहीं समाई,
फूलों के जैसी मुस्काई।
खिला मिठाई तिलक करेगी,
राखी बांध खूब विहंसेगी।
और रुपए देगा भैया,
थिरकेगा मन ता-ता थैया।

मिलजुल रहते भाई-बहना,
मेलजोल जीवन का गहना।
संकट का जब भी क्षण आए,
बहना की वह लाज बचाए।
जीवन खुशियाली में गुजरे,
दर्द न मन के आंगन उतरे।
रक्षाबंधन का संदेशा,
भगे बहन का हर अंदेशा।



फीलिंग्स

भाई-बहन का अनूठा प्यार

बहन भाई को, भाई बहन को जिस तरह एक-दूसरे से प्यार करते हैं, वह बहुत अनूठा होता है। टीवी के चाइल्ड आर्टिस्ट हरिति जोशी अपने भाई और आयुध भानुशाली अपनी बहन से जुड़ी फीलिंग्स शेयर कर रहे हैं **बालभूमि** के साथ।

भाई के साथ बिताया हर पल है खासः हरिति जोशी



सन नियो के शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' में तारा का किरदार निभाने वाली हरिति जोशी ने दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना ली है। रक्षाबंधन के मौके पर हरिति अपने भाई के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में बताती है, 'मैं अपने भाई से बहुत प्यार करती हूं। वह मेरे लिए सिर्फ मेरा भाई नहीं, बल्कि मेरा सबसे अच्छा दोस्त भी है। वह हमेशा मेरा खयाल रखता है। उसके साथ रहने पर हमेशा कुछ न कुछ मजेदार होता रहता है।' अपने भाई को स्पेशल फील कराने के लिए हरिति हर संभव कोशिश करती है। वह बताती है, 'अपने भाई को स्पेशल फील कराने के लिए मैं उसके साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताती हूं। उसकी पसंद का पूरा ख्याल रखती हूं। रक्षाबंधन पर उसे राखी बांधकर उसके हमेशा खुश रहने की कामना करती हूं। यही चीजें हमारे रिश्ते को और खास बनाती हैं।' अपने अब तक के सबसे मेमोरेबल रक्षाबंधन या अपने भाई के साथ बिताए मेमोरेबल मोमेंट्स के बारे में पूछने पर हरिति बताती है, 'भाई के साथ बिताया हर पल मेरे लिए खास है। छोटी-छोटी नोक-झोंक और साथ में की गई मस्ती, ये छोटी-छोटी बातें भाई-बहन के रिश्ते को खूबसूरत बनाती हैं।' इस रक्षाबंधन पर अपने भाई से हरिति क्या स्पेशल गिफ्ट लेगी, वह बताती है, 'मेरे भाई की तरफ से कोई प्यारा-सा सरप्राइज मिल जाए, वही मेरे लिए स्पेशल गिफ्ट होगा। मेरे लिए गिफ्ट से ज्यादा भाई से मिलने वाला प्यार इंपॉर्टेंट है।' *



मेरी सबसे बड़ी सपोर्टर हैं मेरी बहनः आयुध भानुशाली



सोनी सब के शो 'हस्तिनापुर के वीर' में दुर्योधन का किरदार निभा रहे आयुध भानुशाली को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी बहन को लेकर अपनी फीलिंग्स शेयर करते हुए आयुध बताता है, 'मेरी बहन मेरे लिए सिर्फ बहन नहीं, इससे कहीं बढ़कर हैं। वह मुझसे कई साल बड़ी हैं। वह मेरी इकलौती बहन हैं और मैं उनका इकलौता भाई हूं। मेरी बहन मेरी सबसे अच्छी दोस्त, मेरी टीचर और मेरी सबसे बड़ी सपोर्टर भी हैं।' अपनी इतनी प्यारी बहन को स्पेशल फील कराने के लिए आयुध क्या खास करता है, पूछने पर वह बताता है, 'उन्हें स्पेशल फील कराने के लिए हम हर साल उनका जन्मदिन और रक्षाबंधन बड़े ही खास तरीके से मनाते हैं।' अपने अब तक के सबसे मेमोरेबल रक्षाबंधन के बारे में आयुध बताता है, 'मेरा सबसे मेमोरेबल रक्षाबंधन पिछले साल का था। रक्षाबंधन पर मैं अपने शो की शूटिंग के लिए जयपुर में था। मुझे लगा कि इस बार हम साथ में रक्षाबंधन सेलिब्रेट नहीं कर पाएंगे। अगली सुबह जब मैं सोकर उठा तो मेरे सामने मेरी बहन और मेरे पापा बैठे हुए थे। वे मुझे सरप्राइज देने के लिए रात की फ्लाइट लेकर जयपुर आ गए थे। हमने बड़े उत्साह-उमंग के साथ रक्षाबंधन मनाया।' आयुध इस साल रक्षाबंधन पर अपनी बहन को क्या गिफ्ट देगा, वह बताता है, 'इस साल मैं उन्हें ऑल-इन-वन हेयर स्टाइलिंग टूल गिफ्ट करने का प्लान कर रहा हूं।' *



प्रस्तुतिः बालभूमि फीचर्स

तुम्हारे लिए नई किताब / सुरेंद्र विक्रम

ओजोन की सिलाई

हाल में रेनू मंडल की कहानियों का संकलन आया है 'ओजोन की सिलाई'। इस संकलन में प्रकृति, पर्यावरण, विज्ञान के साथ अपने आस-पास के जीवन से जुड़ी 12 कहानियां हैं। पहली कहानी 'अंकुर और बरगद दादा' में छोटे-बड़े के बीच अंतर के साथ-साथ यह भी बताया गया है कि सफलता के लिए निरंतर परिश्रम-धैर्य की आवश्यकता होती है। 'अनोखी टाइम मशीन' कहानी में जंगल की आपसी बंदरबांट और बढ़ रही खींचतान के बीच पेड़-पौधों को लगाकर पानी बचाने का उल्लू का सुझाव मानकर सभी जानवरों ने हरियाली लाकर यह सिद्ध कर दिया कि ऐसे परिवर्तन मन बदलने से ही संभव हैं। 'अब चिंनी आजाद है' कहानी का मूल मंतव्य यही है कि पक्षियों को खुले में मुक्त रहकर ही उन्हें सुखद अनुभूति होती है। शीर्षक कहानी 'ओजोन की सिलाई' में बिगड़ रहे पर्यावरण संतुलन के कारण ओजोन की छतरी में बढ़ते छेद को कैसे रोककर पर्यावरण को संतुलित रखा जाए, बताया गया है। कहानी 'कथनी और करनी' में पेड़-पौधों के संरक्षण देने की बात कही गई है। 'कबूतर का चश्मा' कहानी में भी प्राकृतिक वातावरण को शुद्ध रखने और प्रदूषण से पृथ्वी को मुक्त रखने की सलाह दी गई है। 'फूल और तितली' कहानी में आन्या तितलियों को शीशी में बंदकर रखना चाहती थी, लेकिन उसके पापा ने बताया कि उसकी तरह तितलियों को भी खुलेपन और हवा की जरूरत होती है। बाद में आन्या ने ड्राइंग प्रतियोगिता में खुले बगीचे में रंग-बिरंगी तितलियों का इतना सुंदर चित्र बनाया कि उसे प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। संग्रह की अन्य कहानियां 'बादल की परेशानी', 'रिटर्न गिफ्ट' और 'साथ रहना है जरूरी' में भी संवेदनशील होने की सीख दी गई है। *



पुस्तक: ओजोन की सिलाई, **लेखिका:** रेनू मंडल
मूल्य: 350 रुपए, **प्रकाशक:** नमन प्रकाशन, नई दिल्ली



कहानी

विमला रस्तोगी

पुलकित को सिखाया सबक

पुलकित अपनी छोटी बहन को बहुत सताया करता था। मम्मी के समझाने का भी उसे कोई असर नहीं होता। यहां तक कि पुलकित के चाचा जी ने भी उसे समझाया फिर भी उस पर कोई असर नहीं हुआ। पुलकित से तंग आकर उसके चाचा जी ने उसे सबक सिखाने के लिए एक प्लान बनाया। क्या था यह प्लान, क्या पुलकित में कुछ सुधार हुआ? पढ़ो, एक प्यारी-सी कहानी।



छह साल की पंखुरी बहुत ही प्यारी लड़की है। घर में उसका एक भाई पुलकित है, जो उससे चार साल बड़ा है। वह पंखुरी को बात-बात पर तंग करता है, चिढ़ाता है। पंखुरी रोने लगती है। मम्मी को यह सब बिल्कुल अच्छा नहीं लगता। वह पुलकित को बहुत समझाती रहती हैं, 'देखो बेटा, पंखुरी तुमसे कितनी छोटी है। प्यारी-सी गुड़िया जैसी है। तुम उसे तंग करते हो, यह अच्छी बात नहीं है।'

'अच्छा, अब नहीं तंग करूंगा।' पुलकित मम्मी को भरोसा देता। लेकिन कुछ देर बाद ही वह पंखुरी को फिर परेशान करने लगता। मम्मी खीझ उठतीं। पुलकित के पापा अकसर टूर पर रहते हैं। मम्मी को ही घर-बाहर सब संभालना होता है। पुलकित जिस कॉलोनी में रहता है, उसके चाचा भी वहीं कुछ ही दूरी पर रहते हैं। वह कभी-कभी घर आते हैं। उन्हें भी पुलकित का पंखुरी को तंग करना अच्छा नहीं लगता। वह भी उसे समझाते रहते हैं, लेकिन उस पर कोई असर नहीं होता।

पुलकित बस से स्कूल जाता है। उसके जाने के एक घंटे बाद पंखुरी अपने स्कूल जाती है। वह दोपहर 12 बजे तक स्कूल से आ जाती है। पुलकित 2 बजे आता है।

एक दिन पुलकित स्कूल जाते समय बस्ता लगा रहा था, उसे अपनी पेंसिल नहीं मिली। उसने बहन से पूछा, 'मेरी पेंसिल कहां है पंखुरी?'

'मुझे नहीं पता।' पंखुरी बोली।

'मैं तेरी पेंसिल लेकर जा रहा हूं।' कहकर पुलकित ने पंखुरी की पेंसिल अपने बस्ते में रख ली और तेज कदमों के साथ घर से बाहर निकल गया। पंखुरी उसके पीछे-पीछे भागी, गिर गई, माथा कुर्सी से टकरा गया, वह रोने लगी। मम्मी आईं तो रोते हुए पंखुरी ने उन्हें सारी बात बताई। मम्मी ने देखा, पंखुरी के माथे से खून निकल रहा है। फर्स्ट एड देकर मम्मी तुरंत उसे डॉक्टर के पास ले गईं। उन्होंने उसे ठीक से मरहम-पट्टी कर दी। उस दिन पंखुरी अपने स्कूल नहीं जा पाई। उसी रोज चाचा जी घर आए तो मम्मी ने उन्हें सब बातें बताईं। पापा टूर पर गए थे। मम्मी, पापा को सारी बातें फोन पर बताकर उन्हें परेशान नहीं करना चाहती थीं।

पुलकित स्कूल से वापस लौटा तो पंखुरी के माथे पर पट्टी बंधी देखकर चौंका तुरंत पूछा, 'क्या हुआ इसे?'

'अपनी पेंसिल लेने तुम्हारे पीछे भागी थी, गिर गई। चोट लग गई। जब देखो तब तुम अपनी छोटी बहन को परेशान किया करते रहते हो। यह कितनी गलत बात है।' मम्मी गुस्साईं।

'अब परेशान नहीं करूंगा।' कहकर पुलकित अपनी छोटी बहन के पास बैठ गया। जब तक पंखुरी की चोट ठीक नहीं हुई, पुलकित ने उसे बिल्कुल परेशान नहीं किया। लेकिन कुछ दिनों बाद वह फिर उसे किसी न किसी बात पर तंग करने लगा।

एक दिन पुलकित स्कूल से लौटा तो उसे मम्मी बहुत परेशान-घबराई सी बैठी मिलीं।

'क्या हुआ मम्मी? इतनी परेशान क्यों हैं आप?' पुलकित ने पूछा।

'पंखुरी...' कहते हुए मम्मी का गला भर आया।

'क्या हुआ पंखुरी को..?' पुलकित ने जानना चाहा।

मम्मी ने बताया, 'कुछ देर पहले वह गेट पर खड़ी थी, मैं घर के काम में लगी थी। थोड़ी देर बाद जाकर देखा पंखुरी गेट पर नहीं है।'

'क्या कह रही हो मम्मी! क्या आपने आस-पास के घरों में पूछा? चाचा जी को फोन किया?' पुलकित ने घबराते हुए मम्मी से पूछा।

'हां, मैंने आस-पास के सभी घरों में पूछ लिया। तुम्हारे चाचा जी को भी फोन किया, पंखुरी उनके यहां भी नहीं थी। पता नहीं पंखुरी कहां गायब हो गई?' मम्मी बोलीं।

'मैं चाचा जी के पास जा रहा हूं, उनके साथ पुलिस स्टेशन जाऊंगा।' कहते हुए जल्दी से साइकिल उठाकर पुलकित निकल गया। रास्ते में उसने अपने दोस्त को उसकी बहन के साथ आइसक्रीम खाते देखा तो उसे पंखुरी की बहुत याद आई। राखी भी आने वाली है, स्कूल में अनु बता रही थी। पिछले साल रक्षाबंधन पर कितनी सारी चॉकलेट और मिठाइयां पंखुरी ने मम्मी से मंगवाकर उसे दी थीं। पुलकित मन ही मन यह सब सोचता जा रहा था। उसकी आंखों में आंसू आ गए।

पुलकित चाचा जी के घर पहुंचा। उन्हें सब बातें बताईं। रुंआसा होकर बोला, 'पता नहीं पंखुरी किस हालत में हो? लगता है कोई पकड़ कर ले गया।'

'तुम्हारे लिए तो अच्छा ही हो गया।' चाचा जी ने तंज कसा। 'ऐसा ना कहिए। अब मैं उसे सचमुच में कभी परेशान नहीं करूंगा। कान पकड़ता हूं। जल्दी पुलिस स्टेशन चलिए चाचा जी।' पुलकित रोते हुए बोला।

'चुप हो जाओ पुलकित। आज तुम्हें अपनी गलती का अहसास हो गया है। बैठो, पंखुरी अभी आती होगी।' चाचाजी थोड़ा सहज होते हुए बोले।

'क्या मतलब..?' पुलकित ने चौंक कर पूछा।

'तुम्हारी शैतानियों से मैं, तुम्हारी मम्मी और पंखुरी सब बहुत परेशान थे। तो मैंने भाभी के साथ मिलकर यह प्लान बनाया। तुम्हारे स्कूल से आने से पहले मैं पंखुरी को अपने घर ले आया था। अब तो तुम समझ गए होगे...।' चाचा जी की बात पूरी होने से पहले ही सामने से पंखुरी चाची जी का हाथ पकड़े आ गई। पुलकित ने तुरंत पंखुरी को गले लगा लिया। दोनों भाई-बहन एक-दूसरे का हाथ पकड़े चाचा जी के साथ अपने घर पहुंचे।

कुछ दिन बाद राखी का त्योहार आया। पंखुरी ने लाल रंग की फ्रॉक पहनी, वह बहुत ही प्यारी लग रही थी। पंखुरी ने पुलकित को राखी बांधकर मिठाई खिलाई। पुलकित ने एक बहुत ही सुंदर गुड़िया उसे उपहार में दी। पापा भी आ गए थे। पुलकित और पंखुरी की कई फोटोज पापा ने खींचीं। घर में सभी बहुत खुश थे। *

जीके क्विज-220

1. टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी कौन बन गए हैं?
2. अर्जुन पुरस्कार किस क्षेत्र में दिया जाता है?
3. ओणम किस राज्य का प्रसिद्ध त्योहार है?
4. उगते सूरज का देश किसे कहते हैं?
5. मौर्य साम्राज्य की स्थापना किसने की?
6. विश्व का सबसे बड़ा रेगिस्तान कौन-सा है?
7. लोहे का रासायनिक प्रतीक क्या है?
8. संसार का सबसे छोटा पक्षी कौन-सा है?
9. 'गीतांजलि' के लेखक कौन हैं?
10. शिक्षक दिवस कब मनाया जाता है?



बच्चो, जीके क्विज-220 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-219 का उत्तर: 1. अश्मिता चालिहा, 2. अजीत डोभाल, 3. लद्दाख, 4. हर्षवर्धन, 5. 29 अगस्त, 6. 8 ग्रह, 7. लिथियम, 8. जीरो डिग्री, 9. अंटार्कटिका, 10. ग्रीनलैंड

जीके क्विज-219 का सही उत्तर देने वालेः हर्षित-बिलासपुर, कोमल-महासमुंद, ध्रुव-बलौदा बाजार, कशिश-दुर्ग, यशिका-रायपुर, दिव्या-रोहतक, आशुतोष-रायगढ़, प्रिया-महेंद्रगढ़, रोहित-बालोद, स्वीटी-धमतरी, कृष्णा-दुर्ग

रंग भरो-209

रंग भरो-209 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।





डिंपल, दुर्ग



आशना, जांजगीर



मोक्षित, व्यावर



रूबेन, बिलासपुर



दिव्या, बिलासपुर



कुंजल, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

देवांश-महेंद्रगढ़, आयुष-कोरबा, दिशा-बिलासपुर, कुसुम-रोहतक, काव्या-जबलपुर, सूरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चेतना-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, कुणाल-करनाल, सचिन-बिलासपुर, तेजस-कोरबा

रंग भरो 210



बच्चो, यहां दिए गए ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में एक बहन अपने भाई को राखी बांध रही है। तुम इस प्यारे-से चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

जैकेट का शेष...

शिव के सम्मुख साधना का महा संकल्प...

मनुष्य में अब वैसा आत्मबल, शारीरिक सामर्थ्य और वैसी कठोर साधना करने की क्षमता कहाँ रही। प्रभु के नाम का स्मरण कर दो चार माला फेर लेने को भी हम बड़ी उपलब्धि मान लेने के लिए हम सुविधा अनुसार तैयार रहते हैं। ऐसे वातावरण में कुछ साधक का संयम और संकल्प हमें हैरत में डाल देता है। इस श्रावण मास में ऐसे ही साधक की साधना का साक्षी होने का सुअवसर प्राप्त हुआ। यह साधक हैं स्वामी डा कैलाशानंद गिरी जी महाराज।

स्वामी कैलाशानंद देश के जाने-माने धर्मगुरुओं में हैं और श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी के पीठाधीश्वर हैं। हरिद्वार में गंगा किनारे दक्षिण कालिका मंदिर परिसर में वह निवास करते हैं। शिव और शक्ति दोनों के उपासक कैलाशानंद जी का व्यक्तित्व जितना प्रभावशाली है, उनकी साधना उतनी ही कठोर है। गौरवर्ण, ऊँचा कद, उन्नत ललाट और बलिष्ठ शरीर उनकी पहचान हैं। संन्यासी हैं, गेरुए वस्त्र पहनते हैं लेकिन पीठाधीश्वर होने के कारण उनका रहन-सहन राजा की तरह ही रहता है। उनके आसपास शिष्यों तथा सहयोगियों की असंख्य मौजूदगी रहती है। सामान्य श्रद्धालुओं से लेकर विशिष्ट लोगों तक उनके दर्शन और सान्निध्य के लिए निरंतर आते जाते रहते हैं। देश भर में प्रवास भी करते हैं। कुछ माह पहले रायपुर में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल जी के निवास पर उनसे मुलाकात हुई थी। संयोग से उस प्रवास के दौरान उनके साथ दंतेवाड़ा जाकर माँ दंतेश्वरी की पूजा में सम्मिलित होने का अवसर भी मिला। यात्रा के दौरान उनसे बातचीत का पर्याप्त अवसर मिला। परस्पर चर्चा के दौरान ही उन्होंने आत्मीय भाव से श्रावण माह में हरिद्वार आने और महादेव की आराधना का साक्षी बनने का आदेश दिया। स्मरण रहे कि संत की सलाह या आग्रह आदेश के रूप में स्वीकार करना ही श्रेयस्कर होता है। उनकी कठोर साधना के बारे में पहले से सुन रखा था, लेकिन प्रत्यक्ष अनुभव की बात अलग ही होती है।

कैलाशानंद जी से बातचीत में जब पूछा कि वे श्रावण मास की यह साधना हरिद्वार में ही क्यों करते हैं, तो उनका उत्तर भी अपने आप में उनकी साधना-दृष्टि को समझने वाला था। उन्होंने बताया कि यूँ तो महादेव कैलाशवासी हैं, लेकिन उनकी मान्यता है कि श्रावण मास में भगवान शिव हरिद्वार के कनखल क्षेत्र में निवास करते हैं। एक माह के लिए महादेव का निवास कनखल में होता है, इसलिए उन्होंने भी अपनी इस विशेष साधना के लिए हरिद्वार को चुना है। उनके लिए यह केवल साधना के लिए सुविधाजनक स्थान का चयन नहीं है, बल्कि उस आध्यात्मिक मान्यता से जुड़ा हुआ है कि जिस अवधि में महादेव स्वयं कनखल में विराजते हैं, उस अवधि मेंआराध्य के निकट रहकर आराधना करना अधिक सार्थक है। यही कारण है कि श्रावण आते ही उनकी साधना का केंद्र हरिद्वार बन जाता है और कैलाशेश्वर महादेव के सम्मुख उनका एक माह का तप शुरू होता है।

30 जुलाई को श्रावण मास का आरंभ हुआ और सुबह करीब छह बजे गंगा स्नान के बाद कैलाशानंद जी कालिका पीठ स्थित कैलाशेश्वर महादेव के सम्मुख अपने आसन पर बैठ गए। यह मंदिर चारों ओर से खुला हुआ है और श्रद्धालु बेरोकटोक कभी दर्शन के लिए यहां आ सकते हैं। पूजा-अर्चना का क्रम शुरू हुआ, सहयोग के लिए पंडित और संन्यासी बारी-बारी से उपस्थित होते रहे। यहां भजन है, मंत्रोच्चार है, स्तुति हैं, आरती हैं। पूरा वातावरण भक्ति भाव से परिपूर्ण है। श्रद्धालु निरंतर आते-जाते रहते हैं लेकिन कैलाशानंद जी अपने आसन पर एक ही मुद्रा में निरंतर बैठे हुए हैं। । सुबह छह बजे जिस आसन पर बैठे, रात 11 बजकर



20 मिनट तक उसी आसन पर वैसी ही मुद्रा में बैठे रहे। न पैर बदला, न किसी नित्य क्रिया के लिए उठे और अन्न-फल तो दूर जल तक का सेवन भी नहीं किया। रात 11:20 पर उठे तो लंबे समय तक एक ही मुद्रा में बैठे रहने से पैर अकड़ चुके थे। सहयोगियों के सहारे से ही वह उठ सके।इसके बाद वे फिर गंगा स्नान के लिए गए। लगभग आधे घंटे तक गंगा में रहे, लौटकर वस्त्र बदले और करीब साढ़े 12 बजे फिर महादेव के सम्मुख उसी आसन पर बैठ गए। इसके बाद पूजा, अभिषेक और स्तुति का सिलसिला फिर शुरू हो गया जो सुबह पांच बजे तक चलता रहा। गंगा स्नान आदि के बाद छह बजे से देवोपासना का क्रम शुरू। यह किसी एक दिन की बात नहीं थी; 30 जुलाई से शुरू हुआ यह क्रम लगातार जारी है। आज रक्षाबंधन पर श्रावण मास की समाप्ति के साथ यह साधना पूरी होगी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की समाप्ति के बाद जब इस साधना का हरिद्वार में साक्षी बनने का सौभाग्य मिला तब तक इस सिलसिले को तीन हफ्ते होने को थे। इतने लंबे समय से बिना आहार और नींद लिए कैलाशानंद जी पूरे मनोयोग से शिव सेवा में सन्नद्ध थे। जिस भक्ति और भाव से प्रभु सवा में ऊर्जा के साथ वह लीन थे, उसे शब्दों में व्यक्त करना बेहद कठिन है।

समाज में हम अक्सर सुनते हैं कि हठयोगी वर्षों के अभ्यास से शरीर को इस तरह साध लेते हैं कि वह सामान्य मनुष्य की सीमाओं से आगे जाकर कठिन साधना कर सके। लेकिन कैलाशानंद जी के संदर्भ में सबसे अधिक हैरत में डालने वाली बात यह है कि वे वर्ष भर किसी एकांत साधना में रहने वाले हठयोगी की तरह जीवन नहीं जीते। वे सामान्य सामाजिक जीवन में सक्रिय रहते हैं, यात्राएँ करते हैं, लोगों से मिलते हैं और धार्मिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। फिर श्रावण आता है और वही शरीर ऐसी तपस्या करने लगता है जिसकी कल्पना करना कठिन है। तीन-तीन घंटे, पाँच-पाँच घंटे तक लगातार कलश से महादेव को जल अर्पित करते हुए मैंने उन्हें स्वयं देखा है। जिस गति और एकाग्रता से उनका हाथ चलता रहता है, उसमें थकान का कोई संकेत दिखाई नहीं देता। लगभग तीन-साढ़े तीन किलो के चाँदी के कलश में पंद्रह लीटर पानी भरकर वह एक ही हाथ से हजारों कलश जल महादेव पर अर्पित कर देते हैं। उस समय उनका जुनून देखने लायक होता है। लगातार अभिषेक करना और लंबे समय तक उसी मुद्रा में बैठे रहना बताता है कि वर्षों के अभ्यास ने उनके शरीर और मन को किस स्तर तक अनुशासित किया होगा। कैलाशानंद जी बताते हैं कि लगभग अड़तीस वर्षों से वे इस प्रकार की साधना करते आ रहे हैं। इतनी कठोर साधना के पीछे कितना अभ्यास, कितना संकल्प और कितना आत्मबल है, इसका अनुमान प्रत्यक्ष देखकर ही लगाया जा सकता है और आस्था रखने वाला व्यक्ति इसे ईश्वर की कृपा से भी जोड़कर देख सकता है।

कैलाशानंद जी की साधना में केवल कठोरता नहीं, एक स्पष्ट दर्शन भी दिखाई देता है। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था "देवत्व को पाने के लिए स्वयं को देवत्व में ढालना होता है।" उनकी साधना को देखने के बाद यह वाक्य केवल उपदेश नहीं लगता, बल्कि उनके जीवन में उतरता हुआ दिखाई देता है। महादेव का अभिषेक केवल जल से नहीं होता; गन्ने के रस, दूध, विशिष्ट इत्र, गुड़हल के फूल से निकले तेल, नाना प्रकार के पुष्प और फल से भी अभिषेक होता है। वे कहते हैं कि भगवान की पूजा उस वस्तु से होनी चाहिए जो आपके सामर्थ्य में जो सर्वोत्तमहै, उससे होना चाहिए। । उनकी पूजा में इस विचार का प्रत्यक्ष रूप दिखाई देता है। अर्पण में कृपणता नहीं, बल्कि पूरी उदारता दिखाई देती है। महादेव को भांति भांति के पुष्प और रुद्राक्ष की मालाएँ चढ़ाने के बाद वे वही मालाएँ बीस-तीस मीटर दूर बैठे श्रद्धालुओं की ओर उछाल देते हैं जो सीधे भक्त के गले में जाकर ही ठहरती हैं। मंदिर के गर्भ-गृह में ऊंचाई पर चारों ओर देव प्रतिमाएं स्थापित है। पूजा के दौरान कैलाशानंद जी अपने आसन से उठे बिना माला उछालते हैं और माला जाकर प्रतिमा के गले में ठहर जाती हैं। यह चमत्कार नहीं है,लेकिन साधक के द्वारा वर्षों के अभ्यास से विकसित असाधारण नियंत्रण तो है ही। प्रत्यक्ष अनुभव यह अहसास कराता है कि उन्होंने अपने शरीर, दृष्टि, हाथ और एकाग्रता को असाधारण स्तर तक साधा है।कैलाशानंद जी की साधना का एक और विशिष्ट पक्ष है—शिव और शक्ति की समान भाव से आराधना। श्रावण में वे महादेव की साधना करते हैं तो नवरात्रि में शक्ति की उपासना में स्वयं को उसी कठोरता से समर्पित कर देते हैं। हालांकि अभी भी महादेव की अर्चना के साथ वह बराबरी से देवी का अर्चन करते हैं। चांदी की तकरीबन एक फीट ऊंची अष्टभुजा धारी देवी प्रतिमा उनके बायें हाथ पर विराजमान हैं, जिनका वह बराबरी से पूजन अर्चन करते रहते हैं। श्रावण की साधना जल के बीच होती है, जबकि नवरात्रि में हवन और यज्ञ की अग्नि के बीच; एक ओर शरीर लगातार जल से भीगता है, दूसरी ओर अग्नि की तपिश में तपता है। एक ओर जल का शीतल स्पर्श है तो दूसरी ओर अग्नि का ताप, लेकिन साधना का भाव दोनों जगह एक ही है और वह है, पूर्ण समर्पण। भारतीय दर्शन में शिव और शक्ति को अलग-अलग करके देखना भी संभव नहीं है; शिव चेतना हैं तो शक्ति उस चेतना की क्रियाशीलता। शिव तत्त्व हैं तो शक्ति उसकी अभिव्यक्ति। इसलिए उनके लिए श्रावण और नवरात्रि दो अलग पर्व भर नहीं, साधना के दो अलग आयाम हैं। पूरे समय सामान्य बातचीत से उनका लगभग विरत रहना भी ध्यान आकर्षित करता है; वे तभी बोलते हैं जब शिव स्तुति के श्लोकों का पाठ करना हो या पूजा में सहयोग कर रहे संन्यासियों को कोई निर्देश देना हो। बाकी समय वे मौन रहते हैं और महादेव के सम्मुख उसी भाव में लीन दिखाई देते हैं।

श्रावण मास में हम सब महादेव के दर्शन करने और शिवलिंग पर जल अर्पित करने के लिए आतुर रहते हैं। कुछ मिनट मंदिर में खड़े होकर हम स्वयं को धन्य मानते हैं, लेकिन एक भक्त जिस भाव से अपने आराध्य की स्तुति में स्वयं को समर्पित कर देता है, उसकी साधना का साक्षी होना बिल्कुल अलग अनुभव है। भारतीय परंपरा में भक्त और भगवान के संबंधों की कथाएँ बहुत बड़ी हैं—ध्रुव, प्रह्लाद, मीरा और हनुमान की भक्ति हमने पढ़ी और सुनी है, लेकिन किसी साधक को अपने आराध्य में इस तरह लीन होते हुए प्रत्यक्ष देखना उन कथाओं को वर्तमान में जीवंत होते देखने जैसा अनुभव देता है। कैलाशानंद जी इस साधना से कौन-सी सिद्धि प्राप्त करने के आकांक्षी है, इसकी जानकारी तो नहीं है लेकिन यह साधना ही अपने आप में किसी चमत्कार से कम नहीं है। जब वह महादेव की आराधना में पूरी तरह लीन होते हैं तो कुछ क्षण ऐसे आते हैं जब भक्त और भगवान के बीच का अंतर जैसे धुंधला पड़ जाता है। उस समय उनका स्वरूप शिवमय प्रतीत होता है और उस अवस्था का साक्षी होना अपने आप में रोमांचित कर देने वाला अनुभव है। यदि जीवन में कभी अवसर मिले तो इस साधना का साक्षी बनने की कोशिश हम सभी को जरूर करनी चाहिए। मंदिर में जाकर शिवलिंग के दर्शन करना एक अनुभव है, लेकिन किसी भक्त को अपने भगवान में पूरी तरह लीन होते हुए देखना अलग ही अनुभव है। पहला हमें भगवान के सामने ले जाता है और दूसरा हमें भक्त और भगवान के उस संबंध की अनुभूति कराता है, जिसकी कथाएँ हम सदियों से सुनते आए हैं। हरिद्वार से लौटे एक सप्ताह बीत गया है, लेकिन कैलाशेश्वर महादेव के सम्मुख अपने आसन पर बैठे कैलाशानंद जी का वह दृश्य अब भी स्मृति में स्पष्ट है। दरअसल, कुछ अनुभव ऐसे ही होते हैं जिनकी अनुभूति कभी समाप्त नहीं होती। वह हमारे भीतर कहीं गहरे जाकर रच बस जाती हैं।

पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ की पहल

पीओके के 'प्रधानमंत्री' पद के लिए गिलानी नामित

लाहौर। पाकिस्तान के सत्तारूढ़ दल पीएमएल-एन के प्रमुख नवाज शरीफ ने पीओके के तथाकथित प्रधानमंत्री पद के लिए बैरिस्टर इफ्तिखार गिलानी को नामित किया है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। क्षेत्र की तथाकथित विधानसभा के लिए चुनाव 27 जुलाई, दो अगस्त और तीन अगस्त को तीन चरणों में हुए थे। इन चुनावों के दौरान हिंसक प्रदर्शन हुए थे और बड़े पैमाने पर धांधली के आरोप भी लगे थे। विधानसभा के शुक्रवार को पीओके के तथाकथित प्रधानमंत्री का चुनाव करने की संभावना है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि एक सीट से चुनाव हारने के बावजूद बाद में तकनीकविदों के लिए आरक्षित सीट से विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए गिलानी के नाम को नवाज शरीफ की सिफारिश पर प्रधानमंत्री पद के लिए अंतिम रूप दिया गया है।

राशिफल

मेष आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। नौकरी-व्यवसाय में नए अवसर आ सकते हैं। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

वृष आर्थिक स्थिति आज मजबूत बनेगी। पुराने लंबित कार्य पूरे होने के संकेत हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी और पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी और मित्रों का सहयोग मिलेगा। सोच-समझकर महत्वपूर्ण निर्णय लें, जल्दबाजी से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क आज भावनाओं पर नियंत्रण रखें। कार्य में सावधानी बरतें, छोटी-छोटी गलतियों से बचें। परिवार का पूर्ण सहयोग मिलेगा, जो आपको बल देगा।

सिंह मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सिंह राशि में चंद्रमा होने से आत्मविश्वास और ऊर्जा चरम पर रहेगी। नौकरी में लाभ के योग हैं । धन लाभ संभव है।

कन्या मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। कार्य में व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन परिणाम संतोषजनक रहेंगे। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

तुला रिश्तों में मधुरता आएगी। धन लाभ के अच्छे संकेत हैं। साझेदारी या पार्टनरशिप में सफलता मिलेगी। यात्रा संभव है, जो मनोरंजक साबित होगी।

वृश्चिक शत्रुओं या विरोधियों से सावधान रहें। धैर्य और संयम बनाए रखें। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कार्य में सफलता मिलेगी, लेकिन मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी।

धनु यात्रा के योग बन रहे हैं, जो फायदेमंद साबित हो सकती है। नए कार्य में सफलता मिलेगी। धार्मिक या आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मकर जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन कार्य में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। बड़े फैसले सोच-समझकर लें।

कुंभ नई योजनाएं आज सफल होंगी। आर्थिक लाभ संभव है। कार्य में प्रगति होगी। मन प्रसन्न रहेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मीन मन शांत और प्रसन्न रहेगा।धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी। धन लाभ के योग हैं। यात्रा संभव है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

पेज एक के शेष

भाई ने किडनी देकर भरोसे...

ने भाई होने का फर्ज निभाया और भविष्य में आने वाली चुनौतियों को स्वीकारते हुए बहन को इस बार के रक्षाबंधन से पहले अपनी किडनी के रूप में अनोखा उपहार दे दिया। कोरबा जिले के दर्री में रहने वाले साहू परिवार और खासकर बहन प्राची और भाई कौशलेन्द्र के लिए इस बार की राखी अनोखी होगी। जनवरी में प्रत्यारोपण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों भाई-बहन पूरी तरह स्वस्थ हैं। प्राची अपनी बीएससी की पढ़ाई पूरी कर रही है और कौशलेन्द्र पीएससी परीक्षा की तैयारी में जुटा हुआ है। पिता बृजेश कुमार साहू सिंचाई विभाग में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया की प्राची की तबीयत कुछ समय पहले खराब हो गई थी। एकमात्र रास्ता प्रत्यारोपण है और यह पूरा होने तक उसे डायलिसिस पर रहना होगा। दुखी परिजन उसे लेकर वापस लौट गए मगर सप्ताह में तीन बार होने वाले बेटी के डायलिसिस से उनका मन कचोट रहा था। आखिरकार उन्होंने बेटी के स्वस्थ जीवन के किडनी देने का फैसला लिया। अस्पताल में जांच हुई तो पिता के बाद मां की किडनी मैच नहीं हुई। इसके बाद कौशलेन्द्र की जांच हुई तो ब्लड ग्रुप से लेकर अन्य सभी जांच प्रक्रिया सामान्य निकली। 4 जनवरी को प्रत्यारोपण पूरा हुआ और कुछ दिनों के इलाज प्रक्रिया पूरी होने के बाद भाई-बहन सहित पूरा परिवार खुशी-खुशी घर लौट गया।

250 नक्सलियों ने घेरा, भाई...

वीरता का देशभर में सम्मान भी हुआ। घटना दंतेवाड़ा जिले के नकुलनार की है। 7 जुलाई 2010 के रात लगभग 1 बजे नक्सलियों ने वरिष्ठ नेता व पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अवधेश सिंह गौतम के नकुलनार स्थित घर पर हमला बोला था। अत्याधुनिक हथियारों से लैस 250 से अधिक नक्सलियों ने पूरे इलाके को घेर लिया और दरवाजा तोड़कर लगभग 50 नक्सली घर पर घुसने में कामयाब हो गए और अधांधुध फायरिंग करने लगे। नक्सली आंगन में सो रहे संजय सिंह व धमेन्द्र को गोली मार चुके थे। नक्सल हमले को देखते हुए किसी तरह अवधेश सिंह गौतम पत्नी के साथ घर के पीछे दरवाजे से बचने में कामयाब रहे। पलंग के नीचे छिपे अवधेश सिंह गौतम के छोटे बेटे अभिजीत से नक्सलियों ने पूछा कि तुम्हारे पापा कहां है, जवाब नहीं देने पर नक्सलियों ने 12 वर्ष के अभिजीत के पैर व जांघ के करीब 5 गोलियां मारी। मासूम खून से लथपथ होकर दर्द से तड़पने लगा। इसी बीच दूसरे कमरे से निकली 13 साल की अंजली भाई की हालत देखकर बिल्कुल नहीं घबराई। उसने नक्सलियों से बिना डरे नक्सलियों से रोते हुए कहा कि मेरे भाई को क्यों मार रहे हो उसे छोड़ दो और बिना किसी डर के वह गोलियों की बौछार के बीच खून से लथपथ अपने छोटे भाई को पीठ पर लादकर घर से बाहर निकली। छोटे भाई अभिजीत को लेकर लगभग 500 मीटर दूर अपने दादा के घर की ओर निकल गई। इस बीच काफी थक चुकी अंजली हांफते हुए सड़क पर तीन बार अपने भाई को पीठ से उतारा और फिर थोड़ी सांस लेने के बाद फिर आगे बढ़ने लगी। अंजली ने बताया कि उसका एक ही मकसद था अपने भाई की जान बचानी है वह किसी तरह अपने दादा के घर पहुंची लेकिन नक्सिलियों के डर के चलते किसी ने भी दरवाजा नहीं खोला। तब उसने खिड़की तोड़कर अंदर गई फिर दरवाजा खोलकर अपने भाई को घर के अंदर ले गई। आज भी उस दिन को याद कर दोनों भाई बहन के रोंगटे खड़े हो जाते है।

बस्तर की फिजा में...

आज भी बस्तर की फिजाओं में जब भाई-बहन के अटूट रिश्ते की बात होती है तो लोग अंजलि और अभिजीत की इस कहानी को बड़े गर्व से याद करते हैं। यह एक ऐसी हकीकत थी जहां एक बहन का हौसला बारूद व गन की ताकत पर भारी पड़ गया था।

भाई की जान बचाने दो बच्चों की...

गई। दरअसल 1999 में पहले कोरबा जिले के कुसमुंडा (एसईसीएस) में काम करने वाले युगल शर्मा की तबीयत अचानक बिगड़ गई। डॉक्टरों से जांच कराने पर पता चला कि किशोर की दोनों किडनी खराब है। जल्द डोनर नहीं मिलने पर उनकी मौत हो सकती है। परिवार के सभी सदस्य उनके जीवन को इस संकट से निकालने की कोशिश कर रहे थे। वेल्लूर में ऑपरेशन के समय में दो भाई का टेस्ट हुआ, पर उनकी किडनी मैच नहीं हुई। इसके बाद परिवार के सभी भाई बहनों के साथ ही दूसरे लोगों का भी वेल्लूर सीएमसी अस्पताल में टेस्ट हुआ लेकिन किसी की किडनी ने सपोर्ट नहीं किया।

तीन साल के भाई को बचाने आग में...

चुनेश्वरी के घर में लगी भयंकर आग में फंसे उसके तीन साल के भाई को बचाने के लिए जहां उसके रिश्तेदारों ने कदम पीछे कर लिए, वहीं वह भाई की रोने की आवाज सुनते ही जलते हुए घर में बेखौफ होकर घुस गई और अपनी पीठ पर बिठाकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला। **भाइयों को अच्छी परवरिश-शिक्षा मिले, इसलिए 11वीं के बाद पढ़ाई छोड़ी** : 29 वर्षीय चुनेश्वरी ने बताया कि जब वह छोटी थी, तभी से अपने दोनों छोटे भाइयों से बहुत प्यार करती थी। रक्षाबंधन के दिन वह भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर हमेशा यहीं संकल्प लेती रही कि दोनों को वह खुश रखने का प्रयास करेगी। यहीं वजह है कि 11वीं कक्षा के बाद उसे पढ़ाई छोड़नी पड़ी। परिवार की आर्थिक स्थिति खराब थी, ऐसे में तीन बच्चों की पढ़ाई के लिए माता-पिता के पास पैसे नहीं थे। इसे देखते हुए उसने अपनी पढ़ाई छोड़कर मजदूरी करना शुरू कर दिया।

ऐसे बचाई थी छोटे भाई की बचाई जान : घटना को लेकर चुनेश्वरी ने बताया कि वर्ष 2003 में उसके घर में आग लगी थी। लपटों के कारण किसी भी रिश्तेदार ने घर के अंदर जाने का जोखिम नहीं उठाया। इसे देखते हुए वह बिना देर किए सीधे घर के अंदर घुसी और अपने भाई को पीठ पर बिठाकर सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि इस दौरान चुनेश्वरी के सिर के बाल तथा भाई के हाथ-पैर में चोटें आई थी।

18 साल बाद नौकरी से...

के पद पर नियुक्त किया गया था। 1994 में उनकी नौकरी पक्की कर दी गई और उन्हें हर साल वेतन बढ़ोतरी भी मिलती रही। करीब 18 साल तक नौकरी करने के बाद 19 जून 2008 को कॉलेज प्रबंधन ने उन्हें अचानक नौकरी से निकाल दिया।

अमरावती अस्पताल में तीन नवजात की मौत का मामला

मानवाधिकार आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को भेजा नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

महाराष्ट्र के अमरावती स्थित जिला महिला अस्पताल की सिक न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में आग लगने की घटना में तीन नवजात बच्चों की मौत और चार अन्य के घायल होने की मीडिया रिपोर्ट पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने मामले में महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

आयोग ने मीडिया में प्रकाशित खबर का स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि यदि रिपोर्ट में दी गई घटना और उसके तथ्य सही पाए जाते हैं तो यह मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला बनता है। आयोग ने राज्य सरकार से घटना की पूरी जानकारी

विस्तृत रिपोर्ट देने कहा

आयोग ने घटना की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र के मुख्य सचिव से निर्धारित समयसीमा के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है। रिपोर्ट में घटना के कारणों, अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था, आग से बचाव के इंतजाम और हादसे के बाद उठाए गए कदमों से संबंधित जानकारी मांगे जाने की संभावना है। आयोग ने कहा कि अस्पतालों में उपचाराधीन मरीजों और विशेष रूप से नवजात बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

और अब तक की गई कार्रवाई का विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह घटना 25 अगस्त को अमरावती के जिला महिला अस्पताल की सिक न्यूबॉर्न केयर यूनिट में हुई। आग लगने के बाद यूनिट में भर्ती नवजातों के बीच अफरा-तफरी मच गई।

पुणे में दो मजदूरों की ड्रेनेज चैम्बर में फंसने से मौत

पुणे। पुणे, महाराष्ट्र के पिंपरी-चिंचवड़ इलाके में ड्रेनेज चैंबर के अंदर फंसने से दो मजदूरों की मौत हो गई। हादसा रात में लोकमान्य अस्पताल के पास हुआ। मृतकों की पहचान अमोल शिंदे (20) और मनोज शिंदे (26) के रूप में हुई है। पुलिस जांच कर रही है कि उन्हें यह काम किसने सौंपा था और रात में वे ड्रेनेज चैंबर के अंदर क्या कर रहे थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

(1) **निविदा सूचना संख्या ई-आर-टी-88-26-27, दिनांक: 26.08.2026.** **कार्य:** (i) अंतागढ़ में नवनिर्मित क्वार्टरो के लिए बाउंडरी वाल का निर्माण। (ii) DEN/II/ रायपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लेवल क्रॉसिंग पर सड़क की सतह, बाड़बंदी, ऊंचाई गेज, गेट गुमटी और शौचालयों आदि में सुधार। (iii) DEN/II/ रायपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सैंड हंप, डेड एंड्स और ट्रॉली रिफ्यूज का मानकीकरण। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,83,65,671/-. **ईएमडी:** ₹ 3,67,300/-.

(2) **निविदा सूचना संख्या ई-आर-टी-87-26-27, दिनांक: 26.08.2026.** **कार्य:** रायपुर मंडल के SSE/Works/BMY के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत, 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सर्विस और कॉलोनी सड़कों की मरम्मत हेतु जोनल कार्यो का निष्पादन। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,49,08,502.00/-. **ईएमडी:** ₹ 2,98,200.00/-.

निविदा जमा करना: 24.09.2026 के 17.00 बजे तक। निविदा खुलना: 24.09.2026 को 17.00 बजे।

विस्तृत विवरण/निविदा दस्तावेज की खरीद, पात्रता मानदंड एवं उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण हेतु कृपया वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें अथवा हमारे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध निविदा दस्तावेजों का अवलोकन/ डाउनलोड करें।

मंडल अभियंता-III/
PR/R/ENGG/PCN/193 रायपुर

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट द्वितीय निविदा सूचना

क्र.30/ न.पा.नि./जोन क्र. 3/2026-27 दिनांक 25.08.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दिनांक 10.09.2026 को सायंकाल 5.30 बजे तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा क्रमांक/ सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड/ सबमिट करने की अंतिम तिथि
198318	जोन क्रमांक 03,04,05 एवं 06 के विभिन्न स्थानों पर रोड डामरीकरण एवं नवीनीकरण कार्य।	224.11	10.09.2026

उपरोक्त प्रदाय कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धनोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अधिकारी
जोन क्र. - 3
न.पा. नि. बिलासपुर (छ.ग.)

Green City, Clean City, Dream City.

शब्द पहेली - 6330

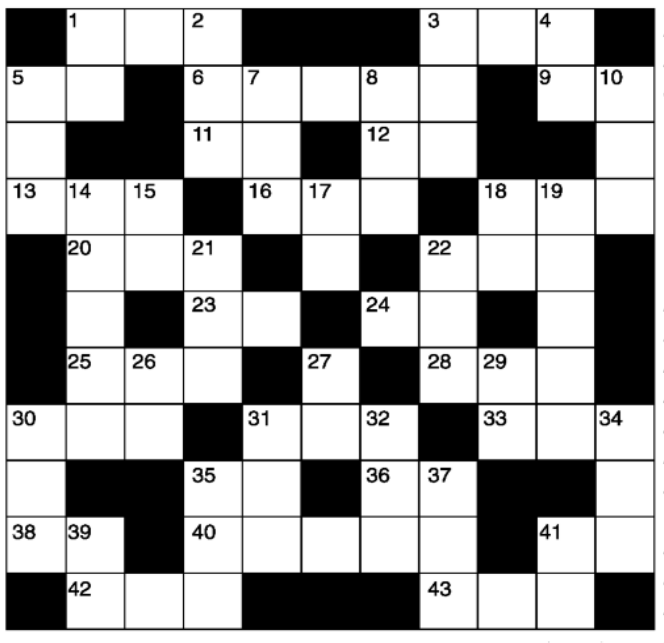

बाएँ से दाए-
1. सेवक, दास-3
3. निवास करना-3
5. खुजली-2
6. परोपकारी-5
9. प्याला, जाम-2
11. टोंटी, नलका-2
12. आनंद, जूस-2
13. प्रतिज्ञा, शपथ-3
16. सिमरन, सुमरन-3
18. सुअर-3
20. पेन, लेखनी-3
22. कमल, जलज-3
23. क्रोध, गुस्सा-2
24. पाश, फंदा-2
25. शोषण करना-3
28. गौरव, प्रशंसा-3
30. सूत कातने का साधन-3
31. गौरव-3
33. देवर्षि-3
35. अंधकार-2
36. यमराज-2
38. अलमस्त-2
40. सलाह देने वाला-5
41. बीता दिन-2
42. रसदार-3
43. इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे
1. उर्वरक-2
2. विशाल, श्रेष्ठ-3
3. धनवान, संपन्न-3
4. घ्राणेंद्रिय, इज्जत-2
5. दैत्य, असुर-3
7. मायाजाल-3
8. उद्धार, पार लगाना-3
10. शरण, आश्रय-3
14. चूर-चूर, ढहा-5
15. टोंटी, नलका-2
17. युद्ध, संग्राम-2
18. दूल्हा-2
19. राजपुत्र-5
21. मद्रास का समुद्र तट-3
22. नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26. मित्र, दोस्त, मीत-2
27. हूर, अप्सरा
29. मेहंदी-2
30. शीर्ष, पराकाष्ठा-3
31. इसमें पौधा लगाते हैं-3
32. पीहर, नैहर-3
34. युक्तिवाद, पैरवी-3
35. टब, परात, तगारी-3
37. इच्छा-3
39. परत, तह-2
41. कदर, सम्मान-2

शब्द पहेली -6329 का हल

क	म	ला	का	र		कु	रा	न	
था	न		र		कै	ला	श		भ	ला
वा			खा	वि	द		ल			य
च	म	क	ना			त		क	स	क
क		था		क	ल	क	ल		ली	
	आ	स		ल		रा		शा	म	
	रा		क	र	ता	र		म		ख
श	म	न		व			म	त	ल	ब
ह			म		दा	म	न			र
र	ध		ग	र	म		च		दा	दा
	ल	की	र			स	ली	के	दा	र

सूडोकु नवताल - 6340

कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6339 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4

खबर संक्षेप

दीपा ज्वेलर्स का आईपीओ के लिए मूल्य दायरा तय



नई दिल्ली। दीपा ज्वेलर्स लिमिटेड ने अपने 460 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 168-177 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। आईपीओ एक सितंबर को खुलेगा और तीन सितंबर को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 31 अगस्त को बोली लगा पाएंगे।

पुष्प ब्रांड को आईपीओ के लिए सेबी से मिली मंजूरी

PUSHP BRAND

नई दिल्ली। पैकेड मसाला कंपनी पुष्प ब्रांड (इंडिया) को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। बाजार नियामक ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आईपीओ में मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 74.45 लाख तक शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

देश की दूसरी सबसे बड़ी ईंधन खुदरा कंपनी बीपीसीएल ने किया स्पष्ट

ई20 को ई10 से बदलने का फैसला नहीं, पुराने वाहन के लिए कम एथेनॉल वाले पेट्रोल पर चर्चा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बीपीसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजय खन्ना ने कंपनी की वार्षिक आम बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अगर सरकार एथनॉल मिश्रण नीति में बदलाव करती है तो ई20 से ई10 पेट्रोल पर जाने में कंपनी को कोई परिचालन या आपूर्ति संबंधी बड़ी चुनौती नहीं होगी। उन्होंने कहा, ''मैंने कभी नहीं कहा कि ई20 को ई10 से बदला जाएगा।

एथेनॉल मिश्रण नीति में बदलाव को लेकर अंतिम फैसला नहीं

चेयरमैन ने कहा कि कुछ हलकों में यह चर्चा जरूर हो रही है कि पुराने वाहन के मालिकों को कम एथनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल का विकल्प दिया जाना चाहिए। खन्ना ने कहा, ''इसका मतलब यह नहीं है कि ई20 खत्म हो जाएगा और ई10 आ जाएगा।'' उन्होंने कहा कि एथनॉल मिश्रण नीति में बदलाव को लेकर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

भारत की दूसरी सबसे बड़ी ईंधन खुदरा कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि ई20 पेट्रोल को ई10 से बदलने पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। कंपनी ने कहा कि फिलहाल चर्चा पुराने वाहनों के लिए कम एथनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल का विकल्प उपलब्ध कराने और देशभर में इसकी आपूर्ति की व्यवस्था को लेकर है।

सरकार दावों को बार-बार खारिज कर रही

हालांकि, सरकार ने इन दावों को बार-बार खारिज किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय का कहना है कि कई तरह के ईंधन की एक साथ आपूर्ति के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करना और उसका रखरखाव करना व्यावहारिक रूप से कठिन होगा। नागेश्वरन और पुजारी ने भी अपने लेख में कहा था कि ई20 से बड़े पैमाने पर वाहन इंजन को नुकसान पहुंचने के दावों के पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं।



- देशभर में कम एथेनॉल वाले पेट्रोल की आपूर्ति व्यवस्था को लेकर चर्चा
- सरकार के एथेनॉल मिश्रण नीति में बदलाव पर कंपनी को परेशानी नहीं
- पुराने वाहन के मालिकों को कम एथेनॉल वाले पेट्रोल का विकल्प मिले

ई20 का पुराने वाहनों के प्रदर्शन पर असर

ई20 पेट्रोल को पिछले साल चरणबद्ध तरीके से पेश किया गया था और एक अप्रैल से देशभर के पेट्रोल पंप पर बिक्री के लिए यही एकमात्र पेट्रोल मिश्रण उपलब्ध है। कुछ उपभोक्ताओं और उद्योग से जुड़े लोगों ने दावा किया है कि ई20 के इस्तेमाल से पुराने वाहनों के प्रदर्शन पर असर पड़ता है और उनके कुछ कलपुर्जों को नुकसान हो सकता है।

ई10 पर वापस जाना कंपनियों के लिए बड़ी चुनौती होगी : ई10 पर वापस जाने का फैसला होता है तो पेट्रोलियम कंपनियों के लिए मौजूदा बुनियादी ढांचे में बदलाव करना बड़ी चुनौती नहीं होगी। हालांकि, ई20 की जगह ई10 लाने और ई20 के साथ ई10 को एक अतिरिक्त विकल्प के रूप में उपलब्ध कराने में अंतर है।

पुराने दोपहिया वाहनों के लिए दिक्कतें

हालांकि, उन्होंने कहा कि इससे पुराने दोपहिया वाहनों के बड़े बेड़े के लिए दिक्कतें पैदा हो सकती हैं। लेखकों ने सुझाव दिया था कि ई20 के साथ ई10 जैसे कम एथनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल को भी उपलब्ध कराया जाए, ताकि पुराने वाहनों की सुरक्षा के साथ सरकार का एथनॉल कार्यक्रम जारी रखा जा सके।

तीनों पेट्रोल उपलब्धता पर लॉजिस्टिक संबंधी दिक्कत

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पिछले महीने कई मौकों पर कहा था कि प्रत्येक पेट्रोल पंप पर सामान्य पेट्रोल, ई10 और ई20 तीनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने से बड़ी लॉजिस्टिक संबंधी दिक्कतें पैदा होंगी।

बिजनेस साइट

अशोका पाम मीडोज में अपार्टमेंट्स की भव्य लांचिंग, आरती ग्रुप की नई पेशकश



रायपुर। राजधानी के तेजी से विकसित हो रहे डूंडा क्षेत्र में आरती ग्रुप की महत्वाकांक्षी परियोजना 'अशोका पाम मीडोज' में अपार्टमेंट्स की भव्य लांचिंग की गई। करीब 90 एकड़ में विकसित हो रही टाउनशिप में आधुनिक जीवनशैली, बेहतर कनेक्टिविटी और प्राकृतिक वातावरण के संतुलन पर विशेष जोर दिया गया है। प्रोजेक्ट में 3-बीएचके अपार्टमेंट्स के साथ हरित वातावरण और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। फोरलेन और नवा रायपुर से बेहतर कनेक्टिविटी के कारण भी परियोजना का आकर्षण बढ़ा है। आरती ग्रुप के 36 वर्षों के सफर की शुरुआत चार मित्रों स्वर्गीय रमेश मोदी, स्वर्गीय किशोर अटलानी, राजीव अग्रवाल और छगनलाल मुंदड़ा ने की थी। शंकर नगर मेन रोड स्थित 'अशोका टावर' से निर्माण क्षेत्र में कदम रखने वाले समूह ने गुणवत्ता और विश्वास के बल पर अपनी अलग पहचान बनाई। आरती ग्रुप के डायरेक्टर ऋबुराज अग्रवाल के नेतृत्व में 'अशोका पाम मीडोज' की परिकल्पना ऐसे परिवारों को ध्यान में रखकर की गई है, जो आधुनिक सुविधाओं के साथ खुला, हराभरा और बेहतर जीवन चाहते हैं। प्रोजेक्ट में ग्रीनरी, खुला वातावरण और आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।

20 भुगतान पर आज ही चाबी

लांचिंग के अवसर पर पहली 100 बुकिंग करने वाले ग्राहकों के लिए मेगा लकी ड्रॉ रखा गया है। इसमें विजेताओं को 30 लाख, 20 लाख और 10 लाख रुपए की ईवी कारों के साथ तीन क्लासिक ईवी स्कूटर पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे। ग्राहकों के लिए विशेष योजना के तहत सिर्फ 20 प्रतिशत भुगतान कर आज ही चाबी लेने और अगले 18 महीने तक कोई भुगतान नहीं करने का अवसर भी दिया जा रहा है।

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें छत्तीसगढ़
स्वास्थ्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, अटल नगर, नवा रायपुर

क्रमांक/ESTB-101(3)/30/2026-DHS/515
नवा रायपुर, अटल नगर, दिनांक 25/08/2026

: सूचना पत्र :

संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें छ.ग. के पत्र क्रमांक/ ESTB-101(3)/30/2026-DHS/483 दिनांक 07.08.2026 के द्वारा संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें के अंतर्गत स्वास्थ्य संस्थाओं में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी स्टाफ नर्स, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला/ पुरूष, फार्मासिस्ट ग्रेड-2, वार्ड आया एवं वार्ड ब्वॉय का अनन्तिम मेरिट का प्रकाशन कर, दावा आपत्ति करने हेतु **दिनांक 07.08.2026 से 14.08.2026 तक** केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, स्वास्थ्य भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर में किया जाना था। अभ्यार्थियों से प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण कर, दावा आपत्ति की सूची एवं स्टाफ नर्स, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला / पुरूष, फार्मासिस्ट ग्रेड-2, वार्ड आया एवं वार्ड ब्वॉय का अंतिम मेरिट सूची तैयार कर, विभागीय वेबसाइट www.cghealth.nic.in में अपलोड किया गया है।

संयुक्त संचालक (अविज्ञप्त/ नर्सिंग)
संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें
छत्तीसगढ़

G- 262703006/1

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर जिला - जाजंगीर-चाम्पा (छ.ग.)

शुद्धि पत्र क्र. 1

निविदा सूचना क्र. 12 / व.ले.लि. / 2026-27 जांजगीर, दिनांक 17.08.2026 निविदा सिस्टम नं. 197447 (प्रथम आमंत्रण) जिसका जी. क्र. 262702827/11 दिनांक 20.08.2026 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है-

स. क्र.	पूर्व प्रसारित	संशोधित
1	09 MONTHS	15 MONTHS

नोट:- निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता
हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर
जिला- जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.)

G-262702983/6

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT NO: 842 /RAIPUR DATED: 27/08/2026

Online bids are invited for the following works of works up to 18.09.2026 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work	Amount of the Estimate (In Lakh)
1	198393	मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड क्रमांक 59 अंतर्गत पचपेड़ी नाका के समीप मंगल भवन कार्य।	4237430.00

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal http://eproc.cgstate.gov.in from 27.08.2026, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE:-1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.

2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID- helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

3. For More Details please download NIT details.

घरों से निकलने वाले गीला और सुखा, कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें।

ZONE COMMISSIONER
(ZONE NO. 06)
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

कार्यालय, नगर पंचायत, धरमजयगढ़ जिला- रायगढ़ (छ.ग.)

क./340/लो.नि.वि/न.प./2026-27 धरमजयगढ़ दिनांक 25/08/2026

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पंचायत, धरमजयगढ़, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सि.नि. क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	198278	विभिन्न वार्डों में पाईप लाईन विस्तार कार्य। (वार्ड क्र. 01.09.10 एवं 14)	RS. 25.73	17.09.2026
2	198281	विभिन्न वार्डों में पाईप लाईन विस्तार कार्य। (वार्ड क्र. 01.03 एवं 08)	RS. 50.78	17.09.2026
3	198283	विभिन्न वार्डों में आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य। (01,02,05.06 एवं 11)	RS. 25.32	17.09.2026
4	198284	विभिन्न वार्डों में सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (03,04,05 एवं 07)	RS. 22.07	17.09.2026
5	198292	वार्ड क्र.12 विनोद अग्रवाल घर से गोकुल यादव घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	RS. 17.35	17.09.2026
6	198293	विभिन्न वार्डों में सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (13,14 एवं 15)	RS. 19.30	17.09.2026
7	198294	जोनल कार्य (वार्ड क्र. 01 से 08 तक)	RS. 16.00	15.09.2026
8	198296	साई मंदिर से पाल मेडिकल होते हुये गुड़िया घर से चौक होते हुए बेरियर चौक तक एवं साई मंदिर से शिव मंदिर तुर्रा तक बी.टी.टापिंग कार्य।	RS. 34.83	17.09.2026
9	198297	विभिन्न वार्डों में आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य। (02,09,10 एवं 11)	RS. 42.58	17.09.2026
10	198301	विभिन्न वार्डों में सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (08,09,10 एवं 11)	RS. 27.43	17.09.2026
11	Gem/ 2026 B7957080	प्लेसमेंट के तहत (कुशल / अकुशल / अर्द्धकुशल/उच्च कुशल) श्रमिक प्रदाय आपूर्ति।	RS. 30.41	15.09.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in & www.cguad.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत धरमजयगढ़

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER MAHANADI GODAWARI BASIN RAIPUR (C.G.)

e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
CORRIGENDUM No-01

1. In System Tender 198030/NIT No.: 04/SAC/2026-27, Bemetara, Dated : 21.08.2026 Whose G-Number is 262702932 dated 24.08.2026 and
2. In System Tender 198032/NIT No. : 05/SAC/2026-27, Bemetara, Dated: 21.08.2026 Whose G-Number is 262702933 dated 24.08.2026

Due to Gazetted Holiday on 28.08.2026 (Raksha Bandhan) following amendments are made :-

S.No	Amendments
1	Bid Start Date and Time: 31.08.2026, 17:31 Hours
2	Online Tenders are invited up to 15.09.2026 at 17.30 Hour
3	Bid Open Start Date and time: 16.09.2026, 11:30 Hours

Note: All other terms and conditions will remain be unchanged.

Executive Engineer
Water Resources Division,
Bemetara (C.G.)
For, Chief Engineer, Mahanadi Godavari Basin
Raipur (C.G.)

G-262702994/10

सोना 800 रुपए और टूटा, चांदी स्थिर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट आई। स्थानीय बाजारों में रक्षाबंधन के त्योहार से पहले सोने की कीमत 800 रुपये टूटकर 1,65,700 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार को 1,66,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

हालांकि, स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, चांदी की कीमत 2,50,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रही।

सोने की कीमतों में यह गिरावट रक्षाबंधन से एक दिन पहले आई है, जब आम तौर पर लोग उपहार और गहने ज्यादा खरीदते हैं।

झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्
जे.एस.सी.ए. स्टेडियम रोड, सेक्टर-3, धुर्वा, राँची - 834004
दूरभाष:- 0651-2444501, 2444502, ई-मेल: jepcranchi1@gmail.com

Letter No. SOE/16/15/2025/3361 Date : 21.08.2026

Expression of Interest

JEPC invites Expression of Interest (EOI) from reputed, experienced, and competent EdTech organizations, academic service providers, and institutions of national standing to submit proposals and deliver technical presentations/demonstrations of their academic delivery model, live tutoring framework, diagnostic/adaptive assessment engine, doubt resolution mechanism, and digital learning platforms which may be infused across the State's 80 CM Schools of Excellence within the budget limit approved under Adarsh Vidyalaya Yojna. Interesed firms can submit their proposal in the prescribed format to jepcranchi1@gmail.com by 31/08/2026. The details format of proposal can be seen in website. jepc. Jharkhand.gov.in.

Sd/-
(Shashi Ranjan)
State Project Director
Jharkhand Education Project Council

PR 388490 Jharkhand Education Project Council(26-27)#D

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड
"सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन" सेक्टर-24, नवा रायपुर-492018
फोन-0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com,
website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/वि.स.क्षे. साजा/68-01/Mandi -663/26-27/3019 रायपुर, दिनांक 25/08/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से "प्रपत्र अ" प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

1. ऑनलाइन निविदा डालने की अंतिम तिथि:- 21.09.2026
2. फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि:- 28.09.2026

क्र.	कार्य का नाम / स्थल	निविदा राशि (लाख में)	एस.ओ.आर विवरण
1	जिला दुर्ग, वि.स.क्षे. साजा, वि.ख. धमधा के नगर पंचायत धमधा में कन्या शाला के पीछे से परोड़ा नाला तक सी.सी.रोड निर्माण, एस.एल.आर.एन. से परोड़ा नाला तक डब्ल्यू.बी.एम.रोड निर्माण, परोड़ा नाला में पुलिया निर्माण, तथा कुल मूलमूर्त (किला परिसर) में डोम शेड, (पार्ट अ) एवं (पार्ट ब), शौचालय, (महिला/पुरुष), सी.सी.रोड निर्माण एवं धान खरीदी केन्द्र राजपुर में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य।	173.00	लो.नि.वि. सड़क, ब्रिज कार्य दिनांक 01.01.2025, एवं भवन कार्य दिनांक 01.01.2015 एवं विद्युत कार्य दिनांक 01.07.2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर. पर।

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्तें, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखे जा सकते है।

S-48886/1 प्रबंध संचालक

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

केयर टेकर

आवश्यकता है- रायपुर स्थित घर की देखरेख करने 24 घंटे रहने योग्य महिला / युवती चाहिए, रहना खाना फ्री+ वेतन. डिटेल्स व्हाट्सअप करें 9993707000.(आरो-931)

सिक्योरिटीगार्ड

Wanted- URGENT REQUIREMENT OF SECURITY GUARDS FOR REPUTED HOSPITAL OF RAIPUR आवश्यकता है: रायपुर हॉस्पिटल हेतु सिक्योरिटी गार्ड 10वीं पास वेतन 12000+PF & ESIC संपर्क Contact: 9907330741, 9826022167, 9993700020, 9907330740, 9826114377. (आरो-1344)

हाऊस कीपिंग

आवश्यकता है- हाउस कीपिंग – पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने हेतु), ऑफिस बॉय – केवल रायपुर लोकल उम्मीदवार एवं कंसल्टेंसी वाले संपर्क करें :- मो.6232022676. (आरो-309)

वार्डन/ड्राइवर/कुक

आवश्यकता है- जैन हॉस्टल रायपुर में शाकाहारी, नशा मुक्त, अनुभवी महिला वार्डन - 1 पद, ड्राईवर- 1 पद, कुक - 1 पद, गार्ड- 1 पद ! संपर्क करें:- रहने खाने की सुविधा 8959906595. (आरो-7356)

क्लासीफाईड

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है । ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30 बजे तक , रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से शाम 6:00 बजे तक (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 25,000/- प्रतिमाह । रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी । जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें । पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल करने का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क :- 9644720222. (आरो-15)

आवश्यकता है- डिजायर टैक्सी चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है जिसको 3 वर्ष टैक्सी चलाने का अनुभव हो वही संपर्क करें महावीर नगर रायपुर 7697800066, 7470308181.(आरो-316)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- रियल स्टेट हेतु मार्केटिंग कार्य के लिए लड़को(उम्र 18 से 35) की आवश्यकता वेतन योग्यतानुसार + कमीशन, पता - शंकरनगर, चौपाटी रायपुर (मिले - सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक) 9098334681. (आरो-209)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

सेल्स/टेक्नीशियन

आवश्यकता है- मंगलम मोटर्स EV-Electric व्हीलर शोरूम में सेल्स के लिए लड़कियों और लड़कों एंव टेक्नीशियन गाडी रिपेयरिंग के लिए आवश्यकता है पता - पुराना धमतरी रोड बारले कॉम्प्लेक्स सेजबहार रायपुर मो. 9399451749 सेलरी योग्यतानुसार समय 10 से 8 (आरो-836)

पैकिंग/ऑपरेटर कार्य

आवश्यकता है- ऑटोपार्ट्स की दुकान में पैकिंग एवं कंप्यूटर ऑपरेटर कार्य हेतु लड़को और लड़कियों की आवश्कता हैं। वेतन योग्यतानुसार । संपर्क - तृप्ति सेल्स कार्पोरेशन, एम. जी.रोड,रायपुर । मोबाइल 9340273375. (आरो-255)

सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- एक सेल्स गर्ल्स की आवश्यकता है वेतन 10000 से स्टार्ट ओम ज्वैलर्स शॉप नंबर 64 बी प्रिया सिंगार सदन के सामने इंदिरा मार्केट दुर्ग (आरो -4169)

फार्महाऊस कार्य

आवश्यकता है- फार्महाऊस में कार्य के लिये एक परिवार की आवश्यकता है फार्महाऊस जुलुम गांव में टेकरी रोड पर रायपुर मे स्थित है। वेतन 15000/- दिया जाएगा साथ ही रहना बिजलीपानी मुफ्त रहेगा। संपर्क:- 9131910194, 9131655209. (आरो-061)

हरिभूमि

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु पुरुष और महिला , सेल्समेन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्रायवर सभी रायपुर निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता विरदी साड़ी कंकालीपारा रोड रायपुर संपर्क समय 10:30 से 9:00, 9425522577, 9425522576 . (आरो-833)

Property प्रापर्टी

प्लाट

डायवर्टेड प्लाट बेचना है- भाटागांव भर्रीखार दो प्लांट 635- 600 वर्ग फुट का रेट 1500 प्रति वर्ग फुट नया रायपुर (जाम गांव) 1000 वर्ग फुट रेट 700 प्रति वर्ग फुट राजिम व आमापारा शिक्षक कॉलोनी 450 वर्ग फुट रेट 1000 प्रति वर्ग फुट संपर्क मोबाइल नंबर 8823780696 पी. एल यदु 9754685471, वी.के यदु 8827275508 पता परशु राम नगर महामाईपारा रायपुर (आरो-828)

बेचना है - सरस्वती कुंज, धनोरा रोड रिसाली, भिलाई में (शांति वाटिका के पीछे) 40 फीट× 70 फीट= 2800 वर्गफीट का डाईवर्टेड और सीमांकन किया हुआ प्लॉट बेचना है। सम्पर्क करें- 7999363065, 9827471831. (आरो-41714)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

बेचना है - हाईवे पर सरोरा खार मे 10,000 वर्गफीट प्रीमियम कॉर्नर कमर्शियल प्लॉट 240 फीट शानदार फ्रंट जिसमें 40 फीट हाईवे एवं 200 फीट डामररोड फ्रंट पूर्व-दक्षिण मुखी, DPC व कमर्शियल डायवर्सन, NH रिंगरोड No.4, जिओ पंप के सामने, शोरूम, वेयरहाउस या स्मार्ट निवेश के लिए शानदार लोकेशन संपर्क:- रोशन अग्रवाल 8878008500. (आरो-062)

For Rent किराया

किराये से देना है - न्यू आदर्श नगर दुर्ग में महाराजा चौक के पास घर किराए से देना है 96690-99300, 79995-42363.(आरो-328)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।


CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Price per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Display
GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

10X1 FIX SIZE

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

खबर संक्षेप



भारत-न्यूजीलैंड क्रिकेट मैच टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री

वेलिंगटन। भारत के बहु प्रारूप के आगामी न्यूजीलैंड दौरे को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है और मेजबान क्रिकेट बोर्ड द्वारा सदस्यों के लिए शुरू की गई टिकटों की बिक्री के शुरुआती 48 घंटे में 26,000 टिकट बिक गए। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य विपणन एवं वाणिज्यिक अधिकारी ग्लेन क्रिचली ने कहा कि टिकटों की कीमत पिछले सत्र के समान रखी गई है और 'क्रिकेट नेशन' के प्रवेश कोड का इस्तेमाल करने पर एक टिकट 30 न्यूजीलैंड डॉलर से कम में उपलब्ध है। आम दर्शकों के लिए टिकटों की बिक्री सात सितंबर से शुरू होगी।

यस्तिका-अनुष्का संभालेंगी भारत 'ए' टीम की कमान



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की महिला चयन समिति ने बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया ए के आगामी भारत दौरे के लिए टीम की घोषणा की जिसमें अनुष्का शर्मा तीन मैच की टी20 श्रृंखला में भारत ए की कप्तानी करेंगी जबकि यस्तिका भाटिया एकदिवसीय और बहुदिवसीय टीम की अगुवाई करेंगी। सयाली सतघरे टी20 में उपकप्तान होंगी जबकि अनुष्का एकदिवसीय और बहुदिवसीय प्रारूप में उपकप्तान होंगी। दौरा 12 सितंबर से शुरू होगा और इसमें तीन टी20, तीन एकदिवसीय तथा चार दिवसीय एक मैच शामिल है।

एमबाप्पे की हैट्रिक से रीयाल मैड्रिड जीता

मैड्रिड। कीलियन एमबाप्पे की हैट्रिक की बदौलत रीयाल मैड्रिड ने बुधवार को यहां स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में रीयाल सोसीदाद को 4-1 से हराया जबकि पदार्पण कर रहे सावियो के गोल की मदद से टोटेनहैम ने इंग्लिश लीग कप में चार्ल्टन को 5-1 से शिकस्त दी। चैंपियन्स लीग के क्वालीफाइंग में नॉर्वे के वाइकिंग, तुर्किये के फेनेरबाश, यूनान के एईके एथेन्स और स्लोवाकिया के स्लोवान ब्रातिस्लावा ने प्रतियोगिता के लीग चरण में जगह पक्की की।

श्रीलंका ने फॉलोऑन खेलने के बावजूद मैच कराया ड्रा

दिनुशा के शतक ने टीम इंडिया की जीत पर फेरा पानी, कोलंबो टेस्ट ड्रा, भारत ने जीती सीरीज

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

सोनल दिनुशा के मैच के दूसरे और श्रृंखला के तीसरे शतक से श्रीलंका ने भारत के खिलाफ फॉलोऑन खेलने के बावजूद दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट को ड्रॉ करा दिया लेकिन मेहमान टीम ने श्रृंखला 1-0 से जीत ली। पैर में जकड़न से जूझने के बावजूद दिनुशा ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए नाबाद 133 रन की पारी के दौरान 264 गेंद का सामना किया और भारत की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

कल के नाबाद सात रन से आगे खेलते हुए दिनुशा ने भारतीय गेंदबाजों को अंतिम दिन पूरी तरह से बेअसर साबित किया। दिनुशा की अगुआई में श्रीलंका ने दूसरी पारी में जब 154 ओवर में नौ विकेट पर 429 रन बनाए थे तब दोनों टीम मैच ड्रॉ कराने पर सहमत हो गईं। इस समय श्रीलंका को 216 रन की बढ़त हासिल थी।

इस तरह से रोचक रहा मैच

कोलंबो टेस्ट में भारत ने अपनी पहली पारी में 503/9 का स्कोर बनाया, जिसमें देवदत्त पडिक्कल (117) और ध्रुव जुरेल (115*) ने शतक लगाए। जवाब में श्रीलंकाई पारी दिनुशा के शतक की मदद से 290 रन पर ही सिमट गई। इसके बाद फॉलो-ऑन खेलने पर मजबूर हुई मेजबान टीम ने पसिंदु सूरियाबंदारा (92) और दिनुशा (133*) की बदौलत 429/9 का स्कोर बनाया और मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ।



पंत ने छक्कों के मामले में गिलक्रिस्ट को पीछे छोड़ा

पंत ने अपनी पारी में 6 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 63 रन बनाए। इस बीच उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में छक्कों के मामले में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट (100) को पीछे छोड़ दिया। पंत अब टेस्ट क्रिकेट में तीसरे सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज हैं। इस मामले में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स (138) पहले और न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम (107) दूसरे नंबर पर हैं।

दिनुशा ने दोनों पारियों में शतक लगाया

दिनुशा भारत के खिलाफ टेस्ट की दोनों पारियों में शतक (103 और 133*) लगाने वाले श्रीलंका के सिर्फ तीसरे बल्लेबाज बने। उनसे पहले दलीप मेंडिस (105 और 105, 1982) और अरविंदा डी सिल्वा (146 और 120, 1997) ऐसा कर चुके थे। अरविंदा (2 बार), कुमार संगाकारा (2 बार), दलीप मेंडिस, असंका गुरुसिन्हा, तिलकरत्ने दिलशान, धनंजय डी सिल्वा और कामिंदु मेंडिस के बाद दिनुशा टेस्ट की दोनों पारियों में शतक बनाने वाले 8वें श्रीलंकाई बल्लेबाज हैं।

दिनुशा इस विशेष सूची में हुए शामिल

दिनुशा ने पहले टेस्ट में 100 और 84 रन के स्कोर किए थे। इसके बाद गॉल टेस्ट की अपनी पहली पारी में 103 रन बनाए थे। वह अब तीसरे ऐसे श्रीलंकाई बल्लेबाज बने, जिन्होंने 2 मैचों की टेस्ट सीरीज की अपनी चारों पारियों में 50+ रन बनाए।

पडिक्कल ने लगाया शतक

नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए पडिक्कल ने सीरीज के कोलंबो टेस्ट की अपनी पहली पारी में 117 रन बनाए। यह उनका लगातार दूसरा टेस्ट शतक साबित हुआ। इससे पहले उन्होंने सीरीज के पहले गॉल टेस्ट में 167 रन की पारी खेली थी। पडिक्कल ने सीरीज में 300 से अधिक रन बनाए। इस सीरीज के पहले टेस्ट में उन्होंने 167 और 44 रन के स्कोर किए थे और भारतीय टीम को जीत मिली थी।

पडिक्कल ने बनाए ये रिकॉर्ड्स

भारत के नंबर-3 बल्लेबाजों द्वारा विदेशों में लगातार 2 टेस्ट में शतक लगाने का पिछला कारनामा चेतेश्वर पुजारा ने किया था। पुजारा ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2018-19 में मेलबर्न में 106 और 0 रन, और उसके बाद सिडनी में 193 रन की पारी खेली थी। पडिक्कल अब श्रीलंका में खेली गई एक टेस्ट सीरीज में 2 शतक लगाने वाले 7वें भारतीय बल्लेबाज बने। उनसे पहले विनोद कांबली, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, शिखर धवन और पुजारा ऐसा कर चुके हैं।

जुरेल का दूसरा टेस्ट शतक

जुरेल ने लगाया अपना दूसरा टेस्ट शतक भारत ने जब 296 रन के स्कोर पर अपना 5वां विकेट खोया, तब जुरेल क्रीज पर आए। सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में उन्होंने टिककर बल्लेबाजी की और पंत के साथ 112 रन की साझेदारी की। उम्दा लय में बल्लेबाजी करते हुए जुरेल ने दूसरे दिन अपना शतक पूरा किया। वह 115 रन बनाकर नाबाद रहे और भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। यह जुरेल के टेस्ट करियर का दूसरा ही शतक साबित हुआ।

अमेरिकी ओपन

मुचोवा-मेंसिक ने जीता मिश्रित युगल खिताब



एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

कैरोलिना मुचोवा और याकुब मेंसिक ने बेलिंडा बेनसिच और फ्लावियो कोबोली को 6-3, 1-6, 10-6 से हराकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का मिश्रित युगल का खिताब जीत लिया।

चेक गणराज्य की जोड़ी ने दो दिन की इस प्रतियोगिता के दूसरे दिन दोनों मुकाबले मैच टाईब्रेक में जीते। मेंसिक की तेज सर्विस और नेट पर शानदार खेल ने इस जोड़ी की जीत में अहम भूमिका निभाई। मेंसिक ने ऐस के साथ फाइनल का अंत किया। इस जोड़ी को 10 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। सेमीफाइनल में भी मुचोवा और मेंसिक हार के करीब पहुंच गए थे लेकिन दो मैच प्वाइंट बचाने के बाद उन्होंने लगातार चार अंक जीतकर मीरा आंद्रीवा और आंद्रे रुबलेव को 5-4, 3-5, 11-9 से शिकस्त दी। बेनसिच और कोबोली ने पहले सेमीफाइनल में एलिना स्वितोलिना और गेल मोनफिल्स की पति-पत्नी की जोड़ी को 4-5, 4-1, 10-5 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

इस प्रारूप से खेला गया फाइनल टूर्नामेंट

फाइनल टूर्नामेंट का एकमात्र मुकाबला था जो सामान्य टेनिस मैच जैसा खेला गया। इसमें सेट छह गेम के थे और छह-छह की बराबरी पर टाईब्रेक हुआ। शुरुआती तीन दौर में सेट चार गेम के थे और चार-चार की बराबरी पर टाईब्रेक खेला गया था।

आखिरी मैच में भारत के सामने बेल्जियम को उसी के गढ़ में हराने की चुनौती

वॉवरे (बेल्जियम)। पांच दशक बाद विश्व कप में पदक जीतने का सपना टूटने के बाद भारतीय पुरूष हॉकी टीम आखिरी मैच में जीत के साथ स्वदेश लौटना चाहेगी लेकिन आज शुक्रवार को होने वाले इस मुकाबले में उसके सामने सह मेजबान और मौजूदा प्रो लीग चैम्पियन बेल्जियम को उसके मैदान पर हराने की कठिन चुनौती है। नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में पहले और दूसरे चरण के मैच खेलने वाली भारतीय टीम पूल ई में चौथे स्थान पर रहने के बाद सातवें / आठवें स्थान का क्लासीफिकेशन मुकाबला खेलने यहां आई है लेकिन हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम की राह इतनी आसान नहीं है । मैच भारतीय समयानुसार रात 9. 45 से ।

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड
नवरत्न कम्पनी
(भारत सरकार का उपक्रम)
वेबसाईट : www.ircon.org, CIN - L45203DL1976GOI008171
अभिरुचि की अभिव्यक्ति
सं. : IRCON/BD/KHARSIA-NAYA RAIPUR-PARMALKASA/2026
अनुभवी एजेंसियों से "छत्तीसगढ़ राज्य में साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे के अंतर्गत खरसिया–नया रायपुर–परमालकसा पाँचवी एवं छठी लाईन परियोजना के संबंध में अर्थ वर्क, पुलों, रेल ओवर रेल (आरओआर) ब्रिज, रोड ओवर ब्रिज (आरओबी), रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी), स्टेशन बिल्डिंग्स, ट्रैक कार्य, विद्युतीकरण, सिगनलिंग एवं दूरसंचार कार्य और संबद्ध विविध कार्यों सहित बलौदाबाजार (किमी 110.500) से परमालकसा (किमी 280.840) तक नयी बीजी डबल लाईन का निर्माण और लखौली स्टेशन एवं मरौदा वाई केबिन तक वाई–कनेक्टिविटीज" के लिए ज्वाइंट वेंचर पार्टनर के रूप में जुड़ने हेतु अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की जाती हैं।
अधिक जानकारी एवं अपडेट के लिए, कृपया ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल www.etenders.gov.in/eprocure/app देखें।
संशोधन/शुद्धि पत्र, यदि कोई होगा तो, केवल वेबसाइट पर होस्ट किया जाएगा। मुख्य महाप्रबंधक/व्यवसाय विकास

द्रविड़ और सहवाग ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की अंडर-19 वनडे टीम में शामिल

18 सितंबर से शुरू होगी एकदिवसीय श्रृंखला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटों क्रमशः अन्वय और आर्यवीर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 18 सितंबर से होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की चयन समिति ने तीन एकदिवसीय और दो मल्टी डे मुकाबलों के लिए अलग-अलग टीम का चयन किया है।

लक्ष्य रायचंदानी एकदिवसीय टीम की कप्तानी करेंगे जबकि यशवर्धन सिंह चौहान को लंबे प्रारूप के मुकाबलों के लिए कप्तान बनाया गया है। अन्वय और आर्यवीर दोनों को



केवल एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। तीनों एकदिवसीय और पहला मल्टी डे मैच राजकोट में खेला जाएगा, जबकि दूसरा बहुदिवसीय मुकाबला अहमदाबाद में होगा।

आर्यवीर पहली बार टीम में शामिल : दिल्ली प्रीमियर लीग में खेल रहे 18 वर्षीय आर्यवीर को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वहीं भारत के पूर्व कप्तान और कोच द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय ने एकदिवसीय टीम में अपना स्थान बरकरार रखा है।

अंडर-19 एकदिवसीय टीम

लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान, रजत बघेल, आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़, वी यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उलवा, चिगुरुपति वेंकट और काव्या पटेल।

अंडर-19 मल्टीडे टीम

यशवर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी, सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा, अभिप्राय बिस्वास, रोहित यादव, ईशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उलवा और आर्यन यादव।

जर्मनी को हराकर भारत विश्व कप हॉकी में पांचवे स्थान पर

एम्सटेलवीन। विश्व कप में सिर्फ एक मैच हारने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन जारी रखते हुए नवनीत कौर के दो और इशिका के एक गोल की मदद से पांचवीं रैंकिंग वाली जर्मन टीम को 3 -1 से हराकर पांचवां स्थान हासिल किया। पिछले 52 साल में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। जर्मनी के लिये लिन क्रिंग्स ने 59वें मिनट में एकमात्र गोल दागा। विश्व रैंकिंग में नौवे स्थान पर काबिज भारत को इस टूर्नामेंट में एकमात्र पराजय का सामना ओलंपिक चैम्पियन सह मेजबान नीदरलैंड के हाथों (0-2)



करना पड़ा था। जर्मनी को मैच में पांच पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारतीय गोलकीपर और डिफेंस चट्टान की तरह अडिग रहा।

दर-दाँत (गम पेंट) असली केंदवा मलहम
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

एशियाई कप 2027 क्वालीफायर

भारत, मलेशिया, फलस्तीन, सिंगापुर और गुआम के साथ ग्रुप-ई में



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल टीम को बृहस्पतिवार को कुआलालंपुर स्थित एएफसी मुख्यालय में हुए आधिकारिक ड्रॉ के बाद एएफसी अंडर-17 पुरुष एशियाई कप 2027 क्वालीफायर के ग्रुप ई में मलेशिया, फलस्तीन, सिंगापुर और गुआम के साथ रखा गया। मुख्य टूर्नामेंट अगले साल उज्बेकिस्तान में आयोजित होगा जबकि ग्रुप ई के क्वालीफायर 11 से 20 नवंबर तक मलेशिया में एकल राउंड रोबिन प्रारूप में खेले जाएंगे।

भारत के अभियान की शुरुआत 11 नवंबर से

भारत अपने अभियान की शुरुआत 11 नवंबर को सिंगापुर के खिलाफ करेगा। इसके बाद 14 नवंबर को गुआम, 17 नवंबर को फलस्तीन और 20 नवंबर को मेजबान मलेशिया से मुकाबला होगा। क्वालीफायर के ड्रॉ में 35 टीम को पांच-पांच टीम के सात ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप की विजेता टीम एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2027 के लिए क्वालीफाई करेगी जिसका आयोजन 12 से 29 मई 2027 तक उज्बेकिस्तान में होगा।

लगातार दूसरी बार भारत कर रहा क्वालीफाई

भारत ने 2026 में सऊदी अरब में हुए टूर्नामेंट के लिए भी क्वालीफाई किया था जहां वह ग्रुप चरण में बाहर हो गया था। अब भारत लगातार दूसरी बार एएफसी अंडर-17 एशियाई कप में जगह बनाने और इतिहास में 11वीं बार इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेगा। सातों ग्रुप की विजेता टीमें एएफसी अंडर-17 एशियाई कप उज्बेकिस्तान 2027 में जगह बनाएंगी जहां वे 2026 फीफा अंडर-17 विश्व कप कतर के लिए स्वतः क्वालीफाई करने वाली एएफसी की नौ टीम से जुड़ेंगी।

भारतीय फुटबॉल टीम उरुग्वे और पनामा से खेलेगी अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने बृहस्पतिवार को बताया कि भारतीय सीनियर पुरुष टीम आगामी फीफा विंडो में 26 सितंबर को पनामा से और छह अक्टूबर को दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे से अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी। इस तरह फीफा विंडो में भारत घरेलू मैदान पर किसी मजबूत टीम के खिलाफ तीसरा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबला खेलेगा। उरुग्वे के खिलाफ यह मुकाबला कोलकाता में पांच बार की विश्व कप चैंपियन ब्राजील के खिलाफ भारत के अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच के तीन दिन बाद खेला जाएगा।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिज, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

New Dr. Juneja's Roop Mantra®
Ayurvedic Face Cream & Face Washes
Goodness of 12 herbs for Skin care
Helpful in protection from : Scars • Wrinkles • Pimples • Dull Skin
रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम में मौजूद ऐलोवेरा, तुलसी, द्राक्षा, हरिद्रा, चंदन, बादाम इत्यादि जड़ी बूटियाँ चेहरे पर नमी सुरक्षित रख एक ट्रीटमेंट की तरह कार्य करती हैं। इसके पोषक एवं एंटी-ऑक्सीडेंट गुण चेहरे की त्वचा को युवा रखने में सहायता करते हैं। यह रूखी/ बेजान त्वचा, झुर्रियों, आंखों के नीचे काले घेरे, खिंचाव के निशान इत्यादि के प्रबंधन में विशेष सहायक है।
24x7 Helpline: 87259 66666 • www.roopmantra.com
Available at all medical & general stores
Clinically Tested*
*For efficacy and safety.

हार्ट अटैक का खतरा पहले ही भांप लेगी यह नई मशीन

चेन्नई। देश में अचानक बढ़ रहे कम उम्र के लोगों में हार्ट अटैक के मामलों ने हर किसी को हैरान और चिंता में डाल दिया है। सबसे ज्यादा परेशानी की बात यह है कि अब 30 से 40 साल के युवा भी तेजी से दिल की बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। कई ऐसी वीडियो और खबरें सामने आई हैं, जिसमें जिम में वर्कआउट करते करते या फिर कुछ काम करते-करते पल भर में ही इंसान की सांसें रुक जा रही हैं। इस गंभीर स्थिति से निपटने और साइलेंट किलर बन चुकी दिल की बीमारियों को शुरुआती चरण में ही पकड़ने के लिए आईआईटी मद्रास के वैज्ञानिकों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है।

क्या है समस्या

शरीर का रक्त संचार तंत्र एक पाइपलाइन की तरह है, जिसमें दिल एक पंप की तरह काम करता है। एक स्वस्थ इंसान की धमनियां लचीली और स्प्रिंग जैसी होती हैं, जो हर धड़कन के प्रेशर को सोख लेती हैं। लेकिन, 20 और 30 साल की उम्र से ही इन धमनियों का लचीलापन धीरे धीरे कम होने लगता है। हाई कोलेस्ट्रॉल या हाई ब्लड प्रेशर के लक्षण दिखने से बहुत पहले ही नसें सख्त होने लगती हैं। वर्तमान समय में भारत में दिल की बीमारियों से मरने वाले लगभग एक तिहाई लोग 40 से 50 वर्ष की उम्र के हैं। अभी भारत के मेडिकल सेक्टर में जो मशीनें मौजूद हैं, उनमें इस बीमारी का पता तब चलता है जब बहुत देर हो चुकी होती है।

आईआईटी मद्रास के वैज्ञानिकों ने हासिल की बड़ी सफलता

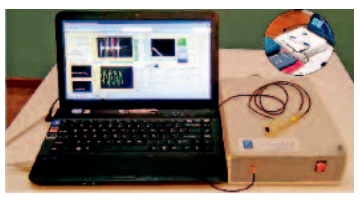

मिनटों में बताएगा नसों का हाल

धमनियों के लचीलेपन की जांच के लिए पहले महंगे अस्पताल, बड़े अल्ट्रासाउंड स्कैनर और एक्सपर्ट्स की जरूरत होती थी। इस समस्या को हल करने के लिए डॉ. जयराज जोसेफ और डॉ राज किरण की टीम ने आर्टिसन यानी आर्टेरियल स्टिफनेस इवैल्यूएशन फॉर नॉन इनवेसिव स्क्रीनिंग नाम का एक पोर्टेबल डिवाइस बनाया है।

भारत को अपने वैस्कुलर डेटा की जरूरत क्यों?

अब तक भारत में धमनियों की कठोरता को मापने के लिए यूरोपीय और अमेरिकी पैमानों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन भारतीय शरीर, खानपान और जीवनशैली पश्चिमी देशों से पूरी तरह अलग है। इस लिए इसमें कभी कभी कुछ अंतर देखने को मिल जाता है।

इस डिवाइस की खास बातें

इसमें कोई सुई या ब्लड टेस्ट की जरूरत नहीं होती है, यानी बिना दर्द के ही जांच हो जाएगी।

गले की कैरोटिड धमनी पर एक छोटा प्रोब रखा जाता है और हाथ-पैर पर प्रेशर कफ बांधे जाते हैं, इससे कुछ ही मिशन में रिजल्ट पता चल जाता है।

यह मशीन मापती है कि दिल की धड़कन से पैदा होने वाली तरंगें धमनियों में कितनी तेजी से दौड़ रही हैं। पाइप जितना सख्त होगा, तरंग उतनी ही तेज भागेगी।

यह तकनीक 100 से ज्यादा वैज्ञानिक रिसर्च और कई पेटेंट से क्लिनिकली प्रमाणित की जा चुकी है।

कब तक आम लोगों तक पहुंचेगी यह तकनीक?

अब तक 10 राज्यों में एआईआईएमएस दिल्ली, एआईआईएमएस पटना, जिपमेर पुडुचेरी, सीएमसी वेल्लोर और मनीपाल जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से 6,400 से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इस प्रोजेक्ट को आईसीएमआर यानी इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च का भी समर्थन प्राप्त है। वैज्ञानिकों का टारगेट अगले 2 से 3 सालों में आर्टिसन डिवाइस को मार्केट में कम कीमत पर उपलब्ध कराना है, जिससे इसे गांव-गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचाया जा सके. आने वाले समय में आपके हेल्थ चेकअप में केवल आपकी उम्र ही नहीं, बल्कि आपकी धमनियों की अंदरूनी उम्र भी साफ-साफ पता चल सकेगी।

भीख मांगकर गुजर-बसर करती थी महिला, मौत के बाद घर में मिला 'खजाना'

बेंगलुरु। किसी ने शायद ही सोचा होगा कि सड़क किनारे ट्रैफिक चौराहों पर भीख मांगकर गुजारा करने वाली एक बुजुर्ग महिला के घर में इतना बड़ा सिक्कों का ढेर मिलेगा। कर्नाटक के मंड्या से सामने आई यह कहानी हर किसी को हैरान कर रही है। 69 वर्षीय नूर की मौत के बाद जब उनके घर में रखे बोरों को खोला गया तो उनमें आठ लाख से अधिक सिक्के भरे मिले। नूर मंड्या के ईस्ट पुलिस स्टेशन क्षेत्र में गुट्टालू रोड के पास सबदरियाबाद मोहल्ले में रहती थीं। वह शहर की सड़कों और ट्रैफिक चौराहों पर लोगों से भीख मांगती थीं। बताया गया कि वह अपने घर में अकेली रहती थीं और लंबे समय से भीख में मिले सिक्कों को जमा करती आ रही थीं। खास बात यह थी कि नूर इन पैसों को खर्च करने के बजाय बचाकर रखती थीं।

युद्ध के मैदान में सबसे खौफनाक हथियार बन रहा है स्वार्म ड्रोन

नई दिल्ली। आज के दौर में जंग का तरीका तेजी से बदल रहा है। अब सीधे आसमान में लड़ाकू विमान भेजने के बजाय एक बड़े 'मदरशिप' से सैकड़ों छोटे-छोटे ड्रोन्स का झुंड यानी 'ड्रोन स्वार्म' दुश्मन पर हमला बोलने के लिए छोड़ दिया जाता है। सोचिए अगर दुश्मन बॉर्डर पर जीपीएस या सारा नेटवर्क जाम कर दे, तब भी ये ड्रोन बिना भटके अपना काम कैसे करेंगे? लद्दाख की कठिन पहाड़ियों से लेकर समंदर के किनारों तक भारत अब खुद को इस नए जमाने की टेक्नोलॉजी से लैस कर रहा है।

एक बटन दबाते ही उड़ेगा ड्रोन्स का तूफान

भारतीय सेना की ड्रोन क्षमता और एस 2 बिलियन का मेगा प्लान



पूर्वी लद्दाख में साल 2020 में चीन के साथ हुए तनाव के बाद भारत को समझ आ गया कि दुर्गम पहाड़ियों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखना इंसानों के बस की बात नहीं है। इसीलिए अब भारत सरकार अपने घरेलू निर्माताओं जैसे अडानी ग्रुप, टाटा, एल&टी, आईडियाफोर्ज और एस्टीरिया एयरोस्पेस जैसी कंपनियों को एस2 बिलियन (लगभग 19,000 करोड़ रुपए) से अधिक का रिकॉर्ड ड्रोन ऑर्डर देने की तैयारी कर रही है।

कालड़ा हॉस्पिटल यूनिट ऑफ कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी सेंटर
फाइलेरिया
हाथी पांव एवं अन्य अंगों का ईलाज
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9424201700

PRADIKSHA HERBAL दर्द अनेक, उपचार एक!
प्रदिक्षा आर्थो ऑयल
Ortho Oil 50 ML
घुटने का दर्द, साइटिका, गाठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक एक बार अवश्य आजमायें।
Custmer Care - 9112637000, 9823286830

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
NABH
न्यूरो सर्जरी विभाग
• सिर एवं स्पाईन (रीढ़) की चोट
• सिर एवं स्पाईन का ट्यूमर
• सिर में पानी भरना
• कमर और गले में दर्द (स्पोंडिलोसिस)
• साईटिका
आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, सी.जी.एच.एस., सभी कोरपोरेट संस्थाओं एवं सभी इंश्योरेंस कंपनियों से ईलाज की सुविधा उपलब्ध
डॉ. रूपेश वर्मा
M.S.,M.Ch (Neuro Surgery)
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
9300373737

Hero
HF-Deluxe
बाइक दमदार दाम शानदार
ऑनरोड कीमत ₹73 499/-
(सेल्फ़-स्टार्ट)
कम डाउन पेमेंट | ₹5 999/-
Hero GoodLife चांदी का सिक्का जीतने का मौका*
pine labs कैशबैक ₹5 000/- तक#
टोल फ्री 1800 266 0018
INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply
Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II. New Delhi-110070, India. ICIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *Offer valid only on purchase of new Hero Two Wheeler & Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st Aug. 2026. #The Cashback of 5% upto ₹5000 is applicable on the transaction between ₹30 000 to ₹1 00 000. The new revised ex-showroom price is valid for a limited period only. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. ~Onroad price of HF Deluxe Self start variant applicable in Chhattisgarh.*Terms & Conditions apply.
अधिकृत डीलरः रायपुरः छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजनांदगांवः जय हीरो, 9289922357, धमतरीः सत्योम हीरो, 9289922525, कांकेरः राहुल हीरो, 9289922834, महासमुंदः वत्स हीरो, 9289922623, बलोदाबाजारः अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंगः श्री राम हीरो, 9289922968, बेमेतराः श्री सांई हीरो, 9289922835, कवर्धाः सरस्वती हीरो, 9289922958, जगदलपुरः विजयपाल हीरो, 9289923064, दंतेवाड़ाः जय विजय हीरो, 9289922990, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983, आटापाराः कुशल हीरो, 9289923052, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्गः उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोशिएट डीलरः रायपुरः संजय ऑटोव्हील, 9289924245, 0771-4266555, पंडरियाः ललित सर्विसेज़, 8770383767, भनपुरीः ओम ऑटो एजेंसी, 6261535855, दोमुहानीः किरण मोटर्स, 9754069392, लवनः गणपति ऑटो, 9926601111/9340379300, भिभौरीः श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, गुरुरः श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, बोडलाः विक्की मोटर्स, 9755583102, पांडातराईः शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अभनपुरः राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरियाः अंकित ऑटो, 9425240565, नवागढ़ः श्री मोटर्स, 9165525555/9009866899, राजिमः गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स, 9977280000, खरोराः अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सरायपालीः बंसल ऑटो, 9425513611, डोंगरगढ़ः युवराज मोटर्स, 8085160380, तिल्दाः आरसन मोटर्स, 9340335266, नगरीः हर्ष ऑटो, 8109502100, पाटनः दिव्या ऑटो, 9893492107, बागबाहराः प्रियंका ऑटोकेयर, 9131058752, कोण्डागांवः आहुजा ऑटोमोबाईल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुरः गुरुनानक ऑटो, 9425596290, केशकालः साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, झगरंडीः किरन ऑटोकेयर, 9754069392, फरसगांवः राजा ऑटोमोबाईल्स, 9425594144, बेरलाः कोन्हा मोटर्स, 98931058752/6260472025, कसडोलः बजरंग मोटर्स, 9425511973, बालोदः नैन ऑटोकेयर, 9425563502, लिमतराः माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स, 9301361155, गरियाबंदः छत्तीगढ़ ऑटो केयर, 8319358443, चरोदाः सत्यम ऑटोमोबाईल्स, 9977155055, गुंदरदेहीः एम.एम. ऑटो, 9893542300/ 8720051135, जामुलः जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, रिसालीः भारत मोटर्स, 9993417123, फिंगेश्वरः अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3ः महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरुदः शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, डरपिनारः कांकेरः अंशू ऑटो, 9406054292, पखांजूरः रिशान सर्विसेज, 6267323235, गोहारा पादरः गोविंद ऑटो केयर , 9303664769, कुडकुदुरः दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमाः आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुरः संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुरः दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, लाखोलीः शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकीः अमर मोटर्स, 9827969901, सालेवाड़ाः साई मोटर्स, 9754329434, राजिमः राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारागांवः जी वी मोटर्स, 7566666243, सरसीवाः श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुरः माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चारामाः श्री करणी ऑटोमोबाइल, 9827894444, गुड़िहारीः श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखाराः प्रेम ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः रायपुरः आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला): इंडियन हीरो, 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉपः रायपुरः आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा), 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः संजय ऑटोमोबाईल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुरः आरसन हीरो, 9285052266, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com